SATURDAY

वर्ष 18, अंक 267 पृष्ठ 12
कोलकाता, शनिवार, 14 मार्च 2026
चैत्र, कृष्णपक्ष, दशमी, वि.सं. 2082

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

दिनमान: सूर्योदय 5.47 सूर्यास्त 5.45
तापमान: अधिकतम 34° न्यूनतम 26°

Government of India

पश्चिम बंगाल में सशक्त नारी शक्ति

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 16 लाख माताओं को लगभग ₹740 करोड़ की सहायता

लगभग 1 करोड़ घरों तक नल से स्वच्छ जल और 1.2+ करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन से धुआँ-मुक्त रसोई, महिलाओं का उत्तम स्वास्थ्य और गरिमा सुनिश्चित

85 लाख शौचालयों से गरिमा सुनिश्चित और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 52 लाख घर, जिनमें 70% में महिलाओं का स्वामित्व

लगभग 12 लाख स्वयं सहायता समूहों से करीब 1.25 करोड़ परिवार सशक्त; 11.5 लाख लखपति दीदियों से महिला नेतृत्व में उद्यमिता को बल

सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 22.5+ लाख बेटियों का भविष्य सुरक्षित

लगभग 27.5 लाख महिला-नेतृत्व वाले MSMEs संचालित, राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति

3,550+ महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप, नवाचार और नए अवसरों को मिल रहा बढ़ावा

विकसित बंगाल
विकसित भारत
पीएम मोदी का संकल्प

"भारत सरकार के प्रयास पश्चिम बंगाल के विकास और बेहतर भविष्य की नींव को मजबूत कर रहे हैं।"
-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

CBC 01101/13/0045/2526

बंगाल के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का रेल दृष्टिकोण

कोलकाताः दशकों तक पश्चिम बंगाल में रेलवे विकास की गति अपेक्षाकृत धीमी रही. कई परियोजनाएं वर्षों तक अधूरी पड़ी रहीं और रेलवे अवसंरचना के आधुनिकीकरण को वह गति नहीं मिल पाई, जिसकी राज्य को आवश्यकता थी. अब यह स्थिति तेजी से बदल रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पश्चिम बंगाल भारतीय रेलवे में हो रहे व्यापक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है. यह परिवर्तन केवल नई रेल लाइनों और स्टेशनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संपर्क, सुरक्षा, यात्री सुविधा और आर्थिक अवसरों के नए आयाम खोल रहा है.

बढ़े हुए बजट के साथ विकास में तेजीः आंकड़े स्वयं इस परिवर्तन की कहानी बताते हैं. वर्ष 2009-14 के दौरान पश्चिम बंगाल के लिए रेलवे का औसत वार्षिक बजट आवंटन लगभग 4,380 करोड़ था. इसके विपरीत, वर्ष 2026-27 के लिए यह आवंटन तीन गुना से अधिक बढ़कर 14,205 करोड़ हो गया है. यह अभूतपूर्व वृद्धि राज्य की रेलवे अवसंरचना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है. इस बढ़े हुए निवेश के कारण राज्य में बड़े पैमाने पर अवसंरचनात्मक परिवर्तन हो रहा है. वर्तमान में पश्चिम बंगाल में लगभग 93,000 करोड़ की रेलवे परियोजनाएँ प्रगति पर हैं. इनमें नई रेल लाइनों का निर्माण, स्टेशनों का पुनर्विकास, सुरक्षा उन्नयन तथा रेलवे क्षमता का विस्तार शामिल है. इसका उद्देश्य राज्य के प्रत्येक हिस्से को तेज और बेहतर रेल संपर्क से जोड़ना है.

रेलवे स्टेशन बन रहे हैं आधुनिक 'सिटी सेंटर': यात्रियों के अनुभव को अधिक आधुनिक, सुविधाजनक और विश्वस्तरीय बनाने के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पश्चिम बंगाल के रेलवे स्टेशनों का बड़े पैमाने पर पुनर्विकास किया जा रहा है. इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के कुल 101 रेलवे स्टेशनों को लगभग 3,600 करोड़ की अनुमानित लागत से पुनर्विकास के लिए चिन्हित किया गया है. इन स्टेशनों को बेहतर यात्री सुविधाओं, आधुनिक अवसंरचना और आकर्षक तथा कार्यात्मक डिज़ाइन से सुसज्जित किया जा रहा है ताकि वे आसपास के क्षेत्रों के लिए आधुनिक शहर केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकें. अब तक राज्य के नौ रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है. इनमें अनारा, बराभूम, हल्दिया, जॉयचांडी पहाड़ जंक्शन, कल्याणी घोष पाड़ा, कामाख्यागुड़ी, पानागढ़, सिउड़ी और तमलुक शामिल हैं. इनमें से जॉयचांडी पहाड़ जंक्शन, कल्याणी घोष पाड़ा और पानागढ़ के पुनर्विकसित स्टेशनों का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है. इन उन्नत स्टेशनों पर अब बेहतर प्रतीक्षालय, स्पष्ट संकेतक और प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना प्रणाली, विशाल सर्कुलेटिंग क्षेत्र, फूड कोर्ट, पार्किंग सुविधाएं, सुगम आवागमन के लिए अलग प्रवेश और निकास मार्ग, लिफ्ट और एस्केलेटर जैसी सुलभता सुविधाएं, स्वच्छ वातावरण और सौंदर्यपूर्ण स्टेशन भवन उपलब्ध कराए गए हैं. ये सुविधाएं रेल यात्रा को यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक, सुरक्षित और सुखद बना रही हैं.

हर नागरिक के लिए आधुनिक रेल यात्रा

आधुनिक ट्रेन सेवाओं तक बढ़ती पहुँचः राज्य में संपर्क को मजबूत करने और यात्रियों को आधुनिक रेल सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रीमियम ट्रेन सेवाओं का भी तेजी से विस्तार हुआ है. भारतीय रेलवे पश्चिम बंगाल को देश के प्रमुख शहरों से जोड़ने वाली कई आधुनिक और उच्च तकनीक वाली ट्रेन सेवाएं संचालित कर रही है. वर्तमान में पश्चिम बंगाल से वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की एक जोड़ी सेवा संचालित हो रही है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा अधिक आरामदायक और सुविधाजनक बन गई है. इसके अतिरिक्त अठारह वंदे भारत एक्सप्रेस और बाईस अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं राज्य के प्रमुख शहरों और महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्रों को जोड़ रही हैं. ये ट्रेनें यात्रियों को तेज, आधुनिक और किफायती यात्रा का अनुभव प्रदान करती हैं. इन सेवाओं के शुरू होने से यात्रा समय में कमी आई है और विश्वस्तरीय रेल यात्रा आम नागरिकों की पहुँच में आई है. साथ ही, इनसे राज्य के प्रमुख शहरों, व्यापारिक केंद्रों और पर्यटन स्थलों के बीच संपर्क मजबूत हुआ है, जिससे क्षेत्रीय विकास और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिली है.

राज्य में रेलवे का नया स्वरूपः पश्चिम बंगाल में रेलवे नेटवर्क के विस्तार में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है. वर्ष 2014 के बाद से राज्य में लगभग 1,400 किलोमीटर नई रेल लाइनें बनाई गई हैं, जो संयुक्त अरब अमीरात के पूरे रेल नेटवर्क से भी अधिक है. रेलवे विद्युतीकरण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है. वर्ष 2014 के बाद से पश्चिम बंगाल में लगभग 1,712 किलोमीटर रेल मार्गों का विद्युतीकरण किया गया है और अब राज्य का रेलवे नेटवर्क 100 प्रतिशत विद्युतीकृत हो चुका है. सुरक्षा और सुगम आवागमन को बेहतर बनाने के लिए राज्य में 500 से अधिक रेल फ्लाईओवर और अंडरपास भी बनाए गए हैं. इसके अलावा भारतीय रेलवे की स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच का विस्तार भी तेजी से हो रहा है. पश्चिम बंगाल में अब तक 105 रूट किलोमीटर पर कवच प्रणाली लागू की जा चुकी है, जबकि 1,041 रूट किलोमीटर पर कार्य प्रगति पर है. कुल मिलाकर 3,200 रूट किलोमीटर पर इसके कार्यान्वयन को मंजूरी दी जा चुकी है.

राज्य के लिए नई परियोजनाएं और सेवाएंः पश्चिम बंगाल को रेलवे विकास में जल्द ही एक और बड़ा प्रोत्साहन मिलने वाला है. अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों-कामाख्यागुड़ी, तमलुक, हल्दिया, बीरभूम, अनारा और सिउड़ी-का उद्घाटन शीघ्र ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा. इसके साथ ही बेलदा-दांतन के बीच तीसरी रेल लाइन तथा कलाई कुण्डा-कानिमहुली के बीच ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग परियोजना को भी राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा. इसके अतिरिक्त पुरुलिया और आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) के बीच एक नई एक्सप्रेस ट्रेन सेवा भी शुरू की जाएगी. यह सेवा पश्चिम बंगाल और राष्ट्रीय राजधानी के बीच एक महत्वपूर्ण और सुविधाजनक रेल संपर्क प्रदान करेगी.

दुर्गापुर के शहीद जवान अजय जायसवाल को सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई

आसनसोलः भारतीय सेना के शहीद जवान अजय जायसवाल का पार्थिव शरीर दुर्गापुर उसके पैतृक निवास पर पहुंचते ही शोक की लहर दौड़ गई. मिली जानकारी के अनुसार, शहीद जवान की मृत्यु जम्मू में सैन्य अभ्यास के समय तोप का गोला फटने से हुआ. अजय जायसवाल दुर्गापुर के मामडा बाजार के विद्यासागर पल्ली निवासी थे. शुक्रवार को शहीद अजय जायसवाल का तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर उनके निवास स्थान पर लाया गया. पूरा इलाका भारत माता की जय के नारों से कुछ उठा. इलाके में शोक का माहौल था. शहीद जवान के पार्थिव शरीर को गुरुवार को विशेष विमान से अंडल एयरपोर्ट लाया गया था. जहां से उनके पार्थिव शरीर को पानागढ़ स्थित आर्मी बेस कैंप पर रखा गया. शुक्रवार को विशेष वाहन में फूलों से सजे ताबूत में उसके पार्थिव शरीर को उनके पैतृक निवास स्थान पर लाया गया. दुर्गापुर वासियों ने शहीद जवान को पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई. जवानों ने राइफल झुका कर शोक प्रकट किया तथा उसके बाद हवा में फायरिंग कर गन सैलूट दी गई. शहीद जवान को अंतिम विदाई देने के लिए दुर्गापुर के एसडीएम सुमन विश्वास दुर्गापुर नगर निगम प्रशासक बोर्ड के चेयरमैन आनंदित मुखर्जी सहित अन्य व्यक्ति मौजूद थे. उन्होंने शहीद जवान के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र चढ़कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए. इस मौके पर दुर्गापुर के एसडीएम सुमन विश्वास ने कहा कि दुर्गापुरवासी अजय जायसवाल भारतीय सेवा में तैनात थे. जम्मू में सैन्य अभ्यास के दौरान एक दुःखद घटना में उनकी मृत्यु हो गई. उनके सम्मान को लेकर दुर्गापुर वासी गौरवान्वित तो है, लेकिन उनके परिवार को लेकर दुख भी लग रहा है. प्रशासन की ओर से पूरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ है. एक जीवन शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया.

न्यूज कॉर्नर

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर केएलओ लिंकमेन का आमरण अनशन शुरू

सिलीगुड़ीः उत्तर बंगाल के फूलबाड़ी इलाके में पूर्व कामतापुर लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (केएलओ) लिंकमेनों ने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर शुक्रवार से आमरण अनशन शुरू कर दिया है. यह अनशन रोजगार, स्थायी पुनर्वास और ऑटोनॉमस काउंसिल के गठन की मांग को लेकर एक्स-केएलओ लिंक मैन महिला (नारी) मंच समन्वय समिति के बैनर तले शुरू किया गया है. मिली जानकारी के अनुसार, आंदोलनकारी सिलीगुड़ी शहर संलग्न के बटालियन मोड़ पर धरना मंच बनाकर आमरण अनशन पर बैठ गए. इस आंदोलन में पुरुषों के साथ-साथ कई महिला लिंकमेनों ने भी हिस्सा लिया. आंदोलनकारियों का कहना है कि पूर्व केएलओ सदस्यों और लिंकमेनों के लिए तुरंत रोजगार की व्यवस्था की जानी चाहिए. इसके साथ ही उनके स्थायी पुनर्वास की व्यवस्था करने और क्षेत्र में ऑटोनॉमस काउंसिल गठित करने की मांग भी उठाई गई है. प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती तब तक उनका आमरण अनशन जारी रहेगा. साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा.

विधानसभा चुनाव से पहले केशियाड़ी में महिला केंद्रीय बल की गश्त

मेदिनीपुरः आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के उद्देश्य से केशियाड़ी क्षेत्र में महिला केंद्रीय बल ने रूट मार्च किया. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन ही लगभग 70 सदस्यीय महिला केंद्रीय बल की टीम केशियाड़ी पहुंची थी. अल्फा 233 बटालियन की इस विशेष टीम का केशियाड़ी थाने की ओर से स्वागत किया गया. सूत्रों के अनुसार, रविवार से ही महिला जवान क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में लगातार गश्त कर रही हैं. शुक्रवार सुबह उन्होंने केशियाड़ी के विभिन्न इलाके में कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से बातचीत भी की. प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय बल की इस टीम के रहने की व्यवस्था केशियाड़ी के नछीपुर आदिवासी हाई स्कूल में की गई है. स्कूल के कम्युनिटी कक्ष में उनके ठहरने की व्यवस्था की गई है. विधानसभा चुनाव से पहले केशियाड़ी थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और मतदाताओं में विश्वास बढ़ाने के लिए महिला केंद्रीय बल ने पुलिस के सहयोग से रूट मार्च शुरू किया है. इस दौरान जवान विभिन्न बूथों का निरीक्षण करने के साथ-साथ मतदाताओं से भी संवाद किया. स्थानीय शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ भी उनका जनसंपर्क देखा गया. प्रशासन का मानना है कि इस रूट मार्च का उद्देश्य क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखना तथा मतदाताओं के मन से भय दूर करना है.

डीए की मांग पर मेदिनीपुर में बंद, स्कूल के बाहर हंगामा

पश्चिम मेदिनीपुरः बकाया महंगाई भत्ता (डीए) सहित चार सूत्री मांगों को लेकर संघर्षशील संयुक्त मंच और विभिन्न कर्मचारी-शिक्षक संगठनों द्वारा शुक्रवार को बुलाए गए बंद के कारण पश्चिम मेदिनीपुर के मेदिनीपुर शहर में तनाव का माहौल देखने को मिला. बंद को सफल बनाने के लिए सुबह से ही बंद समर्थक सड़कों पर उतर आए और शहर में जुलूस निकाला. प्रदर्शनकारियों ने जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के गेट के सामने धरना देकर विरोध प्रदर्शन भी किया. इसके बाद सुबह करीब साढ़े दस बजे आंदोलनकारियों ने विद्यासागर विद्यापीठ (बालक) और विद्यासागर विद्यापीठ (बालिका) स्कूल के सामने भी प्रदर्शन किया. आरोप है कि इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्रों को स्कूल में प्रवेश करने से रोकने की कोशिश की. हालांकि स्कूल प्रबंधन ने स्थिति को संभालते हुए छात्रों को स्कूल के अंदर प्रवेश करने की व्यवस्था की. इस दौरान बंद समर्थकों और शिक्षक-शिक्षिकाओं के बीच कुछ देर तक बहस भी हुई. घटना के दौरान कुछ छात्र-छात्राएं वापस घर लौट गए, लेकिन दोनों स्कूल प्रशासन के अनुसार अधिकांश विद्यार्थी स्कूल में प्रवेश कर कक्षाओं में शामिल हो सके. बंद को लेकर शहर में दिनभर पुलिस प्रशासन भी सतर्क नजर आया.

मुर्शिदाबाद में आम बागान से दो बाल्टी ताज़ा बम बरामद

मुर्शिदाबादः जिले के फरक्का ब्लॉक के जयरामपुर इलाके में एक आम बागान से दो बाल्टी भरे ताज़ा बम बरामद होने से इलाके में भारी सनसनी फैल गई. गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर फरक्का थाने की पुलिस ने इन विस्फोटकों को बरामद किया. पुलिस सूत्रों के अनुसार, जयरामपुर इलाके के एक आम बागान में संदिग्ध तरीके से कुछ वस्तुएं जमा कर रखे जाने की खबर फरक्का थाने की पुलिस को मिली थी. इसी आधार पर शुक्रवार सुबह पुलिस ने इलाके में अभियान चलाया. तलाशी के दौरान आम बागान के भीतर से दो बाल्टी भरे ताज़ा बम बरामद किए गए. घटना की खबर पाकर बमों को निष्क्रिय करने के लिए बम स्क्वॉड को सूचित किया गया. साथ ही पूरे इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है. घटनास्थल पर पुलिस तैनात कर इलाके को घेर लिया गया है, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो. फरक्का थाने के आईसी अमित मुखर्जी ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि किसी असामाजिक उद्देश्य से बदमाशों ने इन बमों को वहां जमा करके रखा था. हालांकि ये बम किसने रखे और इसके पीछे क्या उद्देश्य था, इसका पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है. स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है.

बोलपुर स्टेशन पर मिला यात्री का ट्रॉली बैग

पुलिस ने सोने के गहनों सहित सामान लौटाया

कोलकाताः हावड़ा जीआरपी जिले के अंतर्गत सैंथिया जीआरपी थाना के बोलपुर चौकी की पुलिस ने एक यात्री का खोया हुआ ट्रॉली बैग बरामद कर उसके वास्तविक मालिक को वापस सौंप दिया. बैग में सोने के गहनों समेत अन्य कीमती सामान रखा हुआ था. शुक्रवार को रेल पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार को बोलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को एक लावारिस ट्रॉली बैग मिला. पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू की और पूछताछ के बाद बैग के मालिक का पता लगाया. जांच में पता चला कि बैग महाराष्ट्र के पुणे की रहने वाली मौमिता चौधरी का है, जो गुरुवार को डाउन एनजेपी वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार हुई थीं. सैंथिया जीआरपी थाना की ओर से महिला को इसकी सूचना दी गई. पूरी तरह सत्यापन के बाद शुक्रवार को उनका ट्रॉली बैग उन्हें सौंप दिया गया. बैग में दो सोने की चेन (लगभग 30 ग्राम), एक सोने का पेंडेंट, एक जोड़ी सोने की बालियां और 12-14 साड़ियां सहित अन्य सामान मौजूद था. अपने कीमती सामान वापस मिलने पर मौमिता चौधरी ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया.

अपहरण की कोशिश में पांच गिरफ्तार

मेदिनीपुरः मेदिनीपुर शहर में अपहरण की कोशिश के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. यह घटना गत रात 9.30 बजे करीब पंचुर चक इलाके में हुई. आरोप है कि कुछ लोगों ने एक युवक को जबरन कार में बैठाने की कोशिश की. युवक का नाम पलाश बताया जा रहा है. पलाश के शोर मचाने पर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे और आरोपितो को पकड़ लिया. स्थानीय लोगों की मदद से युवक को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से सुरक्षित छुड़ा लिया गया. बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और पांचों आरोपितो को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया. प्राथमिक जांच में पता चला है कि युवक की पहचान फेसबुक के जरिए एक अज्ञात व्यक्ति (पार्थ दास) से हुई थी. उसी व्यक्ति से मिलने के लिए वह वहां गया था, जहां यह घटना हुई. आरोपितो ने पहले उसे कॉलेज मैदान में मिलने के लिए बुलाया था, लेकिन युवक के वहां जाने से मना करने पर बाद में पंचुर चक इलाके में खादिम की दुकान के सामने आने को कहा गया. वहीं उसे जबरन कार में बैठाने की कोशिश की गई. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. फिलहाल इस घटना के पीछे की असली वजह क्या है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है. पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है.

पूर्व रेलवे आरपीएफ ने किया हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

5 लाख से अधिक के हथियार, गोला-बारूद एवं चोरी के सामान बरामद

कोलकाताः संगठित अपराध के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करते हुए तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, पूर्व रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वित संयुक्त अभियान चलाकर भागलपुर में एक आपराधिक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और 5 लाख से अधिक मूल्य के हथियार, गोला-बारूद तथा चोरी की यात्री संपत्ति बरामद की. 11 मार्च को, आरपीएफ / भागलपुर, जीआरपी / भागलपुर, अपराध जांच शाखा (सीआईबी)/जमालपुर और अपराध रोकथाम एवं पता लगाने वाली टीम (सीपीडीएस)/भागलपुर द्वारा भागलपुर में मोहम्मद कलाम, मोहम्मद बिलाल (गुड्डू) और मोहम्मद नराह मियां के घरों पर संयुक्त छापेमारी की गई. इस अभियान के दौरान, दो महिलाओं को उनके घरों से गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार महिलाओं की पहचान भागलपुर जिले के मुजाहिदपुर थाना क्षेत्र के मौलाना चक, अली नगर, मोहम्मद लाल बाबू की पत्नी रूबी खातून (22) और भागलपुर जिले के मुजाहिदपुर थाना क्षेत्र के मौलाना चक, अली नगर, मोहम्मद कलीम की पत्नी कमर जहाँ (30) के रूप में हुई है. गहन तलाशी के दौरान संयुक्त टीम ने घरों के विभिन्न स्थानों पर छिपाकर रखे गए बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और संदिग्ध चोरी की यात्री संपत्ति बरामद की. बरामद वस्तुओं का कुल अनुमानित मूल्य लगभग 5,11,000 है. बरामद की गई वस्तुओं में 2 पिस्तौल, 12 पिस्तौल के सक्रिय कारतूस, 4 पिस्तौल की मैगज़ीन, 4 देसी पिस्तौल (देसी कट्टा), 6 देसी पिस्तौल के सक्रिय कारतूस, 3 इस्पात के रामपुरी चाकू, 4 लोहे के चाकू, 1 धारदार लोहे की गरांसी, 1 दाओ (तेज धार वाला हथियार), 1 सैमसंग टैबलेट, 14 एंड्रॉइड मोबाइल फोन, 28 कीपैड मोबाइल फोन, 1 कलाई घड़ी, 3 ट्रॉली बैग, 1 हल्का वजन मापने की मशीन, लगभग 4 ग्राम सोने के आभूषण, लगभग 200 ग्राम चांदी के आभूषण और विभिन्न व्यक्तियों और यात्रियों के 50 आधार कार्ड शामिल हैं. छापेमारी के दौरान, घटनास्थल पर कोई संदिग्ध पुरुष नहीं मिला और घरों में केवल दो महिलाएं ही मौजूद थीं. बाद में संयुक्त टीम द्वारा दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया. शिकायत के आधार पर, जीआरपी,भागलपुर ने गिरफ्तार की गई दोनों महिलाओं और फरार 12 आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) अधिनियम की विभिन्न धाराओं और शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1-बी)(ए) और 26 के तहत मामला दर्ज किया है. मामले में फरार आरोपियों का पता लगाने तथा इससे जुड़े व्यापक नेटवर्क की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है.

हरिपाल में किसानों को आलू बिक्री के लिए टोकन वितरण शुरू, लंबी कतारें

हुगलीः जिले के हरिपाल ब्लॉक कृषि कार्यालय के सामने शुक्रवार को किसानों की लंबी कतारें देखी गईं. यहां किसानों से आलू खरीदने के लिए टोकन वितरण की प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसके बाद आलू को कोल्ड स्टोरेज में जमा किया जाएगा. मिली जानकारी के अनुसार, इन टोकनों के आधार पर किसानों का आलू हिमघर में रखा जाएगा और बाद में राज्य सरकार उसी आलू को खरीदेगी. हालांकि किसानों को भुगतान कब मिलेगा, इस बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है. राज्य में इस वर्ष आलू की कीमतें काफी नीचे चली गई हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है. इसी स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने किसानों से सहायक मूल्य पर आलू खरीदने का निर्णय लिया है. सरकार ने 50 किलोग्राम की एक बोरी आलू के लिए 475 रुपये का मूल्य तय किया है. वर्तमान में खुले बाजार में आलू की कीमत 150 से 220 रुपये प्रति बोरी के बीच बताई जा रही है, लेकिन वहां भी किसानों को खरीदार नहीं मिल रहे हैं. व्यापारियों द्वारा किसानों से आलू खरीदने में अनिच्छा दिखाई जा रही है. सरकारी योजना के तहत एक किसान से अधिकतम 70 बोरी आलू खरीदे जाने की बात कही गई है, जबकि इससे अधिक उत्पादन का क्या होगा, इसे लेकर किसानों में चिंता बनी हुई है. किसानों का कहना है कि एक बोरी आलू उत्पादन में लगभग 375 रुपये का खर्च आता है. इसके अलावा खेत से आलू निकालने, छंटाई करने, पैकिंग और कोल्ड स्टोरेज तक पहुंचाने में करीब 75 रुपये का अतिरिक्त खर्च होता है. इस तरह एक बोरी आलू पर कुल लागत लगभग 450 रुपये पड़ती है. सरकार द्वारा तय किए गए 475 रुपये प्रति बोरी के सहायक मूल्य पर किसानों को मात्र 25 रुपये का लाभ मिलता है. किसानों का कहना है कि तीन महीने में 35 से 40 हजार रुपये खर्च करने के बाद इतना कम मुनाफा उनके लिए पर्याप्त नहीं है. कई किसानों ने कहा कि मौजूदा सहायक मूल्य से उनकी आर्थिक समस्या का समाधान नहीं होगा. सहायक मूल्य बढ़ाने की मांग को लेकर कुछ किसान आंदोलन भी शुरू कर चुके हैं.

नदी में बड़ी संख्या में मरी मछलियां मिलने से सनसनी

कूचबिहारः जिले के मानिकगंज के खारिजा बेरुबाड़ी इलाके में स्थित पांगा नदी की सतह पर बड़ी संख्या में मरी मछलियां मिली है. इनमें कई बोआल, आइड़ और बाइम मछलियां आधी मरी हुई थी, जबकि कुछ पूरी तरह मृत अवस्था में थी. यह घटना शुक्रवार को सामने आते ही इलाके में सनसनी फैल गई. घटना की खबर फैलते ही जाल और थैले लेकर बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं बड़ी संख्या में नदी में उतर गए और मछलियां पकड़ने लगे. इस घटना के बाद पर्यावरण प्रेमियों ने चिंता जाहिर किया है. पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में मछलियों का मरना सामान्य घटना नहीं है. अनुमान है कि रात के अंधेरे में अधिक मछली पकड़ने के लालच में कुछ असामाजिक लोगों ने नदी में जहर डाल दिया होगा, जिससे जल जीवों की मौत हो रही है. कुछ लोगों का मानना है कि बीती रात हुई बारिश के कारण आसपास के चाय बागानों से कीटनाशक और रासायनिक मिश्रित पानी नदी में आ गया, जिसके कारण मछलियों की मौत हो रही है.

नंदकुमार में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बस-टैंकर की टक्कर, 22 यात्री घायल

पूर्व मेदिनीपुरः जिले के नंदकुमार थाना क्षेत्र के हांसगेड़िया इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-116 पर शुक्रवार सुबह भयावह सड़क दुर्घटना में 22 यात्री घायल हो गए. यात्रियों से भरी एक बस सड़क किनारे खड़े टैंकर के पीछे जोरदार टक्कर मारने से यह हादसा हुआ. घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार सुबह लगभग साढ़े छह बजे सोलपट्टा-कोलकाता रूट की एक बस सोलपट्टा से कोलकाता की ओर जा रही थी. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस तेज रफ्तार में चल रही थी. इसी दौरान चालक ने आगे चल रही एक अन्य बस को ओवरटेक करने की कोशिश की. तभी नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे खड़े टैंकर के पीछे जा टकराया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और कई यात्री घायल हो गए. दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया. घायलों में से करीब 14 लोगों को तमलुक के ताम्रलिप्त मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया है, जबकि अन्य घायलों को नंदकुमार के खेजुरबेड़िया ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है. अस्पताल सूत्रों के मुताबिक घायलों में एक की हालत गंभीर है. दुर्घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया. इस घटना के कारण कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित रहा. सूचना मिलने पर नंदकुमार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

आईआईटी खड़गपुर में स्वयं-एनपीटीईएल एसपीओसी कार्यशाला

खड़गपुरः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर ने हाल ही में स्वयं-एनपीटीईएल एसपीओसी कार्यशाला (पूर्वी क्षेत्र) का सफल आयोजन किया. इस कार्यशाला का उद्देश्य पूर्वी भारत के विभिन्न संस्थानों में स्थापित एनपीटीईएल स्थानीय अध्यायों के एकल संपर्क बिंदु (एसपीओसी) प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करना तथा उनके योगदान का सम्मान करना था. एनपीटीईएल के पूर्वी क्षेत्र के लिए समन्वयक संस्थान के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर कार्य कर रहा है. शुक्रवार दोपहर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर ने बताया कि कोलकाता के साल्ट लेक स्थित सिटी सेंटर-एक के रॉयल बंगाल कक्षों में आयोजित इस कार्यक्रम में 310 प्रतिभागियों ने भाग लिया. इनमें विभिन्न संस्थानों के प्रमुख, एसपीओसी प्रतिनिधि, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के संकाय सदस्य, एनपीटीईएल स्टार पुरस्कार प्राप्तकर्ता तथा आमंत्रित शिक्षाविद शामिल थे. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में

प्रोफेसर सुमन चक्रवर्ती, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर उपस्थित रहे. अपने संबोधन में उन्होंने भारत में ऑनलाइन शिक्षा के भविष्य पर अपने विचार साझा किए तथा तकनीकी शिक्षा को भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के महत्व पर बल दिया. उन्होंने कॉन्सेप्ट कैप्सूल की अवधारणा भी प्रस्तुत की, जिसके अंतर्गत मूलभूत अवधारणाओं को 15 मिनट के संक्षिप्त वीडियो के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का प्रस्ताव रखा गया है. इसके बाद प्रोफेसर हैमंती बनर्जी, सह-अधिष्ठाता (सीई एंड टी) एवं एनपीटीईएल समन्वयक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर ने एनपीटीईएल की वर्तमान एवं आगामी पहलों पर विस्तृत प्रस्तुति दी. इसके पश्चात प्रोफेसर जानकीरमन वीरराघवन, एनपीटीईएल समन्वयक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास द्वारा एक संवादात्मक प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोफेसर डी. गणदुराई, कुलपति, सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय, नागालैंड तथा प्रोफेसर सुमिता दवे, प्रोकुलपति, एमिटी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ ने एनपीटीईएल की पहलों की सराहना की तथा देश के दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया. कार्यशाला का समापन एक भव्य पुरस्कार समारोह के साथ हुआ, जिसमें जुलाई-अक्टूबर 2025 सत्र के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनपीटीईएल स्थानीय अध्याय संस्थानों को सम्मानित किया गया तथा एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों के 162 शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं को उनके उल्लेखनीय शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया. इस अवसर पर कार्यशाला ने उच्च गुणवत्ता वाली ऑनलाइन शिक्षा के विस्तार तथा शैक्षणिक क्रेडिट अंतरण नीति के अनुरूप लचीले शिक्षण अवसरों को बढ़ावा देने के प्रति एनपीटीईएल की प्रतिबद्धता को भी दोहराया.

SATURDAY

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

वर्ष 18, अंक 267 पृष्ठ 12
कोलकाता, शनिवार, 14 मार्च 2026
चैत्र, कृष्णपक्ष, दशमी, वि.सं. 2082

मूल्य: ₹3

दिनमान — सूर्योदय 5.47 सूर्यास्त 5.45
तापमान — अधिकतम 34° न्यूनतम 26°

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

आधुनिक बुनियादी ढांचा, आधुनिक पश्चिम बंगाल
राष्ट्र की प्रगति के इंजन का वाहक

लगभग ₹ 18,700 करोड़ लागत की विकास संबंधी परियोजनाओं का
उद्घाटन, शिलान्यास, राष्ट्र को समर्पण एवं हरी झंडी दिखाकर रवाना करना

राष्ट्र के प्रति समर्पण

- कलाईकुंडा और कनिमोहुली (55 आरकेएम) के बीच ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग
  पश्चिम मेदिनीपुर, झारग्राम और पूर्व सिंहभूम जिलों के यात्रियों के लिए ट्रेन सुरक्षा में सुधार एवं सुगम और तेज यात्रा
- बेलदा और दांतन (16 किमी) के बीच तीसरी रेल लाइन
  वर्धित लाइन क्षमता के माध्यम से यात्री और मालगाड़ियों दोनों की तेज आवाजाही

हरी झंडी दिखाकर रवाना करना

- पुरुलिया-आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) एक्सप्रेस
  सीधा और किफ़ायती यात्रा विकल्प

उद्घाटन

- एनएच-19 के पानागढ़ से पालसित खंड की 6-लेनिंग
  उन्नत सड़क सुरक्षा, यात्रा समय में कमी और बेहतर क्षेत्रीय संबद्धता
- एनएच-114 पर भेदिया में 4-लेन आरओबी का निर्माण
  बोलपुर में पर्यटन स्थल जैसे कि शांतिनिकेतन से बेहतर संपर्क व्यवस्था
- हल्दिया गोदी परिसर [एचडीसी, एसएमपीए] में बर्थ नंबर 2 का मशीनीकरण
  एचडीसी के ड्राई बल्क कार्गो की संचालन क्षमता में उन्नति
- खिदिरपुर डॉक-I (पश्चिम) का पुनरुद्धार
  यांत्रीकरण एवं स्वचालित बैगिंग-स्टिचिंग प्लांट के माध्यम से कार्गो हैंडलिंग की गति एवं क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि
- एनएच-19 के बरवा अड्डा से पानागढ़ खंड तक 6-लेनिंग
  उन्नत सड़क सुरक्षा, यात्रा समय में कमी और बेहतर क्षेत्रीय संबद्धता
- स्वरूपनगर में इछामती नदी (एन डब्ल्यू-44) पर पुल
  इछामती नदी को पार करने में स्थानीय लोगों के लिए लाभदायक
- अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत पश्चिम बंगाल के 6 पुनर्विकसित अमृत स्टेशन (अनारा, तमलुक, हल्दिया, बराभूम, सिउड़ी और कामाख्यागुड़ी)
  नियंत्रित यातायात, उन्नत प्रतीक्षा अंचल, लिफ्ट और एस्केलेटर की स्थापना, समुन्नत प्लेटफॉर्म सरफेसिंग एवं प्लेटफॉर्म कवर, स्टेशनों पर फ्री वाई-फाई, यात्री सूचना प्रणालियों में सुधार

शिलान्यास

- एनएच 116ए के 4-लेन वाले इकोनॉमिक कॉरिडोर खड़गपुर मोरग्राम का विकास
  एनएच-16 और एनएच 12 से गुजरते हुए खड़गपुर-मोरग्राम मार्ग तक सीधा संपर्क, जिससे 119 किमी की दूरी में कमी और यात्रा समय में 7 से 8 घंटे की बचत
- एनएच-14 पर कांगसाबती नदी और शिलाबती नदी पर 4-लेन के बड़े पुलों का निर्माण
  पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा जिलों में निर्बाध संपर्क प्रदान करते हुए यात्रा समय में कमी और वाहन परिचालन लागत में कटौती
- खिदिरपुर डॉक [केडीएस, एसएमपीए] में स्टोरेज जगह की वृद्धि के लिए यार्ड का विकास
  पेवरयुक्त यार्ड में बढ़ोतरी जिससे समग्र स्टोरेज क्षमता में वृद्धि, ड्रेनेज सिस्टम में सुधार और उपकरण एवं वाहनों का तेज़ आवागमन
- हावड़ा ब्रिज के स्तंभ से नीमतला घाट (860 मी) तक नदी तट संरक्षण कार्य के साथ 2 जगहों पर सीढ़ियों का निर्माण [एसएमपीए (फेज-I)]
  नदी तट का संरक्षण, जल प्रदूषण में कमी तथा नदी तट का समग्र विकास
- 4-लेन दुबराजपुर बाईपास का निर्माण
  भीड़-भाड़ में कमी और कम यात्रा समय
- इंडेंचर मेमोरियल जेट्टी, कोलकाता में रिवर क्रूज़ टर्मिनल
  रिवर क्रूज़ टर्मिनल की सतत् प्रगति पर्यटन को बढ़ावा देगी और कोलकाता को वैश्विक पर्यटन मानचित्र में प्रतिष्ठित करेगी
- हल्दिया गोदी परिसर [एचडीसी, एसएमपीए] में बर्थ नंबर 5 का मशीनीकरण
  कार्गो संचालन क्षमता में वृद्धि, बर्थ उत्पादकता में बढ़ोतरी और जहाज से माल उतारने और चढ़ाने के समय में कमी
- बेसक्यूल ब्रिज (केडीएस, एसएमपीए) का नवीनीकरण
  नवीनीकरण से पुल की संरचनात्मक मजबूती बढ़ेगी तथा उसके जीवनकाल में कम से कम 30 वर्ष की वृद्धि सुनिश्चित होगी

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के कर-कमलों द्वारा

ब्रिगेड परेड ग्राउंड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में शनिवार, 14 मार्च, 2026 को दोपहर 02.00 बजे

गरिमामयी उपस्थिति

आर एन रवि — माननीय राज्यपाल, पश्चिम बंगाल
ममता बनर्जी — मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल
नितिन जयराम गडकरी — केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
सर्बानंद सोनोवाल — केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
अश्विनी वैष्णव — केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
वी सोमन्ना — केंद्रीय राज्य मंत्री, रेलवे और जल शक्ति
शांतनु ठाकुर — केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री
अजय टामटा — केंद्रीय राज्य मंत्री, सड़क परिवहन और राजमार्ग
रवनीत सिंह — केंद्रीय राज्य मंत्री, रेलवे और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
सुकांत मजूमदार — केंद्रीय शिक्षा और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री
हर्ष मल्होत्रा — केंद्रीय राज्य मंत्री, सड़क परिवहन और राजमार्ग
सुवेंदु अधिकारी — विपक्ष नेता, पश्चिम बंगाल विधानसभा

सांसद

समिक भट्टाचार्य, जून मालिया, माला रॉय, अभिजीत गंगोपाध्याय, मिताली बाग, सुदीप बंद्योपाध्याय, सौमित्र खान, दीपक अधिकारी (देव), यूसुफ पठान, ज्योतिर्मय सिंह महतो, डॉ. शर्मिला सरकार, कीर्ति आज़ाद, मनोज टिग्गा, कालीपद सोरेन खेरवाल, असित कुमार मल, खलीलुर रहमान, बिद्युत बरन महतो, शताब्दी रॉय, शत्रुघ्न प्रसाद सिन्हा, दुलु महतो

DD NEWS डीडी न्यूज़ पर गतिविधियों का सीधा प्रसारण देखें

www.mygov.in www.morth.nic.in /MORTHindia /pages/Ministry-of-Road-Transport-and-Highways/

CBC 37107/15/0019/2526

प्रधानमंत्री मोदी की सभा के लिए उत्तर बंगाल से बड़े पैमाने पर जुटाने की तैयारी

कोलकाताः कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में ,की प्रस्तावित सभा को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने व्यापक स्तर पर तैयारियां आरंभ कर दी हैं. पार्टी सूत्रों के अनुसार, सभा को जनसमूह से परिपूर्ण करने के उद्देश्य से उत्तर बंगाल से लगभग एक लाख लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का लक्ष्य पार्टी नेतृत्व ने निर्धारित किया है. इसी परिप्रेक्ष्य में उत्तर बंगाल के आठ लोकसभा क्षेत्रों के लिए कुल 16 विशेष ट्रेनों को किराये पर लेने की तैयारी चल रही है. पार्टी सूत्रों का कहना है कि कार्यकर्ता, समर्थक, नेता-नेत्री तथा आम नागरिकों को प्रधानमंत्री की सभा में पहुंचने के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या व्यवधान का सामना न करना पड़े, इसके मद्देनज़र इन विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की गई है. बताया गया है कि इन ट्रेनों का किराया पूर्व में ही रेल मंत्रालय को अदा कर दिया गया है. उत्तर बंगाल के विभिन्न जिलों के अतिरिक्त मालदा से भी दो जोड़ी ट्रेनों की व्यवस्था की गई है. 13 मार्च को निर्धारित समय पर ये ट्रेनें कोलकाता के लिए प्रस्थान करेंगी तथा 14 मार्च को सभा समाप्त होने के उपरांत उसी दिन पुनः वापस लौटेंगी. यात्रियों के लिए आवागमन की व्यवस्था पूर्णतः निःशुल्क रखी गई है, साथ ही भोजन की भी समुचित व्यवस्था की गई है. इधर, इस व्यापक आयोजन को लेकर तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस तथा माकपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. शुक्रवार को तृणमूल के जिलाध्यक्ष अब्दुर रहीम बक्सी तथा कांग्रेस सांसद ईशा खान चौधरी ने इस बड़े खर्च के स्रोत को लेकर प्रश्न खड़े किए हैं. हालांकि, भाजपा का कहना है कि कार्यकर्ता-समर्थकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह प्रबंध किया गया है.

सियालदह मेन शाखा में ट्रेन सेवा बाधित, यात्रियों को भारी परेशानी

कोलकाताः सियालदह मेन शाखा में शुक्रवार सुबह ट्रेन सेवाएं बाधित हो जाने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा. दमदम से पहले कई स्टेशनों पर ट्रेनों के खड़े होने की खबर है. आगरपाड़ा और बेलघरिया स्टेशनों पर एक के बाद एक ट्रेन खड़ी रहने से नित्य यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं. मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह आगरपाड़ा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर चार पर अचानक बैरकपुर-बिबादी बाग लोकल ट्रेन रुक गई. लंबे समय तक ट्रेन खड़ी रहने के कारण कई यात्री ट्रेन से उतर गए. आगरपाड़ा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो और चार से सियालदह जाने वाली डाउन लाइन की ट्रेनें गुजरती हैं. प्लेटफॉर्म नंबर चार पर ट्रेन खड़ी होने के बावजूद प्लेटफॉर्म नंबर दो से ट्रेनों का संचालन जारी रहा. यात्रियों का कहना है कि प्लेटफॉर्म नंबर चार की लाइन पर एक के बाद एक कई ट्रेनें खड़ी हो गईं, जिससे वे आगे नहीं बढ़ पा रही हैं. हालांकि ट्रेन सेवा बाधित होने के कारणों का खबर लिखे जाने तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया था.

प्रधानमंत्री की ब्रिगेड रैली को लेकर कोलकाता में विशेष ट्रैफिक निर्देश जारी

कोलकाताः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होने वाली रैली को देखते हुए कोलकाता पुलिस ने शहर में विशेष ट्रैफिक निर्देश जारी किए हैं. रैली शनिवार को आयोजित होने वाली है. पुलिस की ओर से जारी निर्देश के अनुसार, एस्प्लानेड रैंप, के.पी. रोड, हॉस्पिटल रोड, लवर्स लेन, कैसुआरिना एवेन्यू और क्वीन्सवे सहित कई प्रमुख सड़कों पर ट्रैफिक नियंत्रण लागू रहेगा. इसके साथ ही 14 मार्च को सुबह चार बजे से रात आठ बजे तक कोलकाता पुलिस क्षेत्र में सभी प्रकार के मालवाहक वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है. हालांकि एलपीजी सिलेंडर, सीएनजी, पेट्रोलियम उत्पाद, तेल, लुब्रिकेंट, ऑक्सीजन, सब्जियां, दवाइयां, फल, मछली और दूध ले जाने वाले वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है. पार्किंग को लेकर भी विशेष प्रतिबंध लगाए गए हैं. 14 मार्च को विक्टोरिया मेमोरियल के आसपास के क्षेत्रों में और एजेसी बोस रोड के हेस्टिंग्स क्रॉसिंग से कैथेड्रल रोड तक किसी भी वाहन की पार्किंग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी.इसके अलावा खिदिरपुर रोड, हॉस्पिटल रोड, क्वीन्सवे, कैथेड्रल रोड और कैसुआरिना एवेन्यू पर भी पार्किंग की अनुमति नहीं होगी. पुलिस ने बताया कि वीवीआईपी काफिले और रैली के जुलूस के मार्ग के अनुसार आवश्यकता पड़ने पर अन्य सड़कों से भी यातायात को मोड़ा जा सकता है.

बंगाल विधानसभा चुनाव 2026

संवेदनशीलता मानचित्रण के आधार पर जिलों में पुलिस पर्यवेक्षकों की नियुक्ति करेगा चुनाव आयोग

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में इस वर्ष प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग जिलावार पुलिस पर्यवेक्षकों की तैनाती का निर्णय संवेदनशीलता मानचित्रण के आधार पर करेगा. राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के एक सूत्र के अनुसार, आयोग जिलों की संवेदनशीलता तय करने के लिए कई मानकों पर विचार कर रहा है. सूत्र ने बताया कि जिलों को तीन श्रेणियों में रखा जाएगा. पहली श्रेणी में वे जिले शामिल होंगे जिनकी अंतरराष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश से लगती है. दूसरी श्रेणी में वे जिले होंगे जहां पिछले तीन चुनावों में चुनाव से पहले, दौरान या बाद में बड़े पैमाने पर हिंसा का इतिहास रहा है. तीसरी श्रेणी में वे जिले होंगे जहां ये दोनों ही स्थितियां मौजूद हैं. सूत्र के अनुसार मुर्शिदाबाद, मालदा और कूचबिहार ऐसे जिलों के उदाहरण हैं जो तीसरी श्रेणी में आते हैं, क्योंकि इनकी सीमा बांग्लादेश से लगती है और यहां चुनावी हिंसा का इतिहास भी रहा है. वहीं, हावड़ा जैसे जिले दूसरी श्रेणी के उदाहरण हैं, जहां अंतरराष्ट्रीय सीमा तो नहीं है, लेकिन राजनीतिक हिंसा के मामले सामने आते रहे हैं. इन परिस्थितियों को देखते हुए निर्वाचन आयोग सभी श्रेणियों में केंद्रीय पर्यवेक्षकों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रहा है, विशेष रूप से पुलिस पर्यवेक्षकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है. वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में आयोग ने 170 सामान्य पर्यवेक्षक, 84 व्यय पर्यवेक्षक और 37 पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए थे. सूत्रों के अनुसार, इस बार इनकी संख्या में काफी वृद्धि होगी और पुलिस पर्यवेक्षकों की संख्या 100 या उससे अधिक हो सकती है, जो 2021 की तुलना में लगभग तीन गुना होगी. बताया गया कि इस बार पुलिस पर्यवेक्षकों को अधिक अधिकार दिए जाएंगे, खासकर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती और उनकी आवाजाही तय करने के मामले में. पिछले चुनाव में केंद्रीय बलों की तैनाती और आवाजाही का निर्णय जिला मजिस्ट्रेट लेते थे, जो जिला निर्वाचन पदाधिकारी की जिम्मेदारी भी निभाते हैं. हालांकि इस बार आयोग ने यह अधिकार पुलिस पर्यवेक्षकों को देने का निर्णय किया है. साथ ही, प्रत्येक जिले में विशेष संयुक्त दल बनाए जाएंगे, जो क्षेत्रवार केंद्रीय बलों की आवश्यकता का आकलन करेंगे. इस संबंध में पुलिस पर्यवेक्षकों का निर्णय अंतिम माना जाएगा.

सुप्रीम कोर्ट ने मोइत्रा मामले में हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली/कोलकाताः सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के दिसंबर 2025 के उस आदेश के एक हिस्से पर शुक्रवार को रोक लगा दी, जिसमें लोकपाल को नकद लेकर सवाल पूछने के कथित मामले में तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आरोपपत्र दाखिल करने की मंजूरी देने पर विचार करने को कहा गया था. भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ लोकपाल की याचिका पर मोइत्रा, सीबीआई और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद एवं शिकायतकर्ता निशिकांत दुबे को नोटिस जारी किए. हाईकोर्ट ने मोइत्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने के लिए सीबीआई को मंजूरी देने संबंधी लोकपाल के आदेश को 19 दिसंबर, 2025 को निरस्त कर दिया था. कोर्ट ने उस आदेश के पैरा 89 में कहा था, हमने लोकपाल से अनुरोध किया है कि वह संबंधित प्रावधानों के अनुसार एक महीने के भीतर लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम की धारा 20 के तहत स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करें. सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ ने लोकपाल अधिनियम की धारा 20 के तहत उल्लिखित शक्तियों और प्रक्रियाओं से संबंधित याचिकाओं पर नोटिस जारी करते हुए हाईकोर्ट के फैसले के पैरा 89 पर रोक लगा दी. कथित तौर पर पैसे लेकर सवाल पूछने का यह मामला इस आरोप से संबंधित है कि मोइत्रा ने एक व्यवसायी से नकदी और उपहार के बदले सदन में सवाल पूछे

गैस की किल्लत की आशंका के बीच एलपीजी केंद्रों के बाहर लंबी कतारें

कोलकाताः पश्चिम एशिया संकट के कारण रसोई गैस सिलेंडरों की संभावित कमी की आशंका के बीच शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में एलपीजी वितरण केंद्रों के बाहर लंबी कतारें देखी गईं. राज्य के दक्षिण में काकद्वीप से लेकर उत्तर में सिलिगुड़ी तक, विभिन्न हिस्सों में लोग खाली एलपीजी सिलेंडर लेकर केंद्रों के बाहर खड़े नजर आए. कई लोगों का कहना था कि वे ऑनलाइन बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं. इस बीच पश्चिम बंगाल सरकार ने बृहस्पतिवार को एलपीजी आपूर्ति और वितरण की समन्वित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की. साथ ही आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सचिवालय नबान्न में 24 घंटे का नियंत्रण कक्ष स्थापित करने की घोषणा की गई. एसओपी के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य एलपीजी की उपलब्धता को स्थिर करना और संभावित आपूर्ति बाधाओं के बीच लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है. राज्य सरकार ने आपूर्ति की स्थिति की नियमित समीक्षा करने और उपलब्धता को स्थिर रखने के लिए नीतिगत मार्गदर्शन देने हेतु एक राज्य स्तरीय एलपीजी संकट निगरानी समिति भी गठित की है. इस बीच कोलकाता के वसायिक इलाकों और पड़ोसी साल्ट लेक सिटी में सड़क के किनारे खाने-पीने की कई दुकानें एलपीजी सिलेंडरों की कमी के कारण बंद हो गई हैं. जो दुकानें खुली हैं वे सीमित सामग्री और बढ़ी हुई कीमतों के साथ काम कर रही हैं. इसके अलावा एलपीजी से चलने वाले कुछ ऑटो-रिक्शा शहर और आसपास के जिलों में सड़कों से गायब दिखाई दिए, क्योंकि फिलिंग स्टेशनों पर अनियमित आपूर्ति की शिकायतें हैं. यात्रियों का दावा है कि कुछ मार्गों पर ऑटो चालक सामान्य किराये से 10 से 25 प्रतिशत तक अधिक वसूल रहे हैं.

ममता बनर्जी के शासन में पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था पर गिरावट की ओर बढ़ रही है : अमित मालवीय

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित मालवीय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की आर्थिक स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य की अर्थव्यवस्था लगातार गिरावट की ओर बढ़ रही है. अमित मालवीय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में पश्चिम बंगाल में उपभोग वृद्धि देश में सबसे धीमी रही है. उन्होंने कहा कि राज्य के शहरी संपन्न वर्ग, जिनसे आर्थिक वृद्धि और निवेश को गति मिलने की उम्मीद रहती है, उनके उपभोग स्तर में भी वर्ष 2011-12 के बाद से गिरावट दर्ज की गई है. उन्होंने आरोप लगाया कि यह स्थिति राज्य में खराब शासन व्यवस्था, व्यापार के लिए प्रतिकूल माहौल और नीतिगत गतिरोध का परिणाम है. उनके अनुसार, जब किसी राज्य में उपभोग कम होने लगता है तो यह संकेत होता है कि वहां की अर्थव्यवस्था ठहराव की स्थिति में पहुंच रही है. भाजपा नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल इससे कहीं बेहतर आर्थिक स्थिति का हकदार है और राज्य को आर्थिक गिरावट के इस चक्र से बाहर निकलने की आवश्यकता है.

'राष्ट्रपति से माफी मांगे ममता बनर्जी'

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित मालवीय ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस सरकार पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अपमान करने का आरोप लगाया और इस मामले में ममता बनर्जी तथा राज्य सरकार से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की. अमित मालवीय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने आदिवासी समुदाय के प्रति गहरी अवमानना को उजागर किया है. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की सरकार ने जानबूझकर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अनादर और अपमान किया है. भाजपा नेता ने कहा कि यदि ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस सरकार में थोड़ी भी शर्म या नैतिकता बची है तो उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, आदिवासी समुदाय और पूरे देश से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों की गरिमा को कम करने जैसी घटनाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं.

लाल किला संग्रहालय से नेताजी की टोपी गायब

कोलकाताः स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस ने आरोप लगाया है कि नई दिल्ली स्थित लाल किला परिसर में बने नेताजी संग्रहालय से नेताजी की ऐतिहासिक टोपी गायब है. बोस ने गुरुवार रात एक्स पर दावा किया कि उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों के साथ नेताजी की टोपी स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सौंपी थी. प्रधानमंत्री ने 23 जनवरी 2019 को नेताजी की जयंती के अवसर पर इस टोपी को लाल किले के नेताजी संग्रहालय में प्रदर्शित किया था. उन्होंने बताया कि हाल ही में ओपन प्लेटफॉर्म फॉर नेताजी से जुड़े एक अधिवक्ता नवीन बामेल संग्रहालय गया. वहां जिस कांच के बॉक्स में टोपी रखी गई थी वह खाली मिला. भारतीय

प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस का आरोप

पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों से पूछने पर भी इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी. चंद्र कुमार बोस ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि नेताजी देश के सबसे बड़े नेताओं में से एक हैं और इस तरह किसी ऐतिहासिक धरोहर का गायब होना बेहद शर्मनाक है. उन्होंने प्रधानमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप कर जांच कराने की मांग की है. उन्होंने यह भी कहा कि यदि यह ऐतिहासिक वस्तु वास्तव में खो गई है तो इसे एक तरह का अनादर माना जाएगा. इसी बीच, उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पार्थिव अवशेष जापान से भारत लाने की मांग वाली एक याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया. प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिकाकर्ता आशीष राय की ओर से याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी.

बकाया महंगाई भत्ते को लेकर कर्मचारियों के एक वर्ग ने काम बंद किया

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मुख्यालय खाद्य भवन के बाहर शुक्रवार को उस समय हंगामा हो गया जब लंबित महंगाई भत्ते (डीए) की मांग को लेकर चल रहे कार्य बहिष्कार आंदोलन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने अपने सहकर्मियों को कथित तौर पर कार्यालय में प्रवेश करने से रोकने की कोशिश की. राज्य सरकार पर डीए के बकाये के भुगतान और इस मुद्दे पर हाल में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों को लागू करने का दबाव बनाने के लिए संग्रामी संयुक्त मंच ने इस विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था. मंच के नेता भास्कर घोष ने दावा किया कि राज्य सरकार के अधिकांश कर्मचारियों ने काम नहीं किया. उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी कार्यालय पहुंचे, उनसे प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन के समर्थन में काम से दूर रहने की अपील की. घोष ने संवाददाताओं से कहा, हमने काम पर आने वालों को लाल गुलाब देकर आज कार्यालय में प्रवेश न करने का अनुरोध किया. कई लोगों ने हमारी अपील मान ली जबकि जिन्होंने नहीं मानी, उन्होंने अपने विवेक के अनुसार काम किया. उन्होंने इन आरोपों से भी इनकार किया कि प्रदर्शनकारियों ने फ्री स्कूल स्ट्रीट स्थित परिसर में वाहनों के प्रवेश को रोका.

शुभेंदु अधिकारी ने नए राज्यपाल से की मुलाकात

राष्ट्रपति के 'अपमान' का मुद्दा नए राज्यपाल के सामने उठाया

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने नए राज्यपाल आर. एन. रवि के साथ अपनी पहली मुलाकात के दौरान राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कथित अपमान का मुद्दा उठाया. भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अधिकारी ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति भवन द्वारा तृणमूल कांग्रेस के सांसदों को राष्ट्रपति से मिलने का समय नहीं दिए जाने के फैसले का उन्होंने स्वागत किया. तृणमूल सांसद राज्य सरकार की जनकल्याण योजनाओं की जानकारी राष्ट्रपति को देना चाहते थे, लेकिन समयाभाव का हवाला देते हुए उन्हें नियुक्ति नहीं दी गई. उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत शनिवार बागडोगरा हवाई अड्डे पर पहुंचने पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी या उनके किसी मंत्री के स्वागत के लिए मौजूद नहीं रहने पर नाराजगी जताई थी. वह एक अंतरराष्ट्रीय जनजातीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए वहां पहुंची थीं, जिसके बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया. शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल से राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी मुसलमानों की अवैध घुसपैठ पर पूरी तरह रोक लगाने की भी मांग की. उन्होंने दावा किया कि अगर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में बनी रहती है तो वर्ष 2041 तक पश्चिम बंगाल में हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में राज्य की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता का विषय है. विपक्ष के नेता ने यह भी दावा किया कि महंगाई भत्ता बकाया की मांग को लेकर राज्य सरकारी कर्मचारियों के एक वर्ग द्वारा किया गया कार्य बहिष्कार 100 प्रतिशत सफल रहा. उन्होंने कहा कि यदि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है तो राज्य सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा.

कोलकाता पुलिस ने गैस आपूर्ति के नाम पर ऑनलाइन ठगी से सावधान रहने की दी चेतावनी

कोलकाताः कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार को लोगों को संभावित ऑनलाइन जालसाजी को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी. पुलिस ने कहा है कि पश्चिम एशिया की स्थिति और गैस आपूर्ति पर संभावित असर का फायदा उठाकर ठग आम लोगों को निशाना बना सकते हैं. शहर पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस तरह की ठगी के कुछ मामले पहले ही सामने आ चुके हैं. कई नागरिकों को संदिग्ध फोन कॉल, संदेश या व्हाट्सऐप संदेश प्राप्त हुए हैं. अधिकारी के अनुसार, इन मामलों में ठग स्वयं को केंद्र सरकार का अधिकारी बताकर रसोई गैस उपभोक्ताओं से संपर्क करते हैं. फोन पर वे यह दावा करते हैं कि सरकार गैस के उपयोग को लेकर सर्वेक्षण कर रही है. इसके बाद उपभोक्ता से कहा जाता है कि उसने पिछली बुकिंग के 25 दिनों के भीतर ही गैस सिलेंडर बुक कर लिया है, जो नियमों के विरुद्ध है. उन्होंने बताया कि उपभोक्ता को यह भी कहा जाता है कि इस नियम उल्लंघन के लिए उस पर दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है. यदि उपभोक्ता डरकर समाधान पूछता है, तो ठग उसे एक लिंक भेजकर उस पर क्लिक करने और ऑनलाइन प्रपत्र भरने के लिए कहते हैं. जैसे ही उपभोक्ता उस लिंक पर क्लिक करता है, ठग उसके मोबाइल के पूरे डेटा तक पहुंच बना लेते हैं.

डीए भुगतान में देरी पर माकपा की राज्य सरकार पर आलोचना

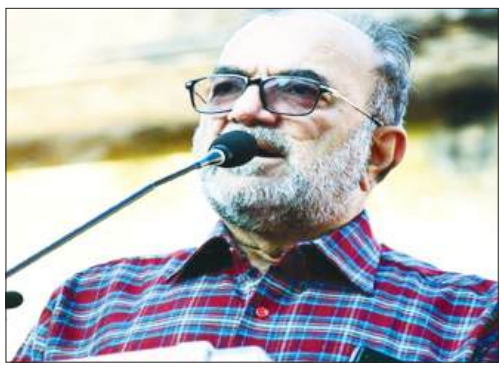

कोलकाताः मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेताओं ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार की उस कथित अक्षमता की कड़ी आलोचना की, जिसमें वह सर्वोच्च न्यायालय के उस आदेश को लागू करने में विफल रही है, जिसमें वर्ष 2008 से 2019 तक के लंबित महंगाई भत्ते (डीए) के बकाये का 25 प्रतिशत भुगतान 31 मार्च तक करने का निर्देश दिया गया है. माकपा नेता एवं अधिवक्ता बिकाश रंजन भट्टाचार्य ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के राज्य सरकारी कर्मचारियों को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को लागू कराने के लिए हड़ताल पर उतरना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि एक संवैधानिक सरकार को देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था के आदेश को तुरंत लागू करना चाहिए था, लेकिन राज्य सरकार ऐसा करने के प्रति इच्छुक नहीं दिख रही है, जिसके कारण कर्मचारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है. पश्चिम बंगाल के विभिन्न सरकारी कर्मचारी संगठनों ने संयुक्त मंच 'संग्रामी संयुक्त मंच' के बैनर तले शुक्रवार को पूर्ण कार्यबहिष्कार का आह्वान किया. कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार महंगाई भत्ते के भुगतान को लेकर टालमटोल कर रही है और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बावजूद कार्रवाई नहीं कर रही है. इस बीच तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य करने का निर्देश जारी किया है. अधिसूचना में कहा गया है कि शुक्रवार को अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के वेतन में कटौती की जा सकती है, हालांकि वैध कारणों से अवकाश पर रहने वालों को इससे छूट दी गई है. सरकारी अधिसूचना पर प्रतिक्रिया देते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य सरकारी कर्मचारी इन धमकियों से डरने वाले नहीं हैं. उन्होंने कहा कि कर्मचारी पहले भी इस तरह की चेतावनियां कई बार देख चुके हैं और वे अपने वैधानिक अधिकारों को सुनिश्चित कराने के लिए अधिक चिंतित हैं. उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों की हड़ताल के कारण अदालत की कार्यवाही प्रभावित हुई और कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी. भट्टाचार्य ने कहा कि यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य सरकार की उदासीनता और सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को लागू करने में असमर्थता के कारण अदालत की कार्यवाही तक प्रभावित हो रही है. माकपा नेता एवं अधिवक्ता सायन बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार का रवैया अत्यंत जिद्दी है और वह सर्वोच्च न्यायालय, न्यायाधिकरण तथा उच्च न्यायालय के आदेशों की परवाह नहीं कर रही है. उनके अनुसार सरकार का न्यायपालिका के प्रति 'परवाह नहीं' वाला दृष्टिकोण दिखाई दे रहा है. बनर्जी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि महंगाई भत्ता कर्मचारियों का अधिकार है और इसका भुगतान बकाये सहित किया जाना चाहिए, जिसमें लंबित 25 प्रतिशत हिस्सा भी शामिल है. इसी मांग के समर्थन में कर्मचारियों ने हड़ताल का आह्वान किया है और वे स्वयं भी उनके समर्थन में आयोजित विरोध मार्च में शामिल हुए हैं. संयुक्त आंदोलन मंच के अनुसार राज्य सरकार के हालिया संकेतों से यह आशंका जताई जा रही है कि वह पिछले महीने दिए गए सर्वोच्च न्यायालय के उस आदेश की अनदेखी कर सकती है, जिसमें वर्ष 2008 से 2019 तक के महंगाई भत्ते के बकाये का 25 प्रतिशत भुगतान 31 मार्च तक करने का निर्देश दिया गया है. साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को चरणबद्ध तरीके से ऐसी व्यवस्था करने का निर्देश भी दिया है, जिससे राज्य कर्मचारियों को मिलने वाला महंगाई भत्ता केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान हो सके और वर्ष 2008 से लंबित बकाये का भी भुगतान किया जा सके.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रूपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

पूर्व रेलवे
वरिष्ठ मंडल अभियंता (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं : सीनि. डीईएन/4/हावड़ा। ई-निविदा सं.: 301_2025-26, दिनांक 12.03.2026, कार्य का विवरण: सीनि. डीईएन/4/एचडब्ल्यूएच के अधीन 2 वर्षों की अवधि के लिए एसएसई/पी.वे/बीएचपी, एसएसई/पी.वे/एसएनटी, एसएसई/पी.वे/आरपीएच के अंतर्गत नियमित आधार पर विभिन्न ट्रैक तथा अन्य रेलवे सामग्रियों को लोडिंग, अनलोडिंग एवं परिवहन सहित वाहन किराए पर लेना। अनुमानित लागत: रु. 58,19,342.44; बयाना राशि: रु. 1,16,400। निविदा प्रपत्र की कीमत: शून्य। समापन अवधि: स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 24 महीने। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 06.04.2026 को 14.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदाओं का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। टिप्पणी: आईआरईपीएस (ई-टेंडर पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (HWH-687/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दिनमान — सूर्योदय 5.47 सूर्यास्त 5.45
तापमान — अधिकतम 34° न्यूनतम 26°

वर्ष 18, अंक 267 पृष्ठ 12
कोलकाता, शनिवार, 14 मार्च 2026
चैत्र, कृष्णपक्ष, दशमी, वि.सं. 2082

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण
www.yuvashaktinews.com

प्रधानमंत्री मोदी की आज ब्रिगेड परेड मैदान में मेगा रैली

बंगाल फतह का करेंगे शंखनाद

होगा 18,680 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ

कोलकाता: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर आएंगे, जहां वह कोलकाता में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और 18,680 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे.

इस दौरान प्रधानमंत्री सड़क, रेलवे, बंदरगाह और नौवहन क्षेत्रों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'परिवर्तन यात्रा', जो एक मार्च को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित होने के एक दिन बाद शुरू हुई थी, राज्य में लगभग 10 हजार किलोमीटर का सफर तय कर चुकी है. पार्टी नेताओं के अनुसार यह यात्रा जनसंपर्क अभियान के साथ-साथ संगठन की जमीनी ताकत को परखने का प्रयास भी है. पीएम मोदी जनसभा में विधानसभा चुनावों के प्रचार अभियान का शंखनाद करेंगे.

प्रधानमंत्री का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब खबर है कि निर्वाचन आयोग अगले सप्ताह विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा कर सकता है. सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री 420 किलोमीटर से अधिक लंबाई की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिनकी कुल लागत लगभग 16,990 करोड़ रुपये है. इनमें पश्चिम बंगाल और झारखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 तथा पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय राजमार्ग-114 के हिस्से शामिल हैं, जिनका उद्देश्य सड़क सुरक्षा बढ़ाना, यात्रा समय कम करना और क्षेत्रीय संपर्क बेहतर करना है.

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-116ए के तहत खड़गपुर-मोरेग्राम आर्थिक गलियारे के 231 किलोमीटर लंबे चार लेन मार्ग की पांच परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे. रेलवे क्षेत्र में वह अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत राज्य के छह पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे, जिनका उद्देश्य यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना है.

शनिवार की यह रैली वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले ब्रिगेड परेड ग्राउंड में हुई थी, शनिवार को भी इसी मैदान में प्रधानमंत्री की पहली सार्वजनिक सभा होगी.

कांग्रेस तो झूठे वायदों की दुकान है : पीएम मोदी

एक झूठे वादे के साथ चार सुपर झूठ देती है गिफ्ट में

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज असम के कोकराझार की जनता से मुखातिब हुए. कुछ ही हफ्ते बाद इस राज्य में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं. ऐसे में पीएम मोदी ने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का समर्थन करने की अपील करते हुए जनता के सामने बीते कुछ वर्षों मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को भी रेखांकित किया. पीएम मोदी ने अपने वर्चुअल संबोधन के दौरान सबसे पहले खराब मौसम के कारण कोकराझार न आ सकने को लेकर अफसोस जताया. उन्होंने कहा, 'मौसम खराब होने की वजह से मैं कोकराझार नहीं आ पा रहा हूं. मैं आप सभी का क्षमाप्रार्थी हूं. यहां गुवाहाटी से ही आपसे संवाद संभव हुआ है.'

आज यहां इस कार्यक्रम में ही इस क्षेत्र के विकास के लिए 4,500 करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है. इसमें से 1,100 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि बोडोलैंड की सड़कों के लिए खर्च होने जा रही है.असम में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच विरोधी दल को आड़े हाथों लेते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'कांग्रेस झूठे वायदों की दुकान है और एक झूठे वादे के साथ चार सुपर झूठ गिफ्ट में देती है.क्योंकि उन वादों को पूरा करने का कांग्रेस का इरादा ही नहीं होता. वहीं आपके सामने भाजपा-एनडीए का मॉडल है. हमारी डबल इंजन सरकार ने जो भी कहा, उसको सच करने की ईमानदार कोशिश की है.'प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '2020 के बोडोलैंड समझौते के तहत, हमने जो भी वादे किए थे, वे लगातार प्रयासों के ज़रिए एक-एक करके पूरे किए जा रहे हैं.

चुनाव से पहले सीएम ममता ने एससी, एसटी व ओबीसी को लुभाया

कोलकाता: आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने पांच समुदायों के लिए बड़ा एलान किया है. इसके तहत ममता सरकार इन समुदायों के लिए नए सांस्कृतिक और विकास बोर्ड बनाएगी. सीएम ममता के अनुसार ये बोर्ड उनकी परंपरा, भाषा और अधिकारों की रक्षा करेंगे और शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार में तरक्की सुनिश्चित करेंगे.

ममता ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी सरकार मुंडा, कोरा, डोम, कुंभकार और सदगोप समुदायों के लिए नए सांस्कृतिक और विकास बोर्ड बनाएगी. सीएम ममता के अनुसार यह कदम न केवल इन कमजोर और पिछड़े समुदायों के अधिकारों और परंपराओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में तरक्की को भी बढ़ावा देगा.

सीएम बनर्जी ने इसे राज्य में समान और समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बताया है, जो चुनावी मोर्चे पर भी उनकी पकड़ मजबूत कर सकता है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में सीएम ममता ने लिखा कि मैं खुशी के साथ घोषणा करती हूं कि हमारी सरकार मुंडा (एसटी), कोरा (एसटी), डोम (एससी), कुंभकार (ओबीसी) और सदगोप (ओबीसी) समुदायों के लिए जल्द ही पांच नए सांस्कृतिक और विकास बोर्ड बनाएगी.

सीएम बनर्जी ने यह भी बताया कि 2013 से उनकी सरकार ने कई ऐसे बोर्ड स्थापित किए हैं, जिससे कमजोर समुदायों का संपूर्ण विकास सुनिश्चित किया गया है. पश्चिम बंगाल विधानसभा में कुल 294 सदस्य हैं और चुनाव अप्रैल में होने की संभावना है. ऐसे में जहां एक ओर सीएम ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी चौथी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है. वहीं दूसरी ओर भाजपा इस चुनाव को अपने पक्ष की बेजोड़ तैयारी में लगी हुई है.

पीएम मोदी ने रमजान में युद्ध छिड़ने पर खेद जताया : ईरान

तेहरान/नई दिल्ली. ईरान ने कहा है कि 'प्रधानमंत्री मोदी ने रमजान के पवित्र महीने के दौरान युद्ध छिड़ने पर खेद व्यक्त किया है और उम्मीद जताई कि नया साल (नवरोज) इस क्षेत्र में शांति, स्थिरता और अमन-चैन लेकर आएगा.' इस दौरान मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि 'भारत कूटनीति के मार्ग पर चलते हुए एक रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा ताकि संघर्ष का और ज्यादा बढ़ना किसी भी पक्ष के हित में न हो.' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'ईरान ने हमेशा एक मित्र देश के तौर पर भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व दिया है.'

युवा शक्ति अखबार मिलने में यदि कोई कठिनाई हो रही हो तो अविलंब इस नंबर पर संपर्क करें : 9831572125, 6290628072

पीरियड्स अवकाश संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार

तब तो महिलाओं को कोई काम नहीं देगा : सीजेआई

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महिलाओं कर्मचारियों और छात्राओं के लिए देशभर में मासिक धर्म अवकाश नीति की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया. अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा, ऐसी नीति अनजाने में लैंगिक रूढ़िवादिता को बढ़ावा दे सकती है और इससे महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हो सकते हैं. उन्होंने कहा कि और नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से कतराने लगेंगे.

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऐसी मांगें अनजाने में महिलाओं के बारे में रूढ़िवादी सोच को भी मजबूत कर सकती हैं. अदालत ने टिप्पणी की कि मासिक धर्म को किसी कमजोरी या हीनता के रूप में पेश करना सही नहीं है. हालांकि, अदालत ने यह भी कहा कि संबंधित सक्षम प्राधिकारी इस विषय पर दी गई याचिकाकर्ता की प्रतिनिधित्व पर विचार कर सकते हैं और सभी हितधारकों से परामर्श करके नीति बनाने की संभावना की जांच कर सकते हैं.यह याचिका शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी ने दायर की थी, जिसमें महिलाओं के लिए छात्रों और कामकाजी महिलाओं दोनों के लिए मासिक धर्म अवकाश की राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की गई थी. सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एम. आर. शमशाद ने बताया कि कुछ राज्य और संस्थान पहले ही इस दिशा में कदम उठा चुके हैं. उन्होंने केरल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां स्कूलों में कुछ राहत दी गई है .

इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि स्वैच्छिक रूप से दी गई ऐसी सुविधाएं अच्छी हैं, लेकिन अगर इसे कानून के जरिए अनिवार्य बना दिया गया तो इसके सामाजिक और पेशेवर प्रभाव पड़ सकते हैं.

अफगानिस्तान पर पाक का फिर हवाई हमला

नई दिल्ली: अफगानिस्तान में पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है. तालिबान के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पाकिस्तान वायुसेना ने कंधार हवाईअड्डे के पास निजी एयरलाइन काम एयर के ईंधन डिपो पर हवाई हमला किया है.

मुझाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह कंपनी घरेलू एयरलाइनों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के विमानों को भी ईंधन उपलब्ध कराती है. उन्होंने पाकिस्तान पर पहले भी एक राष्ट्रीय व्यापारी हाजी खान जादाह के ईंधन भंडारण पर हमला करने का आरोप लगाया. रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत के अलीशेर-तेरेजाई जिले के कई इलाकों को भी निशाना बनाया. यह क्षेत्र तथाकथित डूरंड रेखा के पास स्थित है. परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए. अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि 26 फरवरी को डूरंड रेखा के पास जवाबी कार्रवाई में 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए.

भाजपा के 140 उम्मीदवारों के नाम लगभग तय

बंगाल चुनाव

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले गुरुवार को बीजेपी ने अपनी केंद्रीय चुनाव कमेटी की बैठक की. इस बैठक में कमेटी ने बंगाल की लगभग 140 विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया. नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह बीजेपी की पहली उच्च-स्तरीय बैठक थी. यह बैठक बीजेपी के मुख्यालय के बजाय पीएम मोदी के सरकारी आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर आयोजित की गई. बीजेपी ने 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए लगभग आधे उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं.

पश्चिम बंगाल के 2021 विधानसभा चुनावों में बीजेपी 77 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी थी. हालांकि, सदन में उसकी प्रभावी संख्या घटकर लगभग 65 रह गई है, क्योंकि कई विधायकों ने सत्ताधारी टीएमसी का दामन थाम लिया. पार्टी सूत्रों के अनुसार, बीजेपी के मौजूदा विधायकों में से अधिकांश को दोबारा उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना है. इस बार उम्मीदवारों का चयन पार्टी नेतृत्व के एक नए और बदले हुए दृष्टिकोण को दर्शाता है. पिछले चुनावों के विपरीत इस बार बीजेपी ने मुख्य रूप से उन पुराने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं पर ध्यान केंद्रित किया है, जिनकी जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत है. पिछले चुनाव में बीजेपी ने टीएमसी छोड़कर आए कई नेता, बंगाली फिल्म जगत की हस्तियां और अन्य लोगों को मैदान में उतारा था.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | शनिवार | 14 मार्च, 2026

मृत्यु में गरिमा

किसी भी समाज में यह प्रबल धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की तब तक सेवा की जाए, जब तक उसके प्राण कुदरती तौर पर न निकल जाएं. खासकर भारतीय समाज में इस मुद्दे को लेकर गहरी संवेदनशीलता रही है. कई स्थानों पर तो अपने आत्मीय की मृत्यु के बाद भी उसे वर्षों तक जीवन लौटने की आस में घर पर रखा गया. लेकिन जब कोई अपना प्रिय उस स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौट पाना संभव ही न हो, तो बदलते वक्त के साथ कानून के दायरे में उसकी मुक्ति की भी बात होने लगी है. हाल ही में देश के सुप्रीम कोर्ट का 13 वर्ष से कोमा में रहने वाले एक युवा के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने का निर्णय, जीवन के अंतिम चरण की देखभाल पर भारत में विकसित होते न्यायशास्त्र में नया मोड़ है. किसी असाध्य स्थिति में कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने वाला यह फैसला, अदालत द्वारा पहले से निर्धारित प्रक्रिया का पहला व्यावहारिक प्रयोग है. निस्संदेह, यह मामला उन रोगियों के परिवारों के सामने उपस्थित पीड़ादायक दुविधा को ही उजागर करता है, जिनके ठीक होने की कोई वास्तविक संभावना नहीं होती. जो महज चिकित्सीय मदद से ही जीवित रहते हैं. इस मामले में चिकित्सा बोर्डों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य नहीं था. इसलिये केवल जैविक अस्तित्व को ही लंबा खींच दिया गया. बहरहाल, इस बाबत अदालत की स्वीकृति एक कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा, मृत्यु में भी गरिमा तक विस्तारित होनी चाहिए. निस्संदेह, भारत में इच्छामृत्यु पर कानूनी प्रगति धीमी रही है. इस मामले में पहली बार अरुणा शानबाग मामले में ध्यान दिया गया था. वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार के अंतर्गत गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार देने के साथ यह मुद्दा अपने चरम पर पहुंचा. दरअसल, इच्छामृत्यु से जुड़ी दुविधा, इससे जुड़े सिद्धांतों के क्रियान्वयन की अनिश्चितता को लेकर बनी रही है. जिसके चलते परिवारों व डॉक्टरों को जटिल प्रक्रिया व कानूनी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है. निस्संदेह, हालिया फैसले से भी न्यायिक दिशा-निर्देशों मात्र पर निर्भर रहने की सीमाएं उजागर हुई हैं. बल्कि यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत ने भी निष्क्रिय इच्छामृत्यु, लिविंग विल और जीवन को लेकर अंतिम निर्णय को नियंत्रित करने वाले व्यापक कानून की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया. निस्संदेह, ऐसे कानून में नैतिक संवेदनशीलता और प्रक्रियात्मक स्पष्टता के बीच बेहद संतुलन होना चाहिए. यह प्रक्रिया कमजोर रोगियों को दुर्व्यवहार से बचाते हुए, यह भी सुनिश्चित करे कि परिवार और चिकित्सा पेशेवर कानूनी परिणामों के भय के बिना कार्य कर सकें. इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्तता का सम्मान आवश्यक है. अंतत, निष्कर्ष यह भी है कि जब उपचार असंभव हो तो चिकित्सा उपायों से रोगी की पीड़ा को लंबा नहीं खींचा जाना चाहिए. निस्संदेह, शीर्ष अदालत की कारगर सलाह के मद्देनजर देश के नीति-नियंताओं को एक मानवीय कानूनी ढांचा तैयार करने के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए. जो टाली न जा सकने वाली विषम स्थिति में व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने व मरने की अनुमति दे सके. निस्संदेह, देश में इस बाबत एक संवेदनशील कानून बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है. साथ ही ऐसा कानून बनाते वक्त मानवीय संवेदनशीलता तथा कानूनी सुरक्षा कवच के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी होगा. वहीं हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा संकीर्ण लक्ष्यों को पूरा करने के लिये किसी व्यक्ति की दवाब में इच्छामृत्यु के लिये परिस्थितियां पैदा न की जा सकें. दुनिया के तमाम विकसित देशों में इस आशंका के चलते ही इच्छामृत्यु को कानूनी रूप देने से परहेज किया गया है. यह जटिल मामला भी है, जिसके निर्धारण के लिये कानूनी स्पष्टता और मामले की गहन निगरानी भी उतनी ही जरूरी है.

जेन-ज़ी की कुर्बानी और बालेन की बल्ले-बल्ले

– अरुण नैथानी

नेपाल के हालिया आम चुनाव में कई इतिहास रचे गए. लोकतांत्रिक नेपाल में नया संविधान लागू होने के बाद पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है, जिसका चेहरा बने हैं काठमांडू के मेयर बालेन शाह. अन्य बातें समान रहीं तो उनका प्रधानमंत्री बनना निश्चित माना जा रहा है. मेयर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेन नेपाल के इतिहास में सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री होंगे. भ्रष्ट और जोड़तोड़ की राजनीति से आजिज नेपाली युवाओं ने हिंसक प्रतिरोध करके बड़ी कुर्बानियां दी थीं. यही वजह है कि जब चुनाव हुए तो पहली बार सबसे ज्यादा युवा सांसद बने हैं, जिसके चलते एक पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड को छोड़कर जनता ने सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों को सदन से बाहर का रास्ता दिखा दिया है. यह बात तो तय है कि युवा आकांक्षाओं के लिए हुए उग्र आंदोलन ने नेपाल की राजनीति की दशा-दिशा बदल दी है. बहरहाल, नेपाल में बदलाव की आंधी के बीच राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने कई मिथ तोड़े हैं. पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल करके भरोसा दिलाया है कि सरकार स्थायी रह सकेगी. जनता ने पार्टी पर पूरा भरोसा जताते हुए नेपाल की प्रतिनिधि सभा में सीधे व समानुपाती पद्धति से सांसदों का बहुमत प्रदान किया है. हालांकि, बालेन शाह के सामने जनाकांक्षाओं का पहाड़ खड़ा है. खासकर युवाओं को उनसे काफी उम्मीदें हैं. निस्संदेह, तीन साल पहले बनी बालेन की पार्टी की कामयाबी तिलस्मी है. लेकिन यह कह पाना कठिन है कि काठमांडू के मेयर का पद संभालने के बाद वे प्रधानमंत्री पद उसी तरह सहजता से चला पाएंगे. निर्विवाद रूप से नेपाल की मुख्यधारा की राजनीति में बालेन बिल्कुल नये हैं. लेकिन उनकी युवा तुर्क वाली छवि नई पीढ़ी को लुभाती है. यही वजह है कि उनके मधेसी होना भी बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं बना. वहीं वे प्रधानमंत्री बनते हैं तो वे इस पद पर पहुंचने वाले पहले मधेसी होंगे. भारत के नजरिये से सवाल यह महत्वपूर्ण है कि उनकी नीति भारत के प्रति कैसी रहती है. सवाल यह भी कि प्रधानमंत्री बनने के बाद वे परंपरा के अनुसार भारत आते हैं या चीन जाते हैं. माना जाता है कि बालेन शाह किसी विचारधारा के साथ राजनीति में नहीं आए हैं, लेकिन उनकी कार्यशैली व व्यवहार युवाओं को रिझाता है. फिलहाल कहना कठिन है कि वे भारत के और करीब आते हैं या चीन को प्राथमिकता देते हैं. हालांकि, वे अतीत में चीन के करीब माने जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के भारत के क्षेत्रों को नेपाल में दर्शाने वाले नक्शे का समर्थन करते नजर आए थे. वैसे सार्वजनिक व राजनीतिक जीवन में बालेन शाह को लेकर व्यापक जानकारी उपलब्ध नहीं है, जिसकी वजह यह भी कि वे किसी आंदोलन की उपज नहीं हैं. उन्हें राजनीतिक बहसों में भी कम ही देखा गया है. हां, एक रैपर के रूप में उनके प्रशंसकों की लंबी फेहरिस्त रही है. तभी वे युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे हैं. कहा जा रहा है कि आरएसपी में प्रगतिशील व बौद्धिक वर्ग का अनुभव राजकाज चलाने में उनके लिए मददगार हो सकता है. जैसे वे नेपाल की राजनीति के दिग्गज व पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को उनके गढ़ में हराने में कामयाब हो गए. बहरहाल, नेपाल में बनने वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सरकार के सामने युवा आकांक्षाओं का बड़ा पहाड़ होगा, जिनको पूरा कर पाना किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं होगा. खासकर लंबे समय से बेरोजगारी का दंश झेल रहे देश में पलायन का बड़ा संकट नयी सरकार के सामने होगा. यह अहसास बालेन शाह को भी होगा कि एक मेयर की तुलना में प्रधानमंत्री का पद संभालना कांटों का ताज पहनने जैसा होगा. भारत सरकार की पहली प्राथमिकता रही होगी कि नई सरकार से कैसे बेहतर संबंध बनाए जाएं. माना जा रहा है कि पार्टी का भारत के प्रति नजरिया सकारात्मक नजर आ रहा है. बेहतर होगा भारत की नीति युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप रहे. पिछले वर्षों में अग्निवीर योजना को लेकर नेपाल में नकारात्मक प्रतिसाद देखने में आया था. वैसे तो दुनिया के एकमात्र हिंदू बहुल देश से सदियों से रोटी-बेटी का रिश्ता रहा है. खासकर राजशाही के दौरान ये संबंध बेहद मधुर रहे हैं. कालांतर वामपंथी रुझान वाले दलों के चलते 'चीन नजदीक दिल्ली दूर' के नारे लगते रहे हैं. वैसे, नई पार्टी की सरकार बनने पर पार्टी की नीति-नीतियों को समझने में कुछ वक्त जरूर लग सकता है. वैसे भौगोलिक रूप से एक लैंडलॉक्ड देश होने के कारण नेपाल की जरूरतों को पूरा करने में भारत की भूमिका को कोई भी सरकार नजरअंदाज नहीं कर सकती है. नेपाल के लोगों की दैनिक जरूरतें भारत के जरिये ही पूरी होती हैं. इस निर्भरता की कोई भी सरकार अनदेखी नहीं कर सकती है. खासकर युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है. नेपाल में चीन के प्रभाव को कम करने में भारत इस नये अवसर का बेहतर उपयोग कर सकता है. विश्वास किया जाना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में यदि किसी तरह की महत्वाकांक्षाओं का टकराव न हुआ तो पूर्ण बहुमत वाली सरकार में एक संभावित प्रधानमंत्री के रूप में बालेन पूरी पारी खेल सकते हैं. बशर्ते, आर्थिक संकट व विकास की चुनौती झेल रहे देश में वे युवाओं की आकांक्षाओं में उतरें.

युद्ध में सच्चाई और नैरेटिव के बीच की धुंधली रेखा

सदा से युद्धों के दौरान सरकारें नैरेटिव गढ़ती रही हैं. लेकिन जब आधिकारिक संदेश व डिजिटली गढ़ी खबरें एक साथ हों, तो सच और नैरेटिव के बीच रेखा खतरनाक रूप से धुंधली हो जाती है. सोशल मीडिया के दौर में युद्धक्षेत्र के दावे सत्यापन से पूर्व ही दुनिया में फैल जाते हैं.

– श्याम भाटिया

ईरान और इस्राइल के बीच आरंभिक झड़पों के कुछ ही घंटों में, नाटकीय वीडियो ऑनलाइन चलने लगीं, जिनमें दावा किया गया कि लड़ाकू जहाज मार गिराए और शहर मलबे में तब्दील हो गए. जल्द ही कई वीडियो मनगढ़ंत निकले. कुछ क्लिप तो वीडियो गेम्स फुटेज निकलीं. कुछ शायद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनायी लगती हैं- ऐसी सामग्री जिसके पत्रकारों द्वारा सत्यापन से पूर्व ही दुनिया यकीन कर ले. ऐसे ही एक उदाहरण में, बहुत ज़्यादा शेयर किए क्लिप में दावा किया गया कि एक अमेरिकी युद्धपोत ने ईरानी लड़ाकू जहाज़ मार गिराया है, बाद में शिनाख्त हुई कि यह तो वीडियो गेम 'वॉर थंडर' का फुटेज है. इस वीडियो को ऑनलाइन लाखों व्यूज़ मिले व 'फैक्ट-चेकर्स द्वारा गेम फुटेज साबित करने के बाद और इसे डिलीट करने से पूर्व ग्रेग एबॉट तक ने शेयर किया. समीक्षकों ने पाया कि फुटेज में दिखे हथियार दूसरे विश्वयुद्ध के वक्त के थे, जिससे यह क्लिप मनगढ़ंत निकली. एक और मामले में, एक वायरल वीडियो में ईरानी मिसाइल हमलों से तेल अवीव तबाह होता दिखा, बाद में विश्लेषकों ने इसकी शिनाख्त बतौर एआई निर्मित रील की. जब तक इस हेरफेर का खुलासा हुआ, तब तक क्लिप को लाखों लोग देख चुके थे. ऐसी सामग्री सोशल मीडिया पर तेज़ी से फैलती है. अक्सर असलियत सामने आने से पूर्व ही बहुत ज्यादा लोगों तक पहुंच जाती है. यह घटनाक्रम वर्तमान दौर की युद्ध कवरेज में एक बड़ी समस्या पेश करता है. युद्ध के मैदान के शुरुआती दावे अक्सर सबसे कम भरोसेमंद होते हैं, तथापि डिजिटल युग में पत्रकारों द्वारा सत्यापित करने से पूर्व ही दुनिया में फैल जाते हैं. लंदन के टॉक रेडियो स्टेशन एलबीसी पर ईरान युद्ध पर चर्चा सुनते हुए, मैंने हाल ही में एक प्रस्तोता को यह अनुमान लगाते सुना कि ईरान के रेवोल्यूशनरी गार्ड्स किसी प्रदर्शनकारी को मारने वाले को पुरस्कृत कर रहे हैं. कोई सबूत नहीं दिया गया, फिर भी यह बात खबर देने के अंदाज़ में कही गई. एक सदी से भी पूर्व, अमेरिकी सीनेटर हाइरम जॉनसन ने कहा था 'जब युद्ध होता है, तो सबसे पहली मौत सच की होती है'. वैसे ये कहावत पुरानी है, फिर भी मौजूदा संघर्ष संबंधी दावों की बाढ़ बताती है कि यह पूर्ववत् प्रासंगिक है. हालांकि, सवाल है कि आज के दौर में अन्य युद्धों की तुलना में ईरान-इस्राइल संघर्ष की खबरें इतनी अलग-अलग सी क्यों हैं. यूक्रेन पर रूसी हमले के दौरान, पश्चिमी टीवी नेटवर्क और अखबारों ने अग्रिम मोर्चे पर पत्रकारों की टीमें तैनात की थीं. कीव, खार्किव और यहां तक युद्ध के मैदान से निरंतर रिपोर्टिंग ने पत्रकारों को सरकार द्वारा किए जा रहे दावों की असलियत परखने का मौका दिया. लेकिन, ईरान से जुड़ा संघर्ष बहुत अलग दिखता है. जहां ईरान में चंद पश्चिमी रिपोर्टर काम कर रहे हैं वहीं इस्राइली सैन्य सेंसरशिप युद्ध-विवरण की रिपोर्टिंग पर अंकुश लगा रही है. नतीजन, मिसाइल हमलों, हताहतों और सैन्य हानि बारे जो जानकारी ज्यादातर फैल रही है, वह रिपोर्टरों से नहीं, बल्कि सरकारों, सेना प्रवक्ताओं और सोशल-मीडिया पोस्टों के जरिए आती है. मध्य-पूर्व में भी, अल जज़ीरा जैसे क्षेत्रीय चैनल कई पश्चिमी समकक्षों के मुकाबले अब ज़्यादा टिकाऊ कवरेज कर रहे हैं, विदेशी मीडिया के लोकल ब्यूरो पिछले दो दशकों में इस पूरे इलाके में लगातार सिकुड़े. नतीजन, यह ऐसा युद्ध है जिस पर चर्चा तो खूब हो रही, लेकिन हैरानी है कि खबरें देने वाली स्वतंत्र पत्रकारिता बहुत कम है. मिसाइल हमलों और हवाई हमले की चेतावनियों की रिपोर्टिंग पर गौर करें. ईरान-इस्राइल के बीच हालिया हमलों के दौरान, ऐसी खबरें चलीं जिनमें बताया गया कि यरुशलम में हवाई हमला चेतावनी सायरन बार-बार बज रहे हैं. अगर यह सच है, तो यह इस्राइल की हवाई-रक्षा प्रणाली में मिसाइलों की होती निरंतर घुसपैठ और शहर में बमबारी का स्तर दिखाता है, जो पहले शायद ही कभी देखा गया. फिर भी, वहां मौजूद रिपोर्टरों से लगातार सत्यापन मुश्किल बन गया है. मध्य इस्राइल में कुछ मिसाइल चेतावनियों की खबरें हैं. लेकिन यरुशलम में बार-बार अलर्ट सायरन बजने की खबर इलाके में मौजूद रिपोर्टरों से बहुत कम आई. हताहतों के आंकड़े भी ऐसी ही समस्या दिखाते हैं. ईरानी अधिकारियों ने बताया कि इस्राइली हमलों में आम लोगों को भारी नुकसान हुआ. वहीं इस्राइली अधिकारी वरिष्ठ ईरानी कमांडरों के मारे जाने और मिलिट्री ठिकानों को नुकसान पर ज़ोर देते हैं. हालांकि, स्वतंत्र सत्यापन बहुत कम है. ईरान ने युद्ध दौरान समय-समय पर इंटरनेट पर रोक लगाई, जबकि इस्राइली सरकार ने कुछ ऑपरेशंस के ब्यौरे पर सैन्य सेंसरशिप रखी. नतीजन, सुर्खियों में संख्या का स्रोत युद्धरत सरकारों का आंकड़ा ही है. इतिहास सावधानी बरतने की सलाह देता है. 2003 के इराक युद्ध से पहले, पश्चिमी सरकारों ने कहा था कि सद्दाम हुसैन के पास तबाही मचाने वाले हथियारों के जखीरे हैं. दावा वैश्विक मीडिया में दोहराया गया और इसने मध्य-पूर्व से इतर, भारत जैसे देशों में भी राजनयिक विमर्श को आकार दिया था. हमले के बाद, कथित जखीरे कहीं दिखाई नहीं दिए. इससे भी पहले, 1991 के खाड़ी युद्ध के दौरान, टेलीविज़न दर्शकों को 'स्मार्ट बमों' द्वारा इराकी निशानों पर एकदम सटीक प्रहार करती नाटकीय फुटेज दिखाई गई थीं. बाद के विश्लेषणों ने दर्शाया कि इस्तेमाल हथियारों में बहुत कम संख्या प्रिसिजन-गाइडेड अस्त्रों की थी. यह नमूना जाना-पहचाना है: युद्ध में शुरुआती दावे सबसे कम भरोसेमंद होते हैं, और डिजिटल युग में गलत सूचना कहीं ज़्यादा तेज़ी से फैल रही है. सरकारें अपने नैरेटिव गढ़ती हैं. ईरानी सरकारी मीडिया मज़बूती व सैन्य कामयाबी पर ज़ोर देता है. वहीं, इस्राइली अधिकारी अपने प्रहारों की सटीकता व असर रेखांकित करते हैं. पश्चिमी नेता हमले निर्णायक बताते हैं, भले ही दीर्घकालीन रणनीतिक परिणाम पक्के न हों. ब्रिटिश प्रधानमंत्री, कीर स्टॉर्मर कुछ सैन्य कार्रवाइयों को 'रक्षात्मक प्रहार' बताते हैं. यह विरोधाभास है, जो ताकत के इस्तेमाल को जायज ठहराता है. इनमें से कोई भी बात बीते वक्त के पत्रकार दिवंगत फिलिप नाइटली को हैरान न करती, जिनकी किताब 'द फर्स्ट कैजुअल्टी' में युद्ध-पत्रकारिता में प्रोपगंडे के लंबे इतिहास की पड़ताल की गई. नाइटली ने कहा कि सरकारें युद्ध के समय हमेशा सूचना प्रबंधन करने की कोशिशें करती हैं: 'मिथ्या-प्रचार के अध्ययन बताते हैं कि यह कितना ताकतवर हथियार हैविचार को नियंत्रण करना ज़रूरी है'. समय के साथ वह व्यवस्था कमज़ोर पड़ गयी जो कभी आधिकारिक प्रोपगंडा को चुनौती देती था. बीसवीं सदी के ज़्यादातर वक्त बड़े अखबारों ने मध्य-पूर्व में विदेशी रिपोर्टरों का नेटवर्क कायम कर रखा था. ये रिपोर्टर घूमते थे, गवाहों का इंटरव्यू लेते थे और एक-दूसरे के दावों की तुलना करते थे. वे ज़मीनी जानकारी के बूते आधिकारिक बयानों को चुनौती देने की स्थिति में थे. आज उनमें से कई ब्यूरो गायब हो चुके. कवरेज ज़्यादातर स्टूडियो वार्ता, सोशल-मीडिया फ़ीड और आधिकारिक प्रेस व्यक्तव्यों से आती है, न कि सीधी रिपोर्टिंग से. परिणाम उल्टा है. पहले कभी किसी युद्ध संबंधी आज जितनी जानकारी वास्तविक समय में नहीं मिलती थी. तथापि यह जानना शायद ही कभी इतना मुश्किल रहा कि असल में क्या हो रहा है. भारत के लिए, ऐसे झगड़ों को स्पष्ट समझने में बहुत कुछ दांव पर लगा है. भारत की नीति लंबे समय से पश्चिम एशिया में रणनीतिक स्वायत्तता की है, और ईरान, इस्राइल और अरब खाड़ी मुल्कों ये व्यावहारिक संबंध हैं. जब किसी युद्ध के बारे में जानकारी प्रोपगंडा, अनुमान और डिजिटली गढ़ी सामग्री से ढक जाए, तो पत्रकारों व नीति निर्माताओं के लिए भी घटनाओं का सही आकलन कठिन हो जाता है. जब अटकलें, डिजिटली गढ़ी बातें और आधिकारिक संदेश एक साथ आ जाएं, तो सच और नैरेटिव के बीच रेखा खतरनाक रूप से धुंधली पड़ जाती है. जॉनसन की चेतावनी सदीभर गूंजने के बाद, आज भी प्रासंगिक है. जब युद्ध शुरू होता है, तो असल में सबसे पहली मौत सत्य की होती है.

(लेखक पूर्व विदेश सचिव हैं)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

14 मार्च

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 14 मार्च है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह बुध है. इस माह का अधिपति ग्रह वृहस्पति है. आप वृहस्पति एवं बुध ग्रह के पूर्ण प्रभाव में आजीवन रहेंगे. जीवन उथल-पुथल से भरा रहेगा. विपरीत समय में हताश नहीं होंगे. आकर्षक व्यक्तित्व के कारण लोग स्वत: आपकी ओर आकर्षित होंगे. विद्या आरंभ में कठिनाई से प्राप्त होगी. कोई भी कार्य अपनी इच्छा के प्रतिकूल न करे नहीं तो आपका मानसिक संतुलन बिगड़ जायेगा. नये-नये खोज से सबको आश्चर्य चकित कर देंगे. अभिनय तथा ललित कलाओं में अधिक रुचि लेंगे. आपका परिचय क्षेत्र विस्तृत रहेगा. मित्रों व सुपरिचितों से सहयोग मिलता रहेगा. तर्क शक्ति तीव्र होगी. कला-संगीत-सौंदर्य की ओर झुकाव अधिक रहेगा. जीवन में आधुनिकता का समावेश रहेगा. विश्वसनीय व निष्ठावान व्यक्ति होंगे. दूसरों के साथ घुल मिलकर सहज ही मन की बात जान लेंगे. दैनिक जीवन में हरा रंग का प्रयोग अधिकतम करें. बुधवार के दिन हरे रंग की वस्तुओं का दान करें. तामसिक भोजन ग्रहण न करें. समाज सेवा निष्काम भाव से करें. चमड़े की वस्तु का प्रयोग न करें. अहिंसा का पालन करें. आरोग्य व सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ बुं बुधाय नम:	मास	:	जनवरी, मई एवं दिसम्बर
व्रत	:	बुधवार	वर्ष	:	5, 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68
दिन	:	रविवार, गुरुवार एवं शनिवार	रंग	:	सफेद एवं हरा
दिनांक	:	5, 14, 23	जन्मरत्न	:	पन्ना
उपरत्न	:	एक्वामैरीन	अंक	:	4, 6, 8
जड़ी	:	विधारा की जड़	दिशा	:	उत्तर

यंत्र

9	4	11
10	8	6
5	12	7

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 21 मई से 20 जून, 21 अगस्त से 20 सितम्बर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : किसी योजना का सुपरिणाम प्राप्त, दूसरों के आश्वासनों से मानसिक राहत, मांगलिक आयोजन सम्पादित, विरोधियों का वर्चस्व कम, अकल्पित लाभ.

वृषभ : आज दिन 9/33 बजे तक कठिनाइयां, अभीष्ट सिद्धि में विलम्ब, योजना अधूरी, आपसी सम्बन्धों में कटुता, शेष समय में ग्रहस्थिति अनुकूल, शारीरिक सुख.

मिथुन: आज दिन 9/33 बजे तक दिनचर्या व्यवस्थित, धन संचय की ओर प्रवृत्ति, परिजनों से सहयोग, शेष समय में घरेलू समस्याओं से मानसिक राहत, भौतिक सुख.

कर्क : कठिनाइयों का निराकरण, व्यावसायिक क्षेत्र में अपरिवर्तन, धन-सम्पत्ति विषयक मसला हल, आपसी सलाह से कामयाबी, इच्छा के अनुकूल घटनाएँ घटित.

सिंह : साहसिक प्रयास प्रगति पर, सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि, आहार-विहार में नवीनता, आपसी सम्बन्ध मधुर, इच्छित की प्राप्ति, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ.

कन्या: आज दिन 9/33 बजे तक सफलता में संदेह, आर्थिक निराशा, शंका-कुशंका से मतभेद, शेष समय शुभ, नौकरी में पदोन्नति, वैवाहिक अड़चनें समाप्त.

तुला: आज दिन 9/33 बजे तक व्यापार में धन निवेश, कार्य क्षमता में वृद्धि, अकल्पित लाभ, शेष समय में प्रतिकूलता, स्वास्थ्य प्रभावी, जोखिम से हानि, विचारों में उग्रता.

वृश्चिक : नवउत्तरदायित्व का निर्वाह, अधीनस्थ सहयोगियों से सहयोग, शुभ कार्यों में व्यय की अधिकता, दाम्पत्य जीवन मधुर, कर्ज की निवृत्ति का प्रयास सार्थक, हर्ष भी.

धनु : पराक्रम से कार्य सफल, व्यवसाय में उपस्थित व्यवधान समाप्त, अकल्पित लाभ, व्यक्तिगत परेशानी में कमी, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, मनोविनोद के सुअवसर.

मकर : आज दिन 9/33 बजे तक असफलता, सुख-शांति का अभाव, संकल्प-विकल्प की स्थिति, यात्रा में कष्ट, शेष समय में दिनचर्या व्यवस्थित, सुयश में वृद्धि.

कुम्भ: आज दिन 9/33 बजे तक समय उन्नतिकारक, आरोग्य सुख, योजना साकार, पठन-पाठन में रुचि, शेष समय विपरीत घटनाएँ घटित, सोचे हुए कार्य अधूरे.

मीन: कार्य व्यवसाय प्रगति की ओर अग्रसर, धन सम्पत्ति विषयक मसला पक्ष में हल, दूसरों के आश्वासनों से राहत, आवागमन में अनुकूलता, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उचारी | पीड़ा प्रसव विगत महतारी ||
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु | मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ||

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई | चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए |

समाचार सुनि ऋषि सब आए | देखि मुख छवि आशीष बरसाए ||
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी | सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ||

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे | सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा |

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख |
नाम कपिल भल होइब ईंह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ||5||

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा | क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है | अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा |

फूहड़ कंटेंट, सोशल मीडिया और संस्कृति: जिम्मेदारी किसकी?

– डॉ. प्रियंका सौरभ

डिजिटल युग ने हमारी सामाजिक संरचना, सोच और अभिव्यक्ति के तरीकों को बदलकर रख दिया है. आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है- जहां पहले मनोरंजन और प्रसिद्धि के अवसर सीमित लोगों तक होते थे, अब हर व्यक्ति के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच है. लेकिन इस नए अवसर के साथ कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं. इन चुनौतियों में सबसे बड़ी बहस उस कंटेंट को लेकर है जिसे समाज का एक वर्ग फूहड़ या अशोभनीय मानता है. पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर उस तरह के वीडियो तेजी से वायरल होते देखे गए हैं जिनमें डांस, अभिनय या मनोरंजन के नाम पर ऐसे हावभाव और प्रस्तुति दिखाई जाती है जिन्हें कई लोग सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं. इन वीडियो को लाखों व्यूज, लाइक्स और शेयर मिलते हैं, जिससे वे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचते हैं. लोकप्रियता की इस दौड़ में कई बार कंटेंट की गुणवत्ता और सामाजिक जिम्मेदारी पीछे छूट जाती है. समाज के बड़े वर्ग का मानना है कि इस प्रकार के कंटेंट का प्रभाव विशेष रूप से युवाओं और किशोरों पर पड़ता है. जब वे देखते हैं कि कुछ लोग केवल कुछ सेकंड के वीडियो बनाकर अत्यधिक प्रसिद्धि और आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं, तो उनके मन में भी वैसा ही करने की इच्छा पैदा हो सकती है. कई बार यह प्रेरणा रचनात्मक दिशा में जाती है- जैसे संगीत, कला, नृत्य या शिक्षा से जुड़े कंटेंट बनाना. लेकिन कई मामलों में यह प्रेरणा केवल वायरल होने की दौड़ में बदल जाती है, जहां ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी भी प्रकार का तरीका अपनाया जाता है. यह भी देखा गया है कि सोशल मीडिया पर ट्रेंड और एल्गोरिद्म का बहुत बड़ा प्रभाव होता है. जो कंटेंट अधिक देखा और साझा किया जाता है, वही तेजी से फैलता है. ऐसे में यदि दर्शक बार-बार उसी प्रकार के वीडियो देखते हैं जिन्हें वे स्वयं फूहड़ कहते हैं तो अनजाने में वे उसी प्रवृत्ति को बढ़ावा भी दे रहे होते हैं. इसलिए केवल कंटेंट बनाने वालों को दोष देना इस समस्या का पूरा समाधान नहीं है. दर्शक भी इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. दूसरी ओर, यह तर्क भी सामने आता है कि कला और मनोरंजन की अपनी स्वतंत्रता होती है. नृत्य, अभिनय और अभिव्यक्ति के कई रूप होते हैं और हर व्यक्ति उन्हें अलग-अलग तरीके से देखता है. जो एक व्यक्ति को अनुचित लगता है, वही दूसरे के लिए केवल मनोरंजन या कला का रूप हो सकता है. इसी कारण इस विषय पर समाज में तीखी बहस देखने को मिलती है. कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं, जबकि अन्य इसे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण के रूप में देखते हैं. यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है- क्या किसी भी प्रकार की लोकप्रियता को सफलता का मानक माना जाना चाहिए? सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि प्राप्त करने की प्रक्रिया को बहुत तेज कर दिया है. पहले किसी कलाकार को पहचान पाने में वर्षों लग जाते थे; आज एक वायरल वीडियो किसी को रातोंरात स्टार बना सकता है. लेकिन यह त्वरित प्रसिद्धि कई बार स्थायी नहीं होती और इसके सामाजिक प्रभाव भी जटिल हो सकते हैं. कई युवा इस भ्रम में पड़ सकते हैं कि केवल विवादास्पद या ध्यान आकर्षित करने वाला कंटेंट ही सफलता का रास्ता है. परिणामस्वरूप वे अपनी प्रतिभा को विकसित करने की बजाय तात्कालिक लोकप्रियता के पीछे भागने लगते हैं. यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करती है, बल्कि समाज में मनोरंजन की गुणवत्ता पर भी असर डालती है. संस्कृति की बात करें तो यह किसी एक व्यक्ति या एक पीढ़ी की देन नहीं होती. संस्कृति सदियों के अनुभव, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से बनती है. इसमें परिवर्तन भी होता रहता है क्योंकि हर युग अपने साथ नए विचार और नए रूप लेकर आता है. लेकिन परिवर्तन और अतिरेक के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है. जब मनोरंजन का उद्देश्य केवल सनसनी या ध्यान आकर्षित करना बन जाए, तो समाज में यह चिंता स्वाभाविक है कि कहीं हम अपने मूल्यों से दूर तो नहीं जा रहे. इस संदर्भ में परिवार, शिक्षा और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है. बच्चों और युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि इंटरनेट पर दिखने वाली हर चीज़ अनुकरण के योग्य नहीं होती. डिजिटल साक्षरता यानी यह समझ कि ऑनलाइन दुनिया कैसे काम करती है, आज के समय की बड़ी आवश्यकता बन गई है. यदि युवा यह समझ पाएँ कि एल्गोरिद्म कैसे काम करते हैं, व्यूज और लाइक्स कैसे बढ़ते हैं और किस प्रकार का कंटेंट उन्हें प्रभावित कर सकता है तो वे अधिक जागरूक निर्णय ले सकेंगे. कंटेंट क्रिएटर्स की जिम्मेदारी भी कम नहीं है. जो लोग लाखों दर्शकों तक पहुंच रखते हैं, उनके पास समाज को प्रभावित करने की शक्ति भी होती है. यदि वे अपनी लोकप्रियता का उपयोग सकारात्मक संदेश, रचनात्मक कला और प्रेरणादायक सामग्री के लिए करें तो वही सोशल मीडिया समाज के लिए सशक्त मंच बन सकता है. कई उदाहरण ऐसे भी हैं जहां क्रिएटर्स ने शिक्षा, लोक संस्कृति, भाषा और परंपराओं को बढ़ावा देने का काम किया है और लाखों लोगों को प्रभावित किया है. इसलिए समाधान केवल विरोध या बहिष्कार में नहीं बल्कि संतुलित दृष्टिकोण में है. समाज को यह तय करना होगा कि वह किस प्रकार के कंटेंट को बढ़ावा देना चाहता है. यदि दर्शक रचनात्मक, ज्ञानवर्धक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध सामग्री को अधिक समर्थन देंगे, तो स्वाभाविक रूप से वही कंटेंट अधिक दिखाई देगा. सोशल मीडिया का एल्गोरिद्म अंततः दर्शकों की पसंद पर ही निर्भर करता है. इसके साथ ही प्लेटफॉर्म कंपनियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे ऐसे मानक और नीतियाँ विकसित करें जो समाज के व्यापक हितों का ध्यान रखें. कई प्लेटफॉर्म पहले ही समुदाय दिशा-निर्देश लागू करते हैं लेकिन उनकी प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि उन्हें कितनी गंभीरता से लागू किया जाता है. अंततः यह समझना जरूरी है कि संस्कृति की रक्षा केवल नारों या हैशटैग से नहीं होती. संस्कृति तब मजबूत होती है जब समाज अपने व्यवहार, चुनाव और प्राथमिकताओं के माध्यम से उसे जीवित रखता है. यदि हम वास्तव में अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो हमें सकारात्मक विकल्पों को बढ़ावा देना होगा- चाहे वह लोक कला हो, पारंपरिक संगीत हो, साहित्य हो या आधुनिक लेकिन संवेदनशील और जिम्मेदार मनोरंजन. सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है. यह समाज को जोड़ भी सकता है और भटका भी सकता है. फर्क केवल इस बात से पड़ता है कि हम इसे किस तरह उपयोग करते हैं. यदि क्रिएटर्स जिम्मेदारी के साथ कंटेंट बनाएँ और दर्शक विवेकपूर्ण तरीके से उसे चुनें, तो यही प्लेटफॉर्म संस्कृति के संरक्षण और रचनात्मक अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा मंच बन सकता है. आखिरकार, संस्कृति किसी एक व्यक्ति, एक वीडियो या एक ट्रेंड से न तो बनती है और न ही खत्म होती है. यह समाज की सामूहिक चेतना और निर्णयों से आकार लेती है. इसलिए यह जिम्मेदारी हम सबकी है- क्रिएटर की भी, दर्शक की भी और समाज की भी. *(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)*

न्यूज कॉर्नर

नगर निगम ने शुरू किया टैक्स कैलकुलेटर वेब पोर्टल, अब घर बैठे जान सकेंगे प्रॉपर्टी टैक्स

युवा शक्ति न्यूज

गयाजीः गया नगर निगम के नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया के निर्देश पर शहरवासियों की सुविधा के लिए प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़ा नया टैक्स कैलकुलेटर वेब पोर्टल शुरू किया गया है.अब नागरिक अपनी संपत्ति का टैक्स आसानी से ऑनलाइन गणना कर सकेंगे.दरअसल, हाल ही में नगर आयुक्त के साथ चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक हुई थी.इस बैठक में चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों ने प्रॉपर्टी टैक्स की गणना में पारदर्शिता की कमी का मुद्दा उठाया था.व्यापारियों का कहना था कि टैक्स निर्धारण की प्रक्रिया स्पष्ट नहीं होने से लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है.इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया ने तत्काल पहल की और नगर निगम की ओर से टैक्स कैलकुलेटर वेब पोर्टल तैयार कराया गया.इस पोर्टल के माध्यम से कोई भी नागरिक अपनी संपत्ति से संबंधित जानकारी भरकर प्रॉपर्टी टैक्स की सटीक गणना कर सकता है.नगर निगम प्रशासन के अनुसार, इस सुविधा से टैक्स निर्धारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और लोगों को अपने टैक्स की जानकारी के लिए कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे.इसके साथ ही नागरिक दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर सीधे पोर्टल पर पहुंचकर भी टैक्स की गणना कर सकते हैं.नगर निगम के नगर आयुक्त ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस ऑनलाइन सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समय पर प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान करें.

मेडिएशन फॉर नेशन 2.0 के तहत तीन पारिवारिक मामलों का हुआ निष्पादन

पाकुड़: झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार के

तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार दिवाकर पांडे के निर्देश पर चल रहे मेडिएशन फॉर नेशन 2.0 के तहत् प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय में चल रहे मूल भरण पोषण वाद संख्या 236/2025, ओरिजनल सूट नंबर 3/2026, ओरिजनल सूट नंबर 13/2026 मामलों में चल रहे मतभेद को प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक के अथक प्रयास से समाप्त किया गया. दंपतियों ने आपसी मतभेद को भूलाकर कर एक साथ रहने को राजी हुए. इस दौरान प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक ने दंपतियों को मिलजुल कर खुशी खुशी एक साथ रहने वाद विवाद से बचने पारिवारिक रिश्तों में मधुरता रखने का संदेश दिए. मौके पर उभय पक्ष के अधिवक्ता अजय कुमार सौरभ अब्बास अली समेत परिजन उपस्थित रहे. मेडिएशन फॉर नेशन 2.0 अभियान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडे के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सचिव रूपा बंदना किरो के देख रेख में की जा रही है.

जदयू जिला कार्यालय कर्पूरी सभागार का हुआ उद्घाटन

युवा शक्ति न्यूज

गयाजीः जनता दल यूनाइटेड का कर्पूरी सभागार जिला कार्यालय का उद्घाटन बिसार तलाब रोड में जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा के अध्यक्षता में विधायक मनोरमा देवी, एमएलसी आफाक अहमद, प्रदेश मुख्यालय प्रभारी चंदन कुमार सिंह, पूर्व सांसद विजय मांझी, पूर्व मंत्री अभिराम शर्मा, विनोद यादव, पूर्व विधायक कृष्णंदन यादव के द्वारा शुक्रवार को किया गया.इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कहा की जदयू जिला कार्यालय खुलने से पार्टी के कार्यों में सहूलियत होगी और जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा के नेतृत्व में जदयू का संगठन मजबूती के काम करेगी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा किए गए कार्यों को एवं उनके विचारधारा को गांव गांव तक बूथ लेवल तक पहुंचाने का काम करेंगे.

अनुकम्पा के आधार पर 3 आश्रितों को सौंपे नियुक्ति पत्र

अनुशासन, समयपालन एवं कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने का दिया संदेश

पाकुड़: समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में आज मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए. इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार ने चयनित अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत रूप से नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएँ दीं.

दिनांक 12 मार्च 2026 को आयोजित जिला अनुकम्पा समिति की बैठक में की गई अनुशंसा के आलोक में कुल 3 आश्रित अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की गई.समाहरणालय संवर्ग के अंतर्गत अनुसेवक के पद पर दिनेश किस्कू, सनत कुमार माल एवं देवीधन

मोहली को नियुक्ति पत्र सौंपा गया.

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सेवा के दौरान दिवंगत हुए कर्मियों के आश्रित परिवारों को समय पर आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना सरकार की एक संवेदनशील पहल है. उन्होंने कहा कि अनुकम्पा नियुक्ति केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी प्रतीक है. उपायुक्त ने नव-नियुक्त कर्मियों को कहा कि कार्यस्थल पर अनुशासन, समयपालन एवं कर्तव्यनिष्ठा सर्वोपरि है. उन्होंने अपेक्षा जताई कि सभी नव-नियुक्त कर्मी पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और प्रशासनिक कार्यों को और अधिक सुदृढ़ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे. मौके पर स्थापना उप समाहर्ता त्रिभुवन कुमार सिंह, कार्यपालक दंडाधिकारी श्रीमती कांति रश्मि उपस्थित थे.

जिले में आयोजित आयुष जांच शिविर में 498 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

पाकुड़:आयुष विभाग की ओर से जिले के विभिन्न प्रखंडों में आयुष जांच शिविर का आयोजन किया गया. इन शिविरों में कुल 498 लाभुकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं. यह शिविर प्रखंड के पाकुड़, लिट्टीपाड़ा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय कुमार भांजा, हिरणपुर प्रखंड के जवाहर नवोदय विद्यालय बागशीशा और पाकुड़िया प्रखंड के गणपुरा में आयोजित किए गए. शिविर में उपस्थित चिकित्सकों डॉ अबुतालिब शेख, डॉ सौरभ विश्वास, डॉ प्रेम प्रकाश, डॉ अशोक मेहता, डॉ अफरोज आलम, डॉ लवकुश यादव, डॉ संतोष कुमार यादव एवं डॉ कुलेश कुमार ने बताया कि जांच शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ एवं गठिया रोग, बच्चों से संबंधित रोगों आदि का निःशुल्क परीक्षण किया गया. साथ ही लाभुकों को मुफ्त दवा भी उपलब्ध कराई गई.

दो दिवसीय कृषि यांत्रिकीकरण मेला का आयोजन किया गया

युवा शक्ति न्यूज

गयाजीः कृषि विभाग द्वारा बाजार समिति परिसर चन्दौती में दो दिवसीय कृषि यांत्रिकीकरण मेला का आयोजन किया गया.जिसका उद्घाटन शुक्रवार को अतरी विधायक रोमित कुमार एवं जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी ने दीप प्रज्जवलित कर किया.कृषि यांत्रिकीकरण मेला में मे मेहता एग्रीकल्चर, मे जय गुरुदेव इन्टरप्राईजेज, मे शारदा मशीनरी, मे न्यू मगध बीज भण्डार, जय अम्बे ऑटोमाबईल्स, मे सिद्धार्था ट्रैक्टर, श्री गणेश कृषि केन्द्र, नन्दनी बायोफर्टिलाईजर, प्राण संस्था एवं माँ शक्ति एग्रो सहित अलग-अलग प्रतिष्ठानों ने विभिन्न आधुनिक कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी लगाई है.स्वागत संबोधन में जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ) संजीव कुमार ने कहा कि सरकार 91 प्रकार के कृषि यंत्रों की खरीद पर किसानों को सहायतानुदान दिया जा रहा है, जिला का लक्ष्य 5 करोड़ 98 लाख 23 हजार निर्धारित है जिसमें से 4.5 करोड़ से अधिक का सहायतानुदान 676 किसानों को दिया गया है.जिला में फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना के लिये 01 लक्ष्य था जो पूरा हो गया है और इसमें 08 लाख रुपये अनुदान दिया गया है, विशेष कस्टम हायरिंग सेन्टर योजना में 2 लक्ष्य था जो पूरा हो गया है और 24 लाख अनुदान दिया गया है, कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना के लिये 12 लक्ष्य के विरुद्ध 09 पूरा हो गया है और 35 लाख से अधिक का अनुदान दिया गया है.वर्तमान में 1623 परमिट एक्टिव हैं जो किसान यांत्रिकरण मेला में यंत्र क्रय करेंगे उनका अनुदान एक सप्ताह में भुगतान हो जायेगा.अपने संबोधन में अध्यक्ष जिला परिषद ने कहा कि खेती को सरल बनाने में यंत्रो की बहुत उपयोगिता है, किसान मेला में लगाये गये जुताई, कटाई, मड़ाई के यंत्रों को देखकर किसान उनके बारे में जान सकते हैं और अनुदानित दर पर क्रय कर सकते हैं.अतरी विधायक ने कहा कि गया जिला के टनकुप्पा प्रखण्ड के मायापुर में बिहार सरकार ने मोटे अनाज के मूल्य संवर्द्धन के लिये सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना किया है, पूरी दुनिया में अब मोटे अनाज का बाजार विकसित हो रहा है क्योंकि परम्परागत अनाज गेहूँ जोकि मूल रुप से अमेरिका से भारत में आया है को खाने से मधुमेय एवं हायपर टेन्सन जैसे रोग तेजी से बढ़ रहे हैं.आज समय कि मांग है कि किसान मोटे अनाज की खेती करे और अपने घर में भी उसका उपयोग करे जिससे वे स्वयं स्वस्थ रहेंगे और इससे स्वस्थ समाज का निर्माण भी होगा.उन्होने कहा कि कृषि विभाग के द्वारा लगाये गये कृषि यांत्रिकरण मेला में किसानों की खेती को सरल बनाने वाली कई आधुनिक मशीनों को प्रदर्शित किया गया है जिसे देखकर वैज्ञानिकों से उसके उपयोग के तरीकों को जानकर खेती की लागत घटायी जा सकती है.किसानों को कम खेत को देखते हुये वर्टिकल फार्मिंग करना चाहिये.कृषि यांत्रिकरण मेला में किसान अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं.उन्होने खेती में रोबोटिक्स, ड्रोन जैसे आधुनिक यंत्रों के उपयोग की जानकारी लेने और उसे अपनाने के लिये प्रोत्साहित किया.इस अवसर पर डीएओ संजीव कुमार, ई विमलेश कुमार पाण्डेय, वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान कृषि विज्ञान केन्द्र, आमस, ई मनोज कुमार राय, वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र, मानपुर, दीपक कुमार, उप निदेशक, कृषि अभियंत्रण, विकास कुमार, सहायक निदेशक (शष्य), प्रक्षेत्र, नीरज कुमार वर्मा, उप परियोजना निदेशक, आत्मा, बिजेश कुमार, जिला कृषि विपणन पदाधिकारी, राजीव रंजन यादव, सहायक निदेशक, रसायन मिट्टी जांच, शिवम कुमार, सहायक निदेशक (शष्य) बीज विश्लेषण, मो सरवर खान, सहायक निदेशक, सांख्यिकी, सुशीला कुमारी, अनुमण्डल मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, डा धर्मेन्द्र कुमार, सहायक कुक्कुट पदाधिकारी, डा कुमार रविकान्त, प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी, नगर, विकास कुमार, गव्य विकास पदाधिकारी उपस्थित थे.

एसएसपी ने की राजगंज थाना की समीक्षा

लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन व सूचना तंत्र मजबूत करने का निर्देश

धनबादः जिले में अपराध नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने शुक्रवार को राजगंज थाना का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान अंचल निरीक्षक मोहम्मद रुस्तम और थाना प्रभारी सुश्री अलीशा समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित थे.

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने थाना परिसर के विभिन्न विभागों और कार्यालय कक्ष का क्रमवार निरीक्षण करते हुए वहां की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया. उन्होंने सीसीटीएनएस कक्ष, कम्प्यूटर रूम, काउंसिलिंग सेंटर, मालखाना, बैरक, कॉन्फ्रेंस रूम, रिकॉर्ड रूम, कैंटीन, महिला हेल्प डेस्क और सीरिस्ता का बारीकी से निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने दस्तावेजों के संधारण, रिकॉर्ड के रखरखाव, मालखाने की व्यवस्था और पुलिसकर्मियों के रहने की व्यवस्था की भी जानकारी ली.

एसएसपी ने थाना क्षेत्र में होने वाले सड़क हादसों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए छक-ख के साथ नई सुरक्षा रणनीति बनाकर हादसों में कमी लाने की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि थाने में आने वाले सभी मामलों की सही ढंग से प्रविष्टि की जाए तथा रिकॉर्ड को अद्यतन रखा जाए. उन्होंने कहा कि थाने की व्यवस्था सुव्यवस्थित और पारदर्शी होनी चाहिए ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो. महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा करते हुए उन्होंने महिला संबंधित मामलों के प्रति संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. इस दौरान एसएसपी ने थाने में दर्ज कांडों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली और विभिन्न मामलों के अनुसंधान की प्रगति की समीक्षा की. उन्होंने लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि अनुसंधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए. उन्होंने निर्देश दिया कि सभी लंबित कांडों का अनुसंधान पूर्ण कर समय पर न्यायालय में चार्जशीट समर्पित की जाए, ताकि अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई हो सके और न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आए.

एसएसपी ने थाना क्षेत्र की विधि-व्यवस्था को लेकर भी

अधिकारियों से जानकारी ली और निर्देश दिया कि क्षेत्र में नियमित रूप से गश्ती अभियान चलाया जाए. उन्होंने कहा कि संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए तथा सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत किया जाए, ताकि अपराध की घटनाओं पर समय रहते नियंत्रण पाया जा सके. इसके अलावा उन्होंने थाने में लंबित वारंटों की समीक्षा करते हुए सभी वारंटों का जल्द तामिल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. साथ ही फरार चल रहे अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा. उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जल्द से जल्द कानून के शिकंजे में लाया जाए.

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने पुलिस पदाधिकारियों और जवानों से उनकी समस्याओं को सुना और त्वरित समाधान का निर्देश दिया. इसके अलावे उन्होंने थाना को अतिरिक्त नया चार पहिया वाहन और दो पहिया उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया.

एसएसपी ने सभी पदाधिकारियों व जवानो को आम जनता के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने की भी हिदायत दी. उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता आम लोगों को सुरक्षा प्रदान करना और उनकी शिकायतों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान करना है.

शांतिपूर्ण मतदान संपन्न, 170 अधिवक्ताओं ने किया वोटिंग

पाकुड़: झारखंड स्टेट बार काउंसिल (आईएसबीसी) के सदस्यों के चुनाव के लिए जिला बार एसोसिएशन भवन में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई. पूरे राज्य की तरह पाकुड़ में भी अधिवक्ताओं ने नई परिषद के गठन के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग किया. बार एसोसिएशन में सुबह से ही गहमागहमी का माहौल रहा. कुल 209 अधिवक्ता वोट देने के पात्र थे, जिनमें से 170 अधिवक्ताओं ने अपने कीमती मत डाले. इस केंद्र पर लगभग 81% मतदान दर्ज किया गया. मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे. पूरी प्रक्रिया की निगरानी पीठासीन पदाधिकारी सह पाकुड़ बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नृपेंद्र उपाध्याय और रांची से आए पर्यवेक्षक अधिवक्ता लव तिवारी ने की. कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए परिसर में जिला पुलिस के जवान

मुस्तैद रहे. किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली और मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा.

मतदान के दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद मोहिउद्दीन और सचिव दीपक ओझा भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे. उन्होंने मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और अधिवक्ताओं से शांतिपूर्वक वोट डालने की अपील की. झारखंड स्टेट बार काउंसिल के इस चुनाव में पूरे राज्य से 100 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें से 25 सदस्यों का चयन किया जाना है. परिषद के सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्षों के लिए होता है. नियम के अनुसार, प्रत्येक अधिवक्ता को कम से कम 5 और अधिकतम 23 उम्मीदवारों के पक्ष में अपना वोट देना अनिवार्य था.

हाईवा और ट्रक की आमने-सामने टक्कर, चालक घायल

पाकुड़: पाकुड़ हिरणपुर मुख्य सड़क पर सोलगाड़िया के पास सुबह हाईवा और ट्रक के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई. इस दुर्घटना में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि हाईवा चालक घायल हो गया. मिली जानकारी के अनुसार हाईवा बालू लेकर पाकुड़ की ओर जा रहा था, जबकि ट्रक ईंट लेकर हिरणपुर की ओर जा रहा था. इसी दौरान सोलगाड़िया के पास दोनों वाहनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई. टक्कर इतनी तेज थी कि हाईवा का चालक वाहन के अंदर ही फंस गया. घटना के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से काफी मशक्कत के बाद चालक को वाहन से बाहर निकाला गया. इसके बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची .

मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया

गयाः जिले के एसएसपी सुशील कुमार की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय, गया में शुक्रवार को मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया. इस गोष्ठी में सीटी एसपी, एएसपी, सभी डीएसपी, सभी इंस्पेक्टर, सभी थानाध्यक्ष तथा जिले के समस्त शाखा प्रभारी उपस्थित रहे. एसएसपी द्वारा जिले के सभी थानों की बीते माह की उपलब्धियों एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई. समीक्षा के क्रम में गिरफ्तारी की प्रगति, लंबित कांडों के निष्पादन, कुर्की/वारंट/इश्तिहार के तामिला सहित अन्य महत्वपूर्ण पुलिस कार्यों का भी गहन मूल्यांकन किया गया. एसएसपी द्वारा आगामी माह के लिए आवश्यक लक्ष्य निर्धारित करते हुए अपराध नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाने, विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

बिहार दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा

युवा शक्ति न्यूज

गयाजीः प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बिहार दिवस का आयोजन किया जा रहा है.जिसको लेकर शुक्रवार को जिले के डीएम शशांक शुभंकर के निर्देश के आलोक में एडीएम (राजस्व) ने बताया कि बिहार दिवस 2026 के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है.114वां बिहार स्थापना दिवस 22 मार्च के अवसर पर प्रातः 07 बजे स्कूली बच्चो द्वारा रन फ़ॉर बिहार का आयोजन किया जाएगा, जो टावर चौक से समाहरणालय होते हुए गांधी मैदान स्टेडियम पर समाप्त होगी.डीएम ने सिविल सर्जन गया को निर्देश दिया है कि विशेष ग्रामीण स्वच्छता शिविर का आयोजन करे.सभी प्रखंड के 2 या 3 पंचायतों के महादलित टोलों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव करवाएंगे साथ ही सभी पंचायतों के महादलित टोलो में आशा कार्यकर्ता एवं आगनवाड़ी सेविकाओं के माध्यम से हैंड वाश का प्रदर्शन करवाना सुनिश्चित करवाये.शिक्षा विभाग के द्वारा प्रखंड स्तर पर क्विज, निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं जिसका विषय मद्द निषेद, बाल विवाह निषेध एवं दहेज निषेध का आयोजन किया जाएगा.इसमें विजेता छात्र-छात्राओं के बीच जिला स्तर पर प्रतियोगिता कराया जाएगा तथा इस प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर चयनित छात्र-छात्राओं के बीच प्रमाण पत्र डीईओ द्वारा वितरण किया जाएगा.इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के द्वारा रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन जय प्रकाश नारायण अस्पताल में किया जाएगा.इसके साथ-साथ सभी सरकारी भवनों को टिमटिमाती रंग बिरंगी लाइट के माध्यम से सजाया जाएगा.नगर आयुक्त ने आम जनो एवं होटल संचालको से अपील किया है कि अपने घरों एवं दुकानों को अपने स्तर से टिमटिमाती रंग बिरंगी लाइट के माध्यम से सजाये.बिहार स्थापना दिवस के अवसर पर समाहरणालय कार्यालय परिसर में जीविका के माध्यम से रंगोली बनाकर एव केक काटकर बिहार का 114वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा.इस अवसर पर नगर आयुक्त, डीडीसी, एडीएम विधि व्यवस्था/विभागीय जांच, सदर एसडीओ, सिविल सर्जन, ज़िला जन सम्पर्क पदाधिकारी सहित सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे.

रील मेकिंग प्रतियोगिता में शारीरिक शिक्षा विभाग के अभि पवन सिंह को प्रथम पुरस्कार

युवा शक्ति न्यूज

टेकारी(गया): दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ की पहल पर फाउंडेशन टू फ्यूचर : सेलेब्रटिंग आवर लेगेसी, इंस्पायरिंग आवर टूमॉरो विषय पर शुक्रवार को एक रील प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के 20 विभिन्न विभागों के छात्रों द्वारा कुल 46 रीलें प्रस्तुत की गईं. जूरी द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों का सावधानीपूर्वक चयन कर उन्हें पुरस्कार के लिए चुना गया.प्रतियोगिता का मूल्यांकन एक प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें सीयूएसबी की वित्त अधिकारी रश्मि त्रिपाठी, डॉ. चारिमा प्रिया, प्रैक्टिसिंग डेंटिस्ट एवं डिजिटल क्रिएटर तथा ज्योति वर्मा, बैंक प्रबंधक, एसबीआई, सीयूएसबी शाखा की बैंक प्रबंधक शामिल थीं.निर्णायकों ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता, कहानी कहने की शैली और प्रस्तुति कौशल की सराहना की.कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक समन्वयन मनोवैज्ञानिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दास अंबिका भारती, विधि एवं शासन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. पल्लवी सिंह, तथा मनोवैज्ञानिक विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अंकिता कुमारी द्वारा किया गया.जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि शारीरिक शिक्षा विभाग के छात्र अभि पवन सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और उन्हें 5,000 रुपए का चेक एवं प्रमाणपत्र प्रदान दिया गया.द्वितीय पुरस्कार अंग्रेजी विभाग की सैयदा सालेहा शफाई एवं उनकी टीम को मिला तथा उन्हें 3,000 रुपए की इनामी राशि एवं प्रमाणपत्र से पुरस्कृत किया गया. तृतीय स्थान फार्मेसी विभाग के आलोक कुमार एवं टीम ने प्राप्त किया.

भारतीय वायु सेना INDIAN AIR FORCE
JOIN INDIAN AIR FORCE AS AN AGNIVEERVAYU

INDIAN AIR FORCE INVITES UNMARRIED INDIAN MALE AND FEMALE CANDIDATES TO APPEAR IN RECRUITMENT RALLY FROM **20 MAR 2026 TO 23 MAR 2026** TO JOIN THE IAF AS **AGNIVEERVAYU (OTHER THAN SCIENCE) INTAKE 02/2026 AT SHILLONG (MEGHALAYA).**

1.	Venue/Location	HQ Eastern Air Command IAF, Nonglyer PO Upper Shillong, Meghalaya 793009
2.	Marital Status and Date of Birth Block	Candidate should be unmarried and bom between 02 July 2005 and 02 January 2009 (both dates inclusive).
3.	Educational Qualification	Candidate should have passed Intermediate/ 10+2/ Equivalent Examination in any stream/ subjects from Education Boards recognised by Central/ State/ UT minimum 50% marks in aggregate and 50% marks in English. **OR** Passed two years Vocational Course from Education Boards recognised by Central/ State/ UT with minimum 50% marks in aggregate and 50% marks in English in Vocational Course (or in Intermediate/Matriculation if English is not a subject in Vocational Course). **OR** Passed Three years Diploma Course in Engineering (Mechanical / Electrical/ Electronics/ Automobile/ Computer Science/ Instrumentation Technology/ Information Technology) from Central, State and UT recognised Polytechnic institute with 50% marks in aggregate and 50% marks in English in Diploma Course (or in Intermediate/Matriculation, if English is not a subject in Diploma Course). **Note-1.** Education Boards recognised by Central, State and UT as on date of selection test shall only be permitted. **Note-2.** Exact aggregate percentage of marks before decimal as written in the marks sheet of 10+2/ Intermediate Equivalent Examination/ Three years Diploma Course/ Two years vocational course OR calculated as per the rules of concerned Education Board/ Polytechnic Institute shall only be considered (For example 49.99% should be taken as 49% and not to be rounded off to 50%).
4.	Stream	Agniveervayu (other than science).
5.	Time & Date of Rally	Reporting time at Rally Venue: 6 AM on 20 Mar (For female) and 22 Mar 26 (Fo male) (as per details given below at Para 6) & Last time to report 1000 Hr.
6.	Domicile States	**20 Mar 26:** Female candidates of all districts of States of Arunachal Pradesh, Assam, Meghalaya and Sikkim. **22 Mar 26:** Male candidates of all districts of States of Arunachal Pradesh, Assam, Meghalaya and Sikkim.

FOR DETAILED ADVERTISEMENT LOG ON TO WEB PORTAL https://agnipathvayu.cdac.in

Scan QR code for detailed information

CBC 10807/11/0031/2126

न्यूज कॉर्नर

किराये पर मकान देने के बहाने महिला से दुष्कर्म का प्रयास,पति से भी की मारपीट

उरई : उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के उरई कोतवाली क्षेत्र में एक पुलिस कर्मी के खिलाफ किराये पर मकान दिलाने के बहाने महिला को घर ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास करने का मामला सामने आया है. आरोप है कि विरोध करने पर महिला के पति के साथ भी मारपीट की . पीड़ित दंपती ने कोतवाली पहुंचकर आरोपित सिपाही के खिलाफ तहरीर दी है. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. मामला झांसी जिले के टहरौली थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी महिला से जुड़ा है. पीड़िता ने शुक्रवार को शहर कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 10 मार्च को वह अपने पति के साथ झांसी के गरौठा स्थित न्यायालय में पेशी पर गई थी. वहां उनकी मुलाकात पति के पूर्व परिचित सिपाही देवेंद्र यादव से हुई, जो वर्तमान में करबई थाने (जालौन) में तैनात बताया जा रहा है. पीड़िता के अनुसार, न्यायालय परिसर में ही उसके पति ने सिपाही देवेंद्र से उरई में किराये का मकान दिलाने की बात कही. इस पर आरोपी सिपाही ने झांसा दिया कि उसका खुद का एक मकान उरई में खाली पड़ा है. उसने कहा कि अगर वे लोग उसमें रहने लगेंगे तो मकान की सफाई और देखरेख भी हो जाएगी. विश्वास में लेकर आरोपित सिपाही उन दोनों को अपनी कार से उरई ले आया. आरोप है कि सिपाही उन्हें उरई के चुर्खी रोड स्थित बघौरा इलाके में अपने मकान पर ले गया. इस दौरान पीड़िता का पति बाहर कमरे में बैठा हुआ था, जबकि महिला अंदर कमरे की सफाई कर रही थी. महिला ने आरोप लगाया कि इसी दौरान सिपाही देवेंद्र अंदर कमरे में आ घुसा और उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास करने लगा. महिला के शोर मचाने पर उसका पति तुरंत अंदर की ओर दौड़ा. पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपित सिपाही ने उसके और उसके पति के साथ मारपीट शुरू कर दी. इस झड़प में महिला को चोटें भी आई हैं. किसी तरह जान बचाकर दंपती वहां से भाग निकला और उरई कोतवाली पहुंचकर आपबीती सुनाई. पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित सिपाही देवेंद्र यादव के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है. घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीमें आरोपित की तलाश में दबिश दे रही हैं. सीओ राजीव कुमार शर्मा का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है. जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

उत्तर प्रदेश के बलिया में महिला से बलात्कार के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

बलिया (उप्र): बलिया जिले के बैरिया थाना क्षेत्र में 35 वर्षीय महिला से बलात्कार के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान 36 वर्षीय पंकज ठाकुर के रूप में की गई है और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं. पुलिस ने इस मामले में दर्ज प्राथमिकी के हवाले से बताया कि बैरिया थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली विवाहित महिला नौ मार्च की शाम को शौच करने के लिए खेत गई थी जहां उसी के गांव के रहने वाले ठाकुर ने उससे कथित रूप से बलात्कार किया. पुलिस के अनुसार, आरोपी ने महिला को कथित रूप से धमकी दी कि यदि उसने घटना की शिकायत की तो वह अपने दोस्तों को बुलाएगा और वे भी उसका यौन उत्पीड़न करेंगे. पुलिस ने बताया कि आरोपी 10 मार्च को महिला के घर गया और उसने उसके ससुर को भी कथित तौर पर धमकी दी कि अगर परिवार ने पुलिस से संपर्क किया तो वह उन्हें गोली मार देगा. बैरिया क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद फहीम कुरैशी ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत बृहस्पतिवार को मामला दर्ज किया गया और मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

आगरा में सिपाही के साथ लिव-इन में रह रही महिला ने फांसी लगाकर दी जान

आगरा: उत्तर प्रदेश के जनपद आगरा में सिपाही के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही एक महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी. मरने से पहले महिला ने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल किया था, जिसमें उसने सिपाही पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है. मामला संज्ञान में आने के बाद सिपाही को निलंबित कर दिया गया. उसकी गिरफ्तारी कर पुलिस आगे की विवेचना कर रही है. डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने शुक्रवार को बताया कि कासगंज जिले के सहावर निवासी योगेंद्र सिंह चौहान ने गुरुवार देर रात को थाना में तहरीर दी. उन्होंने बताया कि थाना ताजगंज में तैनात मूलरूप से कानपुर नगर के रहने वाला सिपाही जेबी गौतम ने बेटी प्रियंका (34) को शादी का झांसा देकर उसके पिछले चार साल से लिव इन रिलेशनशिप में रह रहा है. इस बात की जानकारी उन्हें और सिपाही के परिवार को भी थी. पिछले कुछ समय से प्रियंका, जेबी गौतम से शादी के लिए कह रही थी, लेकिन वह और उसके परिवार वाले टालमटोल कर रहे थे. कुछ दिनों से वह लोग बेटी को शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान करने लगे. इसी वजह से प्रियंका ने गुरुवार को अपनी बहन के घर सैनिक पुरम में फांसी लगाकर जान दे दी. मरने से पहले के बेटी ने एक वीडियो बनाकर वायरल किया है, जिसमें सिपाही पर शोषण और प्रताड़ना के आरोप लगाए गए हैं. डीसीपी सिटी ने बताया कि वीडियो को संज्ञान लेकर सिपाही जेबी गौतम को निलंबित कर दिया है. परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया. पुलिस अब तक मिले साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है.

मोनालिसा प्रकरण : फिल्म निर्माता ने लगाए लव जिहाद और साजिश के आरोप

लखनऊ: प्रयागराज महाकुंभ में वायरल होकर चर्चा में आई युवती मोनालिसा का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है. फिल्म निर्माता सनोज मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर बयान जारी कर पूरे घटनाक्रम को साजिश और लव जिहाद से जोड़ते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं. फिल्म निर्माता सनोज मिश्रा ने दावा किया है कि जिस युवती को उन्होंने प्रशिक्षण देकर फिल्म अभिनेत्री बनाने की पहल की थी, वह अब कथित तौर पर साजिश और लव जिहाद का शिकार हो गई है. महाकुंभ के दौरान मोनालिसा की सादगी और व्यक्तित्व से प्रभावित होकर उन्होंने उसे फिल्म में मौका देने का निर्णय लिया था. उनका कहना है कि उन्होंने उसे प्रशिक्षण देने और फिल्म निर्माण की तैयारी में बड़ा आर्थिक जोखिम उठाया तथा इस परियोजना के लिए करोड़ों रुपये का कर्ज भी लिया. फिल्म निर्माता का आरोप है कि इस घोषणा के बाद कुछ विरोधियों ने उन्हें निशाना बनाया और झूठे आरोपों में जेल भेजा गया. उनका दावा है कि जेल में रहने के दौरान भी उन्होंने फिल्म की कहानी लिखी और प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने की कोशिश की. मिश्रा ने यह भी आरोप लगाया कि मोनालिसा को पढ़ाने के लिए रखा गया एक शिक्षक बाद में उसका मैनेजर बन गया और उसने युवती को उनसे दूर कर दिया. उसी व्यक्ति ने मोनालिसा और उसके समुदाय को यह कहने के लिए भी प्रेरित किया कि उसकी सफलता में उनका कोई योगदान नहीं है. अपने बयान में मिश्रा ने कहा कि मोनालिसा की पारिवारिक परिस्थितियां जटिल रही हैं और वह अपनी जैविक मां से अलग रहने की वजह से भावनात्मक दबाव में रहती थी. उनका दावा है कि हालिया घटनाक्रम ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से गहरा आघात पहुंचाया है और उन्होंने इसे अपनी जिंदगी का सबसे बुरा दिन बताया है. हालांकि इस पूरे मामले में मोनालिसा या उसके परिवार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है. सोशल मीडिया पर इस घटनाक्रम को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं और लोग पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं.

सारण में शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सारण: मद्यनिषेध के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान नशा मुक्त सारण के तहत पुलिस को एक सफलता हाथ लगी है. वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देशन में जिला पुलिस अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए है. ताजा मामला पानापुर थाना क्षेत्र का है जहाँ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मढ़ौरा 2 के नेतृत्व में एक सघन छापेमारी अभियान चलाया गया. गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस त्वरित कार्रवाई में पुलिस टीम ने इलाके में दबिश दी और मौके से 15 लीटर देशी शराब बरामद की. इस मामले में पुलिस ने दो कारोबारियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान पप्पू नट पिता सुरेश नट और रूपेश नट पिता मंगरू नट पानापुर निवासी के रूप में हुई है. इस संबंध में पानापुर थाना में कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान सहरसा जिले को दी 512 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को समृद्धि यात्रा के क्रम में सहरसा जिले में विभिन्न योजनाओं का जायजा लिया.मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान सहरसा जिले को 512 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी. मुख्यमंत्री ने शाहपुर वार्ड नंबर 7 में बनाए गए कार्यक्रम स्थल से रिमोट के माध्यम से सहरसा जिले के लिए 286 करोड़ रुपये की लागत से 70 योजनाओं का उद्घाटन, 90 करोड़ रुपये की लागत से 20 योजनाओं का शिलान्यास एवं 136 करोड़ रुपये की लागत से 35 योजनाओं का कार्यारंभ किया. इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की प्रगति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली. इस क्रम में सहरसा जिला अंतर्गत मंडन मिश्र धाम का सौंदर्गीकरण एवं विकास कार्य, मां उग्रतारा मंदिर का सौंदर्गीकरण एवं विकास कार्य, सहरसा जिला मुख्यालय अंतर्गत मौजा-हासा हकपारा में स्टेडियम (खेल अवसंरचना) के निर्माण कार्य की जानकारी ली. साथ ही नगर निगम सहरसा अंतर्गत स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज योजना फेज-2 कार्य तथा मत्स्यगंधा झील पर्यटकीय सौंदर्गीकरण एवं विकास कार्य की प्रगति की जानकारी ली. निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कहा कि सभी कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें.
मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विकास कार्यों से संबंधित स्टॉलों का निरीक्षण किया. इस क्रम में जीविका दीदी द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों और उत्पादों की जानकारी ली. मुख्यमंत्री ने 3021 जीविका स्वयं सहायता समूह की दीदियों को 133 करोड़ रूपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया. वहां उपस्थित जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि आपने महिलाओं की तरक्की के लिए काफी काम किया है. हम सभी जीविका दीदियां आपकी कृपा से जीवन में आगे बढ़ रहे हैं.
मुख्यमंत्री ने कहा कि आपलोग ऐसे ही काम करते रहिए और आगे बढ़िए. मुख्यमंत्री ने नारी सशक्तीकरण जीविका महिला सीएलएफ के तहत 6 लाख 69 हजार तथा 3 लाख 5 हजार रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया. साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री मछुआ कल्याण योजना, मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, अनुसूचित जाति-अनूसूचित जनजाति कल्याण योजना, मुख्यमंत्री निःशक्त दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना, अल्पसंख्यक कल्याण योजना के लाभुकों को सांकेतिक चेक प्रदान किया.
इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, उद्योग विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया. मुख्यमंत्री ने वहां बनाए गए पालनाघर को देखा और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली. इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा में घोषित सहरसा जिला अंतर्गत बंगाली बाजार रेल समपार फाटक पर आरओबी के निर्माण कार्य का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि इसे तेजी से पूरा करें.

बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी, ईमेल की जांच

पटना: बिहार विधानसभा को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से हड़कंप मच गया. इस सूचना के बाद विधानसभा प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं. विधानसभा परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है. मामले की जानकारी मिलते ही विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारियों के साथ आपात बैठक की. जिसमें पूरे मामले की समीक्षा की गई और सुरक्षा से जुड़े आवश्यक निर्देश दिए गए.
अध्यक्ष ने प्रभारी सचिव ख्याति सिंह को निर्देश दिया कि वे इस मामले की जानकारी राज्य के मुख्य सचिव और बिहार पुलिस के पुलिस महानिदेशक को दें, ताकि विधानसभा परिसर की सुरक्षा के दृष्टिकोण से तत्काल जांच कराई जा सके. सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूरे परिसर में जांच अभियान चलाया गया और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है. पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि धमकी भरा ईमेल किसने और कहां से भेजा. फिलहाल सुरक्षा के मद्देनजर विधानसभा परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और आने-जाने वाले लोगों की सघन जांच की जा रही है.

बुलंदशहर में देवर-भाभी और बच्ची के शव मिले

बुलंदशहर: उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के खुर्जा कोतवाली क्षेत्र स्थित नेहरूपुर इंडिस्ट्रियल एरिया के पास खेत में तीन शव मिले . इसमें एक महिला का शव फांसी पर लटका हुआ था जबकि, बच्ची और युवक का शव जमीन पर पड़ा हुआ था. पुलिस ने तीनों शव की शिनाख्त देवर भाभी और भतीजी के रूप में की है. अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि मृत युवक का नाम सरल सरकार (32) है. भाभी देवी सरकार (30) और उसकी बच्ची सांवती सरकार (08) के रूप में हुई हैं. ये सभी पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जनपद स्थित पूर्वा मल्हापुरा गांव के निवासी थे. देवी सरकार अपने पति अपेश्वर के साथ खुर्जा स्थित पॉटरी फैक्ट्री में मजदूरी करती थी. प्रारंभिक जानकारी मिली है कि देवी सरकार का अपने पति अपेश्वर सरकार से 11 मार्च को वाद-विवाद हुआ था.

मुख्यमंत्री का फैसला गठबंधन तय करेगा: श्रवण कुमार

बिहार सरकार के मंत्री ने माना, निशांत कुमार को सीएम बनाने की डिमांड

पटना: बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने जदयू नेता निशांत कुमार के सीएम बनने की अटकलों के बारे में कहा कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला एनडीए का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा. पटना में मीडिया से मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट किया कि अभी मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है और इस पर आखिरी फैसला एनडीए के वरिष्ठ नेता तय करेंगे. मंत्री श्रवण कुमार का यह बयान उस वक्त आया है जब सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के बाद उनके बेटे की जदयू में एंट्री हुई है और बिहार में अगला सीएम उन्हें बनाने की मांग चल रही है.
जदयू के कई विधायक निशांत कुमार को सीएम बनाने की मांग कर रहे हैं. मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि निशांत कुमार को सीएम बनाने की मांग स्वाभाविक है. उनके समर्थक चाहते हैं कि वे सीएम बनें, वे अपनी बात रख रहे हैं, लेकिन सीएम बनने को लेकर फैसले एनडीए के बड़े नेता करेंगे. जाहिर है कि श्रवण कुमार ने कार्यकर्ताओं और जदयू के कुछ नेताओं के बहाने निशांत कुमार के सीएम बनाने की डिमांड पर एक तरह से मुहर लगा दी है.
एलपीजी संकट पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि एलपीजी गैस की कोई किल्लत नहीं है और कहीं पर कोई समस्या नहीं है. कुछ अफवाह फैलाने और कालाबाजारी करने वाले लोग इस काम में लगे हुए हैं. कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. विपक्ष द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि देश संविधान से चलता है, नियमों के खिलाफ किसी को जाने की इजाजत नहीं है.
राज्यसभा चुनाव को लेकर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि इस संबंध में गुरुवार को हम लोगों की डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के यहां बैठक हुई. यहां चुनाव को लेकर विधायकों को दिशा-निर्देश दिया गया. शनिवार को इसी क्रम में उपेंद्र कुशवाहा के यहां बैठक है और 15 मार्च को संसदीय कार्यमंत्री के यहां बैठक होनी है. वहीं, विपक्ष के दावे पर कहा कि वह विधानसभा चुनाव से पहले भी सरकार बनाने का दावा रहे थे. हम विश्वास के साथ कहते हैं कि राज्यसभा की पांचों सीटें एनडीए के खाते में आएंगी.

एलपीजी से संबंधित समस्याओं के निदान हेतु खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में स्थापित हुआ नियंत्रण कक्ष

पटना: राज्य में तेल एवं प्राकृतिक गैस (एलपीजी) से संबंधित उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर आमजन को होने वाली कठिनाइयों के त्वरित निदान के उद्देश्य से खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है. यह नियंत्रण कक्ष प्रतिदिन प्रातः 7:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक कार्यरत रहेगा. इस अवधि के दौरान राज्य के उपभोक्ता एलपीजी की उपलब्धता, वितरण अथवा उससे संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत के संबंध में विभागीय नियंत्रण कक्ष से संपर्क कर सकते हैं. आमजन अपनी समस्याओं एवं कठिनाइयों से नियंत्रण कक्ष को दूरभाष संख्या - 0612-2233050 पर अवगत करा सकते हैं, ताकि विभाग द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके. खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि एलपीजी से संबंधित किसी भी समस्या की स्थिति में अनावश्यक भ्रमित होने के बजाय विभाग द्वारा स्थापित नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें.

चेक बाउंस मामले में 9 लाख के बदले 19 लाख से अधिक की देनदारी, 3 माह की सजा भी

जालौन: उत्तर प्रदेश के जालौन नगर में चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में अदालत ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाते हुए आरोपित व्यापारी को कड़ी सजा दी है. इस फैसले से समाज को संदेश गया है कि चेक देकर भुगतान न करना भारी पड़ सकता है. जालौन नगर के व्यापारी मनीष तिवारी को वर्ष 2021 में हापुड़ के व्यापारी योगेंद्र द्वारा 9 लाख रुपये का चेक दिया गया था. जब चेक बैंक में लगाया गया तो बाउंस हो गया. इसके बाद पीड़ित पक्ष की ओर से जालौन नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष कुमार यादव ने न्यायालय में वाद दायर किया. मामले की सुनवाई न्यायाधीश जावेद खान की अदालत में चली. लगभग पांच वर्ष तक चली सुनवाई के बाद अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपित पर शुक्रवार को 19 लाख रुपये से अधिक की देनदारी निर्धारित की है. साथ ही अदालत ने तीन माह के कारावास की सजा भी सुनाई है.

बिहार में कमर्शियल गैस सिलेंडर की भारी किल्लत

होटल संचालकों का कारोबार ठप!

गोपालगंज: बिहार के गोपालगंज जिले के मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाकों में पिछले कुछ दिनों से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की भारी कमी देखी जा रही है. होटल संचालकों और छोटे खाद्य व्यवसायियों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है. गैस एजेंसियों से बार-बार संपर्क करने के बावजूद जरूरत के अनुसार सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे खाना पकाने में गंभीर दिक्कत हो रही है. संकट के कारण चाय-नाश्ते की दुकानों से लेकर बड़े होटलों तक आधुनिक गैस चूल्हों की जगह पुराने कोयले और लकड़ी के चूल्हे इस्तेमाल किए जा रहे हैं. इससे खाना बनाने में अधिक समय लग रहा है और भीषण गर्मी के मौसम में चूल्हे की तपिश व धुएं ने संचालकों व कर्मचारियों का जीवन मुश्किल कर दिया है. कई व्यवसायी इसे असहनीय बता रहे हैं.
होटल संचालकों का कहना है कि बिना पर्याप्त गैस के समय पर ग्राहकों को भोजन परोसना चुनौतीपूर्ण हो गया है, जिससे कारोबार में भारी गिरावट आई है. यदि यह स्थिति बनी रही तो उनके पास दुकानें या होटल बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा. जिले के सैकड़ों व्यवसायी अब इस समस्या के समाधान की उम्मीद में प्रशासन की ओर देख रहे हैं. व्यवसायियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कमर्शियल गैस की आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो वे सामूहिक रूप से अपनी दुकानें बंद कर देंगे. इससे न केवल उनकी आजीविका प्रभावित होगी, बल्कि बाजार में आने वाले आम लोगों को खान-पान की सुविधा के लिए भटकना पड़ेगा. स्थानीय निवासियों ने भी जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है.
जिलाधिकारी पवन कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान माहौल में कमर्शियल एलपीजी की बुकिंग फिलहाल बंद कर दी गई है. कुछ लोग घरेलू सिलेंडरों का दुरुपयोग कर होटल-रेस्टोरेंट चला रहे हैं, जिससे भीड़ बढ़ रही है. समीक्षा बैठक में गलत अफवाहें रोकने और कालाबाजारी पर सख्ती के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जनता में असंतोष न फैले. यह किल्लत मुख्य रूप से ईरान-इजरायल युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एलपीजी आयात प्रभावित होने से उत्पन्न हुई है. इससे कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में 115 रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई है और सप्लाई बाधित है. बिहार के कई जिलों में इसी तरह की समस्या देखी जा रही है, जहां घरेलू गैस के लिए भी लंबी कतारें लग रही हैं.
जिला प्रशासन ने गैस एजेंसियों के साथ समन्वय बढ़ाने और कालाबाजारी रोकने का आश्वासन दिया है. व्यवसायियों से अपील की गई है कि वे धैर्य रखें और वैध तरीके से गैस का उपयोग करें. यदि आपूर्ति सामान्य हुई तो होटल-रेस्टोरेंट व्यवसाय फिर पटरी पर आ सकता है, अन्यथा आर्थिक नुकसान बढ़ता जाएगा.

सिलिंडर नहीं तो अब छोले-भटूरे भी नहीं

मेन्यू से पसंदीदा डिशेज हुईं आउट, दाल-नान से काम चला रहे लोग

गाजियाबाद: पश्चिम एशिया में छिड़े महासंग्राम का असर जिले में दिख रहा है. कामर्शियल गैस सिलिंडर की आपूर्ति पर रोक लगा दी गयी है, ऐसे में दुकानदारों ने खाने के मेन्यू में बदलाव कर दिया है. अब ठेलियों पर छोले-भटूरे की जगह दाल-नान की बिक्री की जा रही है. राजनगर में पिछले 18 साल से ठेली पर छोले भटूरे की बिक्री करने वाले चंदू मूलरूप से बस्ती के रहने वाले हैं. उनकी दुकान पर शुक्रवार को रोजाना की तरह ग्राहक छोले-भटूरे खाने पहुंचे तो पता चला कि मेन्यू में बदलाव है.
छोले-भटूरे की जगह दाल-चावल और नान खाने के लिए उपलब्ध है. इसकी वजह पूछने पर बताया कि कामर्शियल सिलिंडर नही मिल रहा है. भटूरे बनाने के लिए गैस सिलिंडर होना जरूरी है. अब वह घर से ही दाल, चावल, सब्जी बनाकर लाते हैं दुकान पर तंदूर लगा है, जिसमें तंदूरी रोटी और नान बना सकते हैं. दाल, सब्जी को गर्म भी कर सकते हैं. इसलिए उन्होंने देश मे एलपीजी संकट की स्थिति में अपनी कमाई जारी रखने और ग्राहकों को भोजन मुहैया कराने के लिए यह तरीका अपनाया है.
चंदू अकेले ऐसे दुकानदार नहीं हैं, जिन्होंने यह बदलाव किया है. उनकी तरह शहर में दो हजार से अधिक छोले-भटूरे की बिक्री करने वाले दुकानदार हैं और वह अब खाने के मेन्यू में इस तरह का बदलाव कामर्शियल सिलिंडर न मिलने पर कर रहे हैं. दुकानदारों की मांग है कि सरकार को कामर्शियल सिलिंडर की आपूर्ति जल्द शुरू करनी चाहिए.

यूपी सरकार ने किया गोतस्करों का दमन, सलाखों के पीछे धकेले गए 35 हजार से अधिक आरोपित

13 हजार 793 आरोपितों पर गुंडा एक्ट, 178 पर एनएसए और 14,305 मामलों में गैंगस्टर के तहत की गई कार्रवाई

लखनऊ: उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में गोतस्करों और अवैध पशु वध के खिलाफ बेहद गंभीर है. सरकार ने गोकशी को पूरी तरह से रोकने के लिए वर्ष 2020 में गोवध निवारण कानून में संशोधन किया. जून-2020 में उत्तर प्रदेश गोवध निवारण (संशोधन) अध्यादेश जारी हुआ. इसके तहत अब तक प्रदेश भर में गोकशी के 14 हजार 182 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 35 हजार 924 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया. गोकशी से जुड़े मामलों में गिरफ्तार किए गए आरोपितों के खिलाफ केवल सामान्य मुकदमे ही नहीं दर्ज किए गए, बल्कि उनके विरुद्ध कड़े कानूनों के तहत भी कार्रवाई की गई. गोकशी के मामले में 35 हजार 924 आरोपितों में से 13 हजार 793 के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई, जबकि 178 आरोपितों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) की कार्रवाई की गई. इसके अलावा 14 हजार 305 मामलों में गैंगस्टर एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की गई है. इस दौरान प्रदेश में सक्रिय गोकशी से जुड़े नेटवर्क को ध्वस्त किया गया और आरोपितों की संपत्तियों की भी जांच की गई.
गोकशी के मामलों में केवल गिरफ्तारी तक ही कार्रवाई सीमित नहीं रही, बल्कि आर्थिक स्तर पर भी अपराधियों पर प्रहार किया गया. गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत कार्रवाई करते हुए लगभग 83 करोड़ 32 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई. इसका उद्देश्य अपराध से अर्जित संपत्ति को जब्त करने से संगठित अपराधियों की आर्थिक ताकत कमजोर करना है ताकि भविष्य में ऐसे अपराधों को पूरी तरह रोका जा सके.
इतना ही नहीं कई मामलों में अवैध कमाई से खरीदी गई जमीन, वाहन और अन्य संपत्तियों को भी कुर्क किया है. योगी सरकार ने गोकशी पर नियंत्रण के लिए पुलिस की विशेष टीमों का गठन किया. विशेष टीमों द्वारा खुफिया निगरानी, जिलास्तरीय टास्क फोर्स और सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता के जरिये गोकशी-गोतस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया. साथ ही प्रदेश के कई संवेदनशील जिलों में रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाई गई. वहीं, पशु परिवहन से जुड़े मामलों की भी विशेष निगरानी की गई. उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि अवैध बूचड़खानों के खिलाफ लगातार अभियान चलाए गए. योगी सरकार की सख्त कार्रवाई से प्रदेश में अवैध पशु वध से जुड़े मामलों में काफी कमी आई है और संगठित गिरोहों की गतिविधियों पर अंकुश लगा है.

विदेशी नागरिकों से ओटीटी प्लेटफॉर्म के नाम पर ठगी करने वाले 6 लोग गिरफ्तार

नोएडा: नोएडा पुलिस ने अमेरिका सहित कई देशों के नागरिकों से विभिन्न टीवी चैनलों के ओटीटी प्लेटफॉर्म बेचने के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है. इस ठगी में कंपनी के मालिक सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से पुलिस ने कंप्यूटर, लैपटॉप आदि बरामद किया है. पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि निरीक्षक हरवीर सिंह और उनकी पुलिस टीम ने एक सूचना के आधार पर बीती रात को सेक्टर -2 में छापेमारी की है. उन्होंने बताया कि मौके से पुलिस ने मोहसिन खान, नौशाद, सुनील, मोहम्मद शमी, सेफ राजा और इरफान को गिरफ्तार किया है. उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि ये लोग सी-66 सेक्टर -2 में एक अवैध रूप से कॉल सेंटर चला रहे थे. कॉल सेंटर के माध्यम से ये लोग अमेरिका व अन्य विदेशी नागरिकों को ओटीटी प्लेटफॉर्म बेचते थे, जिसमें प्रमुख रूप से अमेजॉन प्राइम, हॉटस्टार, नेटफ्लिक्स आदि कंपनियों की लाइव स्ट्रीमिंग सेवा चैनल बिक्री करने के नाम पर ये लोग अमेरिका और अन्य देश के लोगों से लाखों रुपए की ठगी कर लेते थे. उन्होंने बताया कि इस गैंग का सरगना मोहसिन खान है. उन्होंने बताया कि पुलिस ने इनके पास से 5 सीपीयू, एक लैपटॉप आदि बरामद किया है. उन्होंने बताया कि इनके पास डीओटी, ट्राई या किसी रेगुलेटरी अथॉरिटी का कोई लाइसेंस नहीं है.

कविता

विनती

हमें पढ़ाओ चाहे जितना,
पर ना हमको मारो जी.
हम बच्चे हैं छोटे-छोटे,
थोड़ा तो पुचकारो जी.

छोटे-छोटे हाथ हमारे,
लिखने से बेहाल हुए.
लिखते-लिखते हुए बावले,
तब भी नंबर गोल रहे.

हाय परीक्षा के दिन कितने,
लंबे होते जाते हैं.
चंद दिनों की मिली छुट्टियाँ,
उनमें भी गृहकार्य मिला.

कितनी योजनाएँ थी मन में,
खेल कूद और पिकनिक की.

पूरी कहाँ हैं वे हो पाती,
पंख लगा छुट्टियाँ उड़ जाती.
फिर बस्ते के साथ हमारा,
तनातनी का दौर शुरू.

जितना इसको पढ़ते हैं हम,
यह उतना मोटा होता.
ईश्वर कुछ तो दया करो,
हम बच्चों पर उपकार करो.

हाथ आपके बहुत बड़े हैं,
कोटि-कोटि हैं गिनती में.
थोड़ा बोझा आप उठा लो,
हम बच्चे पुकारें विनती में.

-अपर्णा शर्मा

यह भी जानें

बच्चो, विज्ञान से संबंधित कुछ रोचक प्रश्नोत्तर नीचे दिए जा रहे हैं जो तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होंगे.

अनार पाचन शक्ति को क्यों बढ़ाता है?

हृदय रोग के रोगियों के लिए अनार काफी

फायदेमंद होता है. इसमें विटामिन-सी, सल्फर, पोटेशियम, फास्फोरस आदि तत्व काफी मात्रा में पाये जाते हैं. अनार में खनिज लवण भी बहुतायत में मिलते हैं जिसकी वजह से यह पाचन शक्ति को बढ़ाने में कारगर सिद्ध होता है.

बेल स्वास्थ्यवर्धक क्यों होता है?

बेल काफी लाभदायक होता है. यह पाचन क्रिया

को चुस्त-दुस्त बनाकर पेट की खामियों को भी दूर करता है. बेल के गूदे में पाया जाने वाला पदार्थ मारमेलासिन पेट के कई रोगों से मुक्ति दिलाता है. इसके गूदे में नीबू या इमली मिलाकर बनाया गया शर्बत शरीर की पाचन क्रिया को सही रखने में अहम भूमिका निभाता है.

चर्बी बढ़ने से दिमाग सुस्त क्यों हो जाता है?

दिमाग का क्षेत्र जो अनुभूति के लिए महत्वपूर्ण है, वह मोटे लोगों में छोटा होता है. इसका दिमाग अपनी उम्र के सामान्य वजन वाले लोगों से 16 साल अधिक उम्र दराज की तरह काम करता है. एक अध्ययन में कहा गया है कि जैसे-जैसे शरीर में चर्बी बढ़ती है, व्यक्ति की धमनियों के मरने का खतरा भी बढ़ जाता है जिससे शरीर में रक्त और आक्सीजन में प्रवाह में कमी आ जाती है तथा दिमाग सिकुड़ने लगता है.

हार्ट अटैक क्यों होता है?

हार्ट अटैक होने का हमेशा एक ही कारण होता है - कोरोनेरी आर्टरी की अंदरूनी सतह पर कोलेस्ट्रोल

जमना. इससे रक्त का बहाव अवरुद्ध हो जाता है. धूम्रपान, उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्रोल का उच्चस्तर व डायबिटीज को हार्ट अटैक का मुख्य कारक माना जाता है. रोजाना हल्की-फुल्की कसरत करना इसके लिए लाभकारी माना गया है.

बाल कहानी

मूर्खता की पहचान

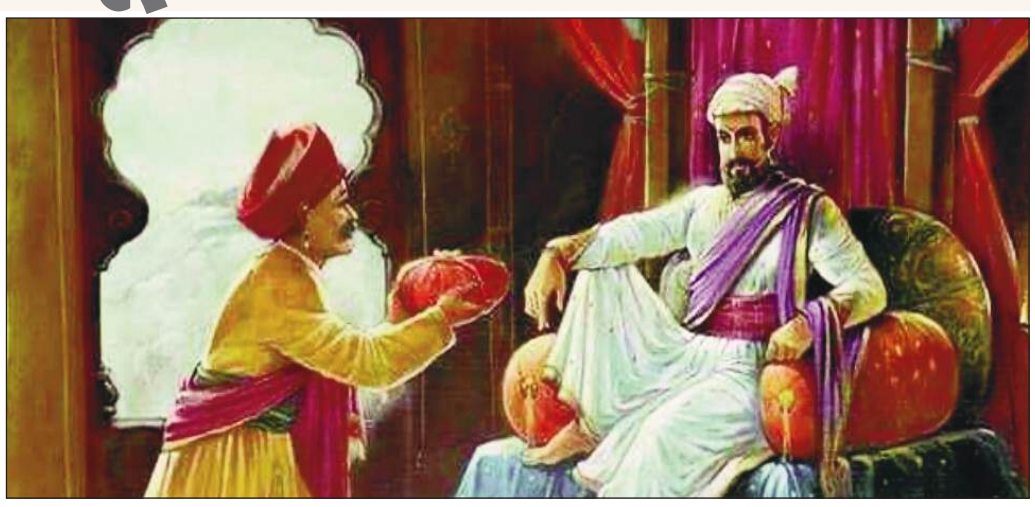

धारा नगरी के राजा भोज अत्यंत न्यायप्रिय, विद्वानों का आदर करने वाले शासक थे, जिनके राज कवि थे कालिदास जो राजा को अपनी कविताओं से प्रसन्न करते थे. भोज की महारानी भी अत्यंत विदुषी तथा पति परायणा थी. वह राजा को समय-समय पर परामर्श देकर राजा को चमत्कृत कर देती थी.

एक दिन प्रात: दरबार में आने से पहले, राजा भोज महारानी के कमरे में गए. उस समय रानी अपनी प्रिय सखी से कुछ बातचीत कर रही थी. राजा नि:संकोच कमरे में चले गये जिससे रानी का ध्यान भंग हो गया.

बातचीत का क्रम टूट गया और रानी के मुख से निकल पड़ा 'आइये विराजिये मूर्खराज.' राजा अपने लिये 'मूर्खराज' संबोधन सुन चौंक पड़े और बिना कुछ उत्तर दिये कमरे से निकल राजसभा (दरबार) में चले गए. उनका मन यह सोचकर परेशान हो रहा था कि रानी ने उन्हें क्यों मूर्खराज कहा जबकि वह विदुषी (विद्वान) महिला है. अवश्य ही इसके पीछे कुछ-न-कुछ कारण तो है पर क्या कारण? वह निश्चय नहीं कर पा रहे थे और उनका मन उतावला हो रहा था.

राजसभा में एक-एक कर आमात्य, मंत्री, सभासद आने लगे और राजा उस दिन सभी को 'आइये मूर्खराज' कह उनका अभिवादन स्वीकारने लगे थे. किसी में इतना साहस नहीं था कि वह राजा से इस नये संबोधन का कारण पूछे. इसी से सब मौन रहते हुए अपने-नियत स्थान पर बैठने लगे. कालिदास के आते ही जब राजा ने उनसे भी 'आइए मूर्खराज' कहा तो वह वहीं रुक गये और उन्होंने एक श्लोक पढ़ा 'शतं न सोचामि कृतं न मनने, खाद्य न गच्छामि हंसे न जलपे. द्वाभ्यां वृतियो न भवामि राजन किं कारणं भोज भवामि मूर्ख:..' अर्थात हे राजा भोज जो कुछ बीत गया उसे भुलाने के बजाय उसी को मन में रखकर चिंतामग्न रहना, कोई काम करने के पहले उसके लाभ-हानि, गुण-अवगुण, परिणाम पर पूरी तरह विचार न करना, चलते-चलते मार्ग में खाते रहना, हंसते हुए जल पीना तथा जहां दो व्यक्ति बातचीत कर रहे हों वहां बिना अनुमति प्रवेश करना या बिना उनसे पूछे उनकी बातचीत में अपनी राय देना ये पांच लक्षण मूर्खता के हैं. अत: राजन मैंने इनमें से कौन- सा काम किया जो आपने मुझे मूर्खराज कहा कृपया स्पष्ट करें?

> राजसभा में एक-एक कर आमात्य, मंत्री, सभासद आने लगे और राजा उस दिन सभी को 'आइये मूर्खराज' कह उनका अभिवादन स्वीकारने लगे थे. किसी में इतना साहस नहीं था कि वह राजा से इस नये संबोधन का कारण पूछे. इसी से सब मौन रहते हुए अपने-नियत स्थान पर बैठने लगे.

कालिदास के श्लोक से राजा को अपने प्रश्न का उत्तर तथा मानसिक चिंता का हल मिल गया था. उन्होंने कालिदास के श्लोक और प्रश्न का कोई उत्तर नहीं दिया और मुस्कराने लगे.

बच्चों से !

युवा शक्ति ने बच्चों के लिए विशेष रूप से इस पेज की शुरुआत की है. इसमें बाल कहानियां, चुकटुले, पहेलियां, कार्टून, चित्र वगैरह प्रकाशित किये जायेंगे.
अगर अपनी किस्से- कहानियां, चुटकुले, अपने हाथ से बनाये चित्र भेजना है तो हमें इस पते पर भेजें या मेल करें :

युवा शक्ति
19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट
प्रथम तल, कोलकाता-7,
e-mail : yuvashakti@hotmail.com

जानकारी

कौन था शेर शाह सूरी

शेर शाह सूरी मुगल वंश के संस्थापक बाबर के लिए काम करने वाला एक सैनिक था जिसने 1540 ई0 में हुमायूँ को हराकर सूरी साम्राज्य की स्थापना की थी आइये जानते हैं :

- शूर साम्राज्य का संस्थापक अफगान वंशीय शेरशाह सूरी था
- इसके बचपन का नाम फरीद खॉ था
- शेरशाह का जन्म 1472 ई0 में बजवाडा होशियारपुर में हुआ था
- इनके पिता हसन खॉ जौनपुर राज्य के सासाराम के जमींदार थे
- फरीद ने एक शेर को तलवार के एक ही वार से मार दिया था
- इसलिए अफगान शासक सुल्तान मुहम्मद बहार खॉ लुहानी ने उसे शेर खॉ की उपाधि प्रदान की थी
- 1539 ई0 चौसा तथा 1540 ई0 में बिलग्राम या कन्नौज की लडाई को जीतने के बाद शेरशाह ने 1540 ई0 में मुलग बादशाह हुमायूँ के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा था
- शेर खॉ ने अपने राजतिलक के समय शेरशाह की उपाधि धारण की थी
- शेरशाह ने 1541 ई0 में पाटलिपुत्र को पटना नाम से पुन: स्थापित किया था
- शेरशाह ने 178 ग्रेन चॉदी का रूपया एवं 380 ग्रेन तांबे के दाम चलवाया
- शेरशाह ने रोहतास गढ के दुर्ग एवं कन्नौज के स्थान पर शेरशूर नामक नगर बसाया
- शेरशाह ने भूमि की माप के लिए 32 अंक वाला सिकन्दरी गज एवं सन की डन्डी का प्रयोग किया
- कबुलित एवं पट्टा प्रथा की शुरूआत शेरशाह ने की थी
- ग्राण्ड ट्रंक रोड का निर्माण शेरशाह ने कराया था
- शेरशाह ने दिल्ली में एक दान के लंगर की स्थापना की थी
- डाक प्रथा का प्रचलन शेरशाह ने कराया था
- शेरशाह का उत्तराधिकारी उसका पुत्र इस्लाम शाह था
- शेरशाह की मृत्यु 22 मई 1545 ई0 को कालिंजर के दुर्ग में अचानक बारूद के विस्फोट होने से हुई थी

भौंकने वाली 'रिंगटेल कैट'

रोचक जानकारी

मैक्सिको की पहाडियों पर पाई जाने वाली बिल्ली 'रिंगटेल कैट' जहां अपनी लंबी पूंछ के लिए जानी जाती है, वहीं इसकी सबसे बड़ी खासियत है, इसका कुत्ते की तरह भौंकना

और मजेदार बात यह है कि इसे भौंकते देख भौंकने वाले कुत्ते भी दुम दबाकर भाग जाते हैं. दूसरी बिल्लियों की तरह 'म्याऊं-म्याऊं' के बजाय कुत्ते की भांति जोर-जोर से भौंकने वाली इस बिल्ली को वहां के शिकारी पालतू बनाकर रखते हैं क्योंकि इसकी मदद से शिकारियों को शिकार करने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता. दरअसल शिकार को दूर से देखकर ही यह बिल्ली फौरन अपने मालिक से लिपट जाती है, जिससे शिकारी सावधान हो जाते हैं और आसानी से शिकार करने में सफल हो जाते हैं. इस बिल्ली की एक और खासियत यह है कि यह बंदरों की ही भांति पेड़ों पर उछल-कूद करती है. 'रिंगटेल कैट' की पूंछ भी अन्य बिल्लियों की अपेक्षा काफी लंबी होती है.

जीवित मशीन 'चीता'

अफ्रीका तथा एशिया के कम घने जंगलों में पाया जाने वाला चीता को धरती की सबसे तेज भागने वाली 'जीवित मशीन' कहा जा सकता है. दरअसल चीता जब अपने शिकार को दबोचने के लिए उसके पीछे दौड़ता है तो उसकी भागने की गति 90 किलोमीटर प्रति घंटा से भी ज्यादा होती है. कुछ सर्वेक्षणों में तो यह भी बताया गया है कि चीता इससे बहुत ज्यादा गति अर्थात करीब 148 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से दौडने में भी सक्षम है. हालांकि चीते को एक खूंखार और निष्ठुर प्राणी के रूप में जाना जाता है किन्तु मजेदार बात यह है कि चीते को प्राणी विज्ञानी एक शर्मीला जानवर मानते हैं. चीते की अधिकांश प्रजातियां या तो पूर्ण रूप से विलुप्त हो चुकी हैं या उन पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं.

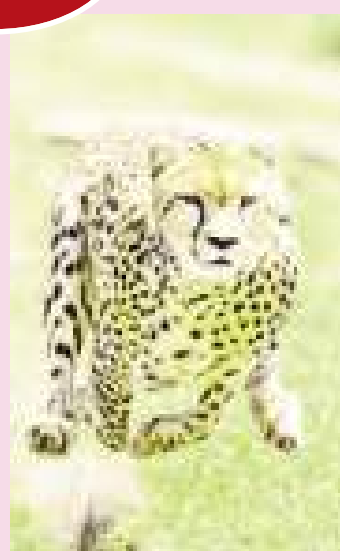

लघु कथा

पत्थर

जब शिष्यों की पढ़ाई पूरी हो गई, तो गुरु ने कहा-शिष्यो आप लोगों की पढ़ाई पूर्ण हो गई है, अब आप जीवन के कर्म पथ पर अग्रसर होने के लिए तैयार हो. यह कहकर गुरु ने सब शिष्यों को एक-एक पत्थर भेंट में देते हुए कहा कि आज से यह पत्थर तुम्हारा प्रेरणा पथ आलोकित करेगा. इसे सदैव अपने पास रखना और जब भी कोई उलझन हो, पत्थर में अपने सवालों के जवाब तलाशना. यह सुन सारे शिष्य आश्चर्य में पड़ गए, एक-दूसरे का चेहरा देखने लगे. कभी पत्थर को देखते, कभी गुरु के धीर-गम्भीर चेहरे को. माहौल में सन्नाटा खिंच गया. वातावरण एकदम नि:शब्द! शिष्यों को पशोपेश में पड़े देख गुरु ने शंका निवारण करते हुए कहा- तुम्हें आश्चर्य इसलिए हो रहा है, क्योंकि तुमने सिर्फ इसकी बाह्य आकृति देखकर इसकी स्थूल प्रकृति पर गौर किया, जबकि इसकी भीतरी प्रकृति को नहीं देखा.

एक पत्थर को राह में फेंक दो, तो लोग ठोकर खाकर गिरने लगते हैं. उठाकर मंदिर में रख दो, तो पूज्य हो जाता है. निर्माण कार्य में डाल दो, तो इमारत खड़ी हो जाती है. किसी शिल्पकार के हाथों अद्भुत मूर्ति में ढल जाता है. नदी में डाल दो, तो उसकी संगत में मीलों बहकर नई आकृति गढ़ लेता है. सख्त होते हुए भी इतना नरम, इतना गुणशील, इतना प्रेरक कोई और नहीं हो सकता. इसलिए सदैव कोशिश करना, जीवन पथ में हर चीज पत्थर सरीखी मिलेगी, अपने गुण, हुनर और क्षमताओं से उसे अपने अनुसार ढालकर उसका जीवन बदल देना. शिष्यों को बात समझ में आ गई.

> किसी शिल्पकार के हाथों अद्भुत मूर्ति में ढल जाता है. नदी में डाल दो, तो उसकी संगत में मीलों बहकर नई आकृति गढ़ लेता है. सख्त होते हुए भी इतना नरम, इतना गुणशील, इतना प्रेरक कोई और नहीं हो सकता.

हवा में उड़ने वाली मछली

क्या आपने कभी किसी मछली को हवा में उड़ते देखा है? नहीं ना! लेकिन ऐसा नजारा कुछ समय पूर्व जापान के टोक्यो में देखा गया था, जहां एक मछली हवा में उड़ती दिखाई दी. हालांकि यह मछली एक मिनट से भी कम समय तक हवा में रही लेकिन जिसने भी इसे इस तरह हवा में उड़ते देखा, दम साधे एकटक इस दृश्य को निहारता रह गया. यह मछली सिर्फ 45 सैकेंड ही हवा में रही और इस दृश्य को किसी ने संयोगवश अपने कैमरे में कैद भी कर लिया.

विज्ञान

स्मार्टफोन पर इंटरनेट चलाने से गर्म हो रही है धरती

जब भी ग्लोबल वार्मिंग की बात होती है, तो वाहनों और फैक्ट्रियों को दोषी ठहराया जाता है. कई बार एयर कंडीशनर (एसी) के बढ़ते इस्तेमाल को भी धरती के बढ़ते तापमान के लिए जिम्मेदार माना जाता है, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि जिस स्मार्टफोन के बिना आप एक पल भी नहीं रह सकते, वही स्मार्टफोन ग्लोबल वार्मिंग के लिए भी जिम्मेदार है. आइए आज जानते हैं कि आखिर स्मार्टफोन कैसे ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार है.

दरअसल, इंटरनेट से चलने वाली डिवाइसेज जैसे लैपटॉप, मोबाइल और टैबलेट जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार हैं. क्लाइमेट होम न्यूज के साल 2016 में किए गए सर्वे के मुताबिक पूरी दुनिया में पिछले 10 सालों में रोज इस्तेमाल हो रही अरबों डिवाइसेज के कारण धरती के तापमान में 3.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो साल 2040 तक 14 फीसदी तक पहुंच जाएगी.

साल 2025 तक पूरी दुनिया में इस्तेमाल होने वाली बिजली का 20 फीसदी हिस्सा इंटरनेट और मोबाइल डिवाइसेज में खर्च होगा और इसका सीधा प्रभाव जलवायु परिवर्तन पर पड़ेगा. अब बड़ा सवाल यह है कि इतनी बिजली खर्च कहां होगी. तो आपको बता दें कि इंटरनेट का इस्तेमाल जितना अधिक होगा, उतने ही डाटा सेंटर खुलेंगे और इन डाटा सेंटर को चालू रखने के लिए बिजली की खपत होगी. एक रिपोर्ट के मुताबिक स्मार्टफोन के कारण उर्जा का उत्सर्जन 2020 तक 11 फीसदी तक बढ़ जाएगा, जो 2010 तक चार फीसदी था और यह सभी निजी कंप्यूटर, मोबाइल और टैबलेट के चलते हो रहा है. स्मार्टफोन के कारण 2020 तक कार्बन डाइऑक्साइड में 125 मेगाटन तक की बढ़ोतरी होगी.

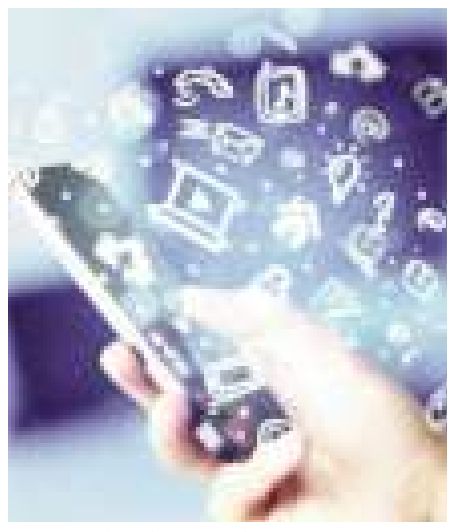

तक डाटा सेंटर में बिजली की खपत 3,000 टेरा वाट पहुंचने की संभावना

इस मसले पर काम कर रहे स्वीडिश शोधकर्ता एंडर्स एंड्रेका मानना है कि पूरी दुनिया में इंटरनेट यूजर्स की बढ़ती संख्या के साथ ही बिजली की खपत भी काफी तेजी से बढ़ेगी. एंडर्स एंड्रे के अनुमान के मुताबिक, 2025 तक इस क्षेत्र में बिजली की खपत प्रति वर्ष 200-300 टेरा वाट प्रति घंटे (TWh) से बढ़कर 3,000 टेरा वाट प्रति घंटा तक पहुंच जाएगी. एंडर्स ने इसे डाटा सुनामी कहा है और साथ ही यह भी कहा है कि साल 2025 तक हालात और भी भयावह होने वाले हैं. एंडर्स के मुताबिक 5G नेटवर्क का इस्तेमाल जल्द ही कई देशों में शुरू होने वाला है. इसके अलावा अब इंटरनेट से कनेक्टेड कारें भी आ रही हैं. साथ ही रोबोट भी इंटरनेट के जरिए काम कर रहे हैं. जिसके चलते अधिक संख्या में डाटा सेंटर भी खुलेंगे, क्योंकि इन सभी डिवाइसेज से मिलने वाले डाटा को स्टोर करने की जरूरी पड़ेगी.

ग्लोबल वार्मिंग के लिए स्मार्टफोन का उत्पादन जिम्मेदार

रिसर्च के मुताबिक ग्लोबल वार्मिंग के लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल नहीं, बल्कि इनका प्रोडक्शन जिम्मेदार है और इसमें इनका योगदान 85 से 95 फीसदी तक है, क्योंकि फोन के उत्पादन में ऊर्जा की खपत के अलावा इन डिवाइसेज में सोने के साथ अन्य दुर्लभ धातुओं जैसे येट्रियम, लैंथेनियम की माइनिंग भी हो रही है. बता दें कि ये तत्व केवल चीन में ही उपलब्ध हैं. स्मार्टफोन के भारी प्रोडक्शन के लिए कंपनियां भी जिम्मेदार हैं, क्योंकि हर कुछ महीनों के अंतराल पर मोबाइल कंपनियां नए फीचर्स के साथ नया स्मार्टफोन पेश कर रही हैं. ऐसे में लोग पुराना स्मार्टफोन बेचकर नया खरीद रहे हैं.

प्रत्येक टेक्स्ट मैसेज, डाउनलोडिंग और ई-मेल में खपत हो रही है एनर्जी

24X7 घंटे काम करने वाले इन डाटा सेंटर्स में बहुत ज्यादा बिजली की खपत हो रही है, क्योंकि पूरी दुनिया में लोग हर सेकेंड या तो मैसेज भेज रहे हैं या फिर कोई फाइल डाउनलोड कर रहे हैं. इसके कारण वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा जहां साल 2007 में 215 मेगाटन थी, जिसके 2020 तक बढ़ कर 764 मेगाटन पहुंचने की संभावना है और इसमें डाटा सेंटर्स का योगदान दो तिहाई होगा. तो कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि हर पल और हर घंटे हम तकनीक के इस्तेमाल से ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि कर रहे हैं और सोचने वाली बात यह है कि स्मार्टफोन यूजर्स की संख्या पूरी दुनिया में हर रोज बढ़ रही है. अकेले भारत में ही 2022 तक स्मार्टफोन यूजर्स की संख्या 86 करोड़ तक पहुंचने की संभावना है.

पढ़ाई में एकाग्रता लाने के लिए करें यह उपाय

- अपने अध्ययन कक्ष में मां सरस्वती का छोटा-सा चित्र लगाएं. पढ़ने के लिए बैठने से पूर्व माता के समक्ष कपूर का दीपक जलाएं अथवा तीन अगरबत्ती जलाकर हाथ जोड़ कर माता से प्रार्थना करें. फिर पढ़ाई शुरू करें.
- एक थाली में केसर में गंगाजल मिलाकर बनी स्याही से स्वस्तिक का चिह्न बनाएं. उस पर नैवेद्य चढ़ाएं. सामने शुद्ध घी का दीपक जला कर रखें. मां सरस्वती की स्तुति करें. इसके बाद थाली में जल मिलाकर गिलास में डालकर पी लें. ऐसा करने से शिक्षा के क्षेत्र में पूर्ण उन्नति होती है.
- जिन बच्चों की स्मरण शक्ति कमजोर हो, उन्हें तुलसी के 11 पत्तों का रस मिश्री के साथ नियमित रूप से दें.
- परीक्षाओं से पांच दिन पूर्व से बच्चों को मीठा दही नियमित रूप से दें. उसमें समय परिवर्तन करें. यदि एक दिन सुबह 8 बजे दही दिया है तो अगले दिन 9 बजे, उसके अगले दिन 10 बजे, उसके अगले दिन 11 बजे दें. इस क्रिया को दोहराते रहें और प्रतिदिन एक घंटा बढ़ाते रहें.

पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को टीम में लेने के बाद सनराइजर्स लीड्स का एक्स खाता निलंबित

हमारे लिए चिंता का विषय नहीं, यह आईपीएल नहीं: बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला

नयी दिल्ली: भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने 'द हंड्रेड' नीलामी के दौरान सनराइजर्स लीड्स द्वारा पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को खरीदने को ज्यादा अहमियत नहीं दी और शुक्रवार को कहा कि विदेशी लीग में लिया गया फैसला बोर्ड के अधिकार क्षेत्र से बाहर है. चेन्नई के मीडिया ग्रुप सन ग्रुप के स्वामित्व वाली सनराइजर्स लीड्स ने बृहस्पतिवार को 'द हंड्रेड' खिलाड़ियों की नीलामी के दौरान पाकिस्तान के स्पिनर अबरार से करार किया जिससे वह टूर्नामेंट में किसी भारतीय मालिकाना हक वाली फ्रैंचाइजी द्वारा चुने जाने वाले पहले पाकिस्तानी क्रिकेटर बन गए. शुक्ला ने पीटीआई से कहा, ''यह हमारे लिए चिंता का विषय नहीं है. यह आईपीएल नहीं है. 'द हंड्रेड' या दूसरी विदेशी लीग में क्या होता है, हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है.'' ट्रेंट रॉकेट्स के साथ बोली लगाने की होड़ के बाद सनराइजर्स ने अहमद की सेवाएं लेने के लिए 190000 पाउंड (लगभग 2.34 करोड़ रुपये) दिए. यह टूर्नामेंट 21 जुलाई से 16 अगस्त तक चलेगा. अबरार को खरीदने के बाद सनराइजर्स लीड्स को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा और टीम का 'एक्स' अकाउंट कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया गया. आईपीएल की फ्रेंचाइजी ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच खराब राजनयिक रिश्ते के कारण 2009 से पाकिस्तानी खिलाड़ी से कोई अनुबंध नहीं किया है. सन ग्रुप आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद का भी मालिक है. उसने पिछले साल पहले के नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स का टेकओवर किया था. सनराइजर्स की मुख्य कार्यकारी अधिकारी काव्या मारन नीलामी में शामिल हुईं. उनकी एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप की टीम भी है लेकिन उनके पास इस टीम में कोई पाकिस्तानी खिलाड़ी नहीं है. अबरार नीलामी के दौरान बिकने वाले दूसरे पाकिस्तानी खिलाड़ी थे. इससे पहले एक और स्पिनर उस्मान तारिक को बर्मिंघम फीनिक्स ने 140,000 पाउंड (लगभग 1.72 करोड़ रुपये) में खरीदा था. हालांकि फिनिक्स का आईपीएल से कोई नाता नहीं है.

नयी दिल्ली: सनराइजर्स लीड्स का आधिकारिक एक्स खाता कुछ ही घंटों में निलंबित कर दिया गया. यह कार्रवाई उस समय हुई जब फ्रेंचाइजी ने द हंड्रेड 2026 की नीलामी में पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को अपनी टीम में शामिल किया. अबरार अहमद इस प्रतियोगिता में किसी भारतीय स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी द्वारा चुने जाने वाले पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी बन गए हैं. हालांकि इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने टीम के मालिक और फ्रेंचाइजी की आलोचना करते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी. नीलामी में अबरार अहमद को 1 लाख 90 हजार पाउंड (करीब 2.3 करोड़ रुपये) में खरीदा गया था. इसके कुछ ही समय बाद सनराइजर्स लीड्स का आधिकारिक एक्स खाता निलंबित हो गया. मंच की ओर से निलंबन का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन खाते पर जाने पर संदेश दिखाई देता है कि यह खाता नियमों के उल्लंघन के कारण निलंबित कर दिया गया है. इस बीच सन टीवी नेटवर्क ने हाल ही में द हंड्रेड की फ्रेंचाइजी, जो पहले नार्दर्न सुपरचार्जेस के नाम से जानी जाती थी, में हिस्सेदारी खरीदी है. कंपनी ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से 49 प्रतिशत और यार्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब से से 51 प्रतिशत हिस्सेदारी लेकर लगभग 10 करोड़ पाउंड में टीम का अधिग्रहण किया. नीलामी से पहले यह चर्चा थी कि आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़ी टीमें पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली लगाने से बचेंगी, और नीलामी की शुरुआती प्रक्रिया भी इसी ओर इशारा कर रही थी. हालांकि बाद में अबरार अहमद को खरीदकर यह स्थिति बदल गई. गौरतलब है कि पाकिस्तानी खिलाड़ी 2009 के बाद से इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं खेले हैं और दुनियाभर की टी20 लीगों में निवेश करने वाले आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिक आम तौर पर पाकिस्तान के खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने से बचते रहे हैं. नीलामी में पाकिस्तान के एक और खिलाड़ी उस्मान तारिक को बर्मिंघम फोनिक्स ने 1 लाख 40 हजार पाउंड में खरीदा. वहीं सैम अयूब, हारिस रऊफ और शादाब खान जैसे कई खिलाड़ी बिना बिके रह गए. सनराइजर्स लीड्स की टीम की कमानी हैरी ब्रूक कर रहे हैं, जबकि कोच की जिम्मेदारी डेनियल विटोरी के पास है. नीलामी के शुरुआती चरण में टीम ने दक्षिण अफ्रीका के रयान रिकेल्टन, इंग्लैंड के जैक क्रॉली, मैट पॉट्स और डैन लॉरेंस को भी टीम में शामिल किया. टीम में पहले से ब्रायडन कार्स, मिशेल मार्श और नाथन एलिस जैसे खिलाड़ी मौजूद हैं. द हंड्रेड 2026 का आयोजन 21 जुलाई से 16 अगस्त तक होगा, जिसमें पुरुष और महिला वर्ग में 34-34 मुकाबले खेले जाएंगे.

पीएसएल में कोचिंग के लिए ल्यूक रोंची और जैकब ओरम को मिली मंजूरी

न्यूजीलैंड टीम के असाइनमेंट से रहेंगे दूर

वेलिंगटन: ल्यूक रोंची और जैकब ओरम को न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 2026 के पाकिस्तान सुपर लीग में कोचिंग जिम्मेदारी निभाने के लिए अवकाश दे दिया है. यह टूर्नामेंट 26 मार्च से शुरू होगा. रोंची इस दौरान इस्लामाबाद यूनाइटेड के मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे, जबकि ओरम पीएसएल की टीम के सहायक कोच के तौर पर उनके साथ काम करेंगे. पीएसएल मई की शुरुआत तक चलेगा, इसलिए दोनों कोच न्यूजीलैंड टीम की आगामी दक्षिण अफ्रीका राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाफ घरेलू श्रृंखला और बांग्लादेश राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के दौरे में शामिल नहीं हो पाएंगे. न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रदर्शन प्रबंधक माइक सैंडल ने कहा कि बोर्ड रोंची और ओरम को यह अवसर लेने के लिए पूरा समर्थन दे रहा है. उन्होंने कहा, यह ल्यूक और जैक के लिए अपने कोचिंग अनुभव को आगे बढ़ाने और न्यूजीलैंड के माहौल से बाहर अपने कौशल को विकसित करने का शानदार मौका है. जिस तरह हमारे खिलाड़ी दुनिया भर में मांग में रहते हैं, उसी तरह हमारे कोच भी विभिन्न लीगों में काम कर रहे हैं. हमें विश्वास है कि पीएसएल का अनुभव उन्हें व्यक्तिगत रूप से लाभ देगा और वे जो ज्ञान हासिल करेंगे, वह भविष्य में ब्लैककैप्स और एनजेडसी के लिए भी उपयोगी साबित होगा. सैंडल ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी श्रृंखला में मुख्य कोच रॉब वॉल्टर की सहायता के लिए जॉनी बैसेंट-ग्राहम और ग्रेम एल्ड्रिज टीम से जुड़ेंगे. वहीं बांग्लादेश दौरे पर ब्रेंडन डोकर्स सहायक कोच की भूमिका निभाएंगे. उन्होंने कहा कि रोंची और ओरम के पीएसएल जाने से न्यूजीलैंड क्रिकेट नेटवर्क के अन्य कोचों को भी अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ काम करने का मौका मिलेगा, जिससे देश की कोचिंग प्रणाली और मजबूत होगी. न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 15 मार्च से शुरू होने जा रही है.

कोलकाता नाइटराइडर्स ने आईपीएल 2026 के लिए जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी से करार किया

कोलकाता: तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग सत्र से पहले शुक्रवार को जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी से करार करने की घोषणा की. मुजरबानी पाकिस्तान सुपर लीग से हट गए हैं जो इसी समय चलेगी. दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुजरबानी हाल में खत्म हुए टी20 विश्व कप में 13 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले संयुक्त रूप से तीसरे गेंदबाज रहे थे जिससे जिम्बाब्वे सुपर आठ चरण में पहुंचा. केकेआर ने एक बयान में कहा, ''केकेआर ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सत्र के लिए जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी से करार किया है. छह फुट

आठ इंच के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अपनी तेज बाउंस और पारी के अहम हिस्से में विकेट निकालने की काबिलियत के लिए मशहूर है.'' इसके अनुसार, ''मुजरबानी के पास टी20 का काफी अनुभव है. उन्होंने 80 से ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में लगभग 21 के औसत से 90 से ज्यादा विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आठ रन पर तीन विकेट रहा है.'' मुजरबानी को शामिल करने से पहले केकेआर ने पिछले साल दिसंबर में बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया था. मुजरबानी के 17 मार्च को कोलकाता आने की उम्मीद है.

भुल्लर ने वापसी करते हुए आईजीपीएल चंडीगढ़ खिताब जीता

चंडीगढ़: भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने आखिरी दौर में बिना किसी बोगी के चार-अंडर 68 का कार्ड खेला जिससे वह आईजीपीएल आमंत्रण चंडीगढ़ में अपना खिताब बरकरार रखने में सफल रहे. उन्होंने चार शॉट पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अपना चौथा आईजीपीएल खिताब जीता. भुल्लर ने पहले दो दौर में 68 और 69 का कार्ड खेला था. उन्होंने 13वें और 16वें होल के बीच चार होल में तीन बर्डी से एक और 68 का कार्ड बनाया. उनके तीन दिन के कुल 11 अंडर के स्कोर में सिर्फ एक बोगी थी जो दूसरे दौर में बनी थी. भुल्लर इस तरह वरुण पारिख (70) से तीन शॉट आगे रहे जबकि सचिन बैसोया (68) सात-अंडर से मानव शाह (70) के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे.

रंकीरेड्डी के कंधे में दर्द के कारण उनकी और चिराग की जोड़ी स्विस ओपन से हटी

बासेल: सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के कंधे में दर्द के कारण उनकी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय पुरुष जोड़ी ने शुक्रवार को स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया. इस सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अंतिम आठ युगल मुकाबलों में रंकीरेड्डी और शेट्टी का मुकाबला डेनमार्क के क्रिश्चियन फॉस्ट कजेर और रासमस कजेर से होना था. बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश से सुर्खियां बटोरने वाले अमलापुरम के 25 वर्षीय रंकीरेड्डी अपने दाहिने कंधे की समस्या से जूझते रहे हैं. रंकीरेड्डी ने 2023 में बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जिसकी गति 565 किलोमीटर प्रति घंटा थी. भारतीय टीम के मलेशिया मूल के कोच टैन किम हर ने 'पीटीआई' को बताया, ''यह पुरानी चोट है. उम्मीद है कि वह जल्दी ठीक हो जाएंगे. इसमें कम से कम एक सप्ताह लगेगा.'' समझा जा रहा है कि यह चोट नयी नहीं है और शीर्ष स्तर पर खेलने वाले

खिलाड़ियों में आम है. भारतीय जोड़ी ने बृहस्पतिवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान के हिरोकी ओकामूरा और क्योहेई यामाशिता के खिलाफ 74 मिनट के कड़े मुकाबले में 21-15, 15-21, 28-26 से जीत हासिल की. एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग अब सात से 12 अप्रैल तक होने वाली बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे. भारतीय जोड़ी ने 2023 में खिताब जीता था.

पांच भारतीय युवा मुक्केबाजों ने पदक पक्के किए

बैंकॉक: भारत के पांच मुक्केबाजों ने शुक्रवार को यहां क्वार्टर फाइनल में शानदार जीत के बाद विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में पोडियम में जगह पक्की कर ली. गुंजन (48 किग्रा), जॉयश्री देवी (54 किग्रा), अंबेकर मीतेई (50 किग्रा), चंद्रिका पुजारी (51 किग्रा) और राधामणि लोंगजाम (57 किग्रा) की जीत से भारत की पदक की उम्मीदें और मजबूत हुईं. ये सभी सेमीफाइनल में पहुंच गए जिससे देश के लिए टूर्नामेंट में पांच पदक पक्के हो गए. सुबह के सत्र में गुंजन ने अजरबेजान की गुलर हुसेनोवा पर 5-0 से जीत हासिल की जबकि जॉयश्री देवी ने पहले दौर में रेफरी द्वारा मुकाबला रोकने (आरएससी) से जापान की यूरा कनेमारू को हराकर शानदार प्रदर्शन किया. अंबेकर मीतेई ने पुरुषों के 50 किग्रा वर्ग में जापान के अकीरा उएकुबो पर 4-1 से जीत दर्ज की. शाम के सत्र में दो और भारतीय मुक्केबाज आगे बढ़े जिसमें चंद्रिका पुजारी (51 किग्रा) ने दूसरे दौर में स्पेन की एंड्रिया बुएल्गा गार्सिया को आरएससी से हराया जबकि राधामणि लोंगजाम (57 किग्रा) ने इंग्लैंड की सिओभान हेली को 4-1 से मात दी. वहीं साहिल दुहान (60 किग्रा) अपने आखिरी आठ मुकाबले में फ्रांस के डेविड हारुत्युनयान से 1-4 से हार गए.

निशानेबाज सम्राट और सुरुचि, धावक गुलवीर और पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद टॉप्स कोर समूह में शामिल

नयी दिल्ली: उभरते पिस्टल निशानेबाज सम्राट राणा और सुरुचि सिंह, एशियाई स्वर्ण पदक विजेता लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह और विश्व चैंपियन पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत उन आठ खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें हाल में प्रदर्शन के आकलन के बाद 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' (टीओपीएस) के कोर ग्रुप में शामिल किया गया है. विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, बैडमिंटन स्टार एच एस प्रणय, पूर्व एशियाई स्वर्ण पदक विजेता राइफल निशानेबाज दिव्यांश सिंह पंवार और पहलवान दीपक पूनिया जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को 'प्रदर्शन के अपेक्षित मापदंडों' को पूरा नहीं कर पाने के कारण कोर समूह से हटा दिया गया है. 'टॉप्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एन. एस. जोहल की अध्यक्षता में 'मिशन ओलंपिक सेल' (एमओसी) की 169वीं बैठक में सूची में फेरबदल किया गया. सम्राट ने जहां पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में विश्व चैंपियन का खिताब जीता, वहीं सुरुचि ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार चार विश्व कप स्वर्ण पदक अपने नाम किए. ओलंपिक के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद ने इस साल की शुरुआत में अपना छठा विश्व खिताब जीता. पोलियो के कारण बाएं पैर में विकार की दिव्यांगता का शिकार यह 37 वर्षीय खिलाड़ी लगातार तीन डोपिंग परीक्षणों में अनुपस्थित रहने के उल्लंघन के लिए तीन साल के निलंबन के बाद पिछले साल प्रतियोगिता में लौटा

है. इस सूची में शामिल होने वाले एक अन्य खिलाड़ी इस वर्ष के एशियाई रजत पदक विजेता राइफल निशानेबाज नीरज कुमार हैं. हालांकि, पूर्व एशियाई स्वर्ण पदक विजेता शिव नरवाल को सूची में हुए कुछ बदलावों और नए नामों के शामिल होने के बाद 56 सदस्यीय मुख्य समूह से बाहर कर दिया गया है. पिछले साल गुलवीर के शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें विकास स्तर (डेवलपमेंटल लेवल) से मुख्य स्तर पर पदोन्नत किया जाना बिल्कुल उचित था. वे 5000 मीटर और 10,000 मीटर दोनों स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भी हैं. उन्होंने पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में दोनों स्पर्धाओं में शीर्ष स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया था. इसके साथ ही बैडमिंटन मिश्रित युगल जोड़ी तनीशा क्रास्टो और ध्रुव कपिला तथा पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में 57 किलोग्राम फेदरवेट वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाली मुक्केबाज जैस्मीन लंबोरिया को भी विकासात्मक स्तर से मुख्य स्तर पर पदोन्नत किया गया है. टॉप्स कोर समूह के खिलाड़ियों को 50,000 रुपये का मासिक भत्ता मिलता है. इसके साथ ही उन्हें विदेशों में प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के दौरान प्रतिदिन 25 डॉलर भी मिलते हैं. टॉप्स की विकास समूह सूची में 22 मुक्केबाजों को शामिल किया गया है, जिनमें 14 महिलाएं हैं. इनमें विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता परवीन (महिला 60 किलोग्राम), अरुंधति (महिला 70 किलोग्राम) और हितेश गुलिया (पुरुष 70 किलोग्राम) सहित अन्य मुक्केबाज शामिल हैं. सूत्र ने बताया, ''इसका उद्देश्य भविष्य के ओलंपिक खेलों के लिए मुक्केबाजों की एक मजबूत टीम तैयार करना है, और विकास समूह में बड़ी संख्या में मुक्केबाजों को शामिल करना एक महत्वपूर्ण कदम होगा.'' वर्तमान में 130 खिलाड़ियों की विकास सूची में 13 निशानेबाजों को भी शामिल किया गया है. विकास समूह के खिलाड़ियों को 25,000 रुपये का भत्ता और विदेश में प्रशिक्षण तथा प्रतियोगिताओं के दौरान अतिरिक्त 25 डॉलर दिए जाते हैं. कोर और विकास समूह दोनों के खिलाड़ियों का मूल्यांकन कम से कम छमाही आधार पर किया जाता है.

डॉलर में मजबूती से दिल्ली में चांदी, सोना के दाम चार प्रतिशत तक गिरे

नयी दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में चार प्रतिशत तक की गिरावट आई. डॉलर के मजबूत होने और वैश्विक मौद्रिक नीति को लेकर अनिश्चितता के बीच चांदी गिरकर 2.65 लाख रुपये प्रति किलोग्राम और सोना फिसलकर 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया. अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चांदी की कीमत में 11,000 रुपये यानी 3.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई. यह बृहस्पतिवार के बंद भाव 2,76,500 रुपये प्रति किलोग्राम से गिरकर 2,65,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गईस्थानीय सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में भी 2,000 रुपये यानी 1.21 प्रतिशत की गिरावट आई. यह 1,65,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया. पिछले सत्र में सोने की कीमत 1,65,200 रुपये प्रति 10 ग्राम थी. एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा कि घरेलू बाजार में सोने की कीमतों पर डॉलर की मजबूती और मौद्रिक ढील को लेकर बदलती उम्मीदों का लगातार दबाव बना रहा. परमार ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे महंगाई बढ़ने का डर पैदा हो गया है. इसके चलते केंद्रीय बैंकों को लंबे समय तक सख्त मौद्रिक रुख बनाए रखने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है. उन्होंने कहा, ''हालांकि, अल्पकालिक उतार-चढ़ाव और व्यापारियों की तरफ से बिकवाली जारी रह सकती है, लेकिन परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है. भू-राजनीतिक तनाव स्थिर हो जाने पर केंद्रीय बैंकों द्वारा खरीद और खुदरा निवेश में फिर से तेजी आने की उम्मीद है, जिससे कीमतों को एक मजबूत आधार मिलेगा.'' अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर चांदी लगभग एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 83.14 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी, जबकि सोने की कीमत में मामूली बढ़त दर्ज की गई और यह 5,088 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया. चॉइस ब्रोकिंग के विश्लेषक (जिंस एवं मुद्रा) आमिर मकडा ने कहा, ''सोने की कीमतों में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट आई है. अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमत लगभग 1.5 प्रतिशत गिरकर 5,100 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गई है.''

आरबीआई ने सरकारी प्रतिभूतियां खरीद कर बैंकिंग प्रणाली में 50,000 करोड़ रुपये डाले

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को खुले बाजार की गतिविधियों (ओएमओ) के तहत सरकारी प्रतिभूतियों (जीएस) की खरीद कर बैंकिंग प्रणाली में 50,000 करोड़ रुपये की नकदी डाली है. एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, केंद्रीय बैंक ने विभिन्न श्रेणियों के बॉन्ड खरीदे, जिसमें 14,491 करोड़ रुपये के 7.41 प्रतिशत जीएस 2036 बॉन्ड, 13,006 करोड़ रुपये के 6.45 प्रतिशत जीएस 2029 बॉन्ड और 8,350 करोड़ रुपये के 6.64 प्रतिशत जीएस 2035 बॉन्ड प्रमुख रूप से शामिल हैं. इसके अलावा 2046, 2034, 2032 और 2039 में परिपक्व होने वाली सरकारी प्रतिभूतियों की भी खरीद की गई. इस समय बैंकिंग प्रणाली में लगभग 2.49 लाख करोड़ रुपये की अधिशेष नकदी होने का अनुमान है. यह नीलामी पिछले सप्ताह आरबीआई द्वारा घोषित 50,000-50,000 करोड़ रुपये की दो नीलामियों का हिस्सा थी. ओएमओ खरीद की यह घोषणा इस महीने के अंत में होने वाले अग्रिम कर और जीएसटी भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली से नकदी की भारी निकासी की आशंका को देखते हुए की गई थी.

कारोबार

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 1,471 अंक लुढ़का

मुंबई: पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए. सेंसेक्स 1,470 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी को 488 अंकों का नुकसान हुआ. विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में भारी बिकवाली, विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और रुपये की कमजोरी ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया. बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,470.50 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,563.92 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 1,579.82 अंक यानी दो प्रतिशत गिरकर 74,454.60 अंक पर आ गया था. इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 488.05 अंक यानी 2.06 प्रतिशत फिसलकर 23,151.10 अंक पर बंद हुआ. बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,348 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 941 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और 132 अन्य शेयरों के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ. लिवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के. ने कहा कि बाजार में आई यह तेज गिरावट मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और भारत जैसी ऊर्जा आयातक अर्थव्यवस्थाओं के लिए बढ़ती व्यापक आर्थिक चिंताओं के कारण है. बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को 10,24,181.74 करोड़ रुपये घटकर 4,29,82,252.27 करोड़ रुपये रह गया. साप्ताहिक आधार पर देखें तो बीएसई

सेंसेक्स में इस हफ्ते कुल 4,354.98 अंक यानी 5.51 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी 1,299.35 अंक यानी 5.31 प्रतिशत के नुकसान में रहा. सेंसेक्स 27 फरवरी से अब तक कुल 6,723.27 अंक यानी 8.27 प्रतिशत टूट चुका है. इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 33,68,419 करोड़ रुपये घट गया है. रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच निवेशकों का भरोसा डगमगा गया है. कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं, जिससे महंगाई और वैश्विक आर्थिक स्थिरता को लेकर डर बढ़ गया है. उन्होंने कहा कि इस हालत में विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार पैसा निकाल रहे हैं और रुपया गिरकर अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिससे बाजार की धारणा और बिगड़ गई है. सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, एसबीआई, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, मारुति और अल्ट्राटेक सीमेंट को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा. दूसरी तरफ, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारती एयरटेल के शेयरों में बढ़त का रुझान रहा. व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों के बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 2.87 प्रतिशत और छोटी कंपनियों के स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक में 2.48 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई. क्षेत्रवार सूचकांकों में से धातु खंड में सबसे ज्यादा 4.83 प्रतिशत की गिरावट आई. इसके अलावा औद्योगिक वस्तुओं में 4.15 प्रतिशत, जिंस में 4.01 प्रतिशत, पीएसयू बैंक में 3.73 प्रतिशत, वाहन में 3.27 प्रतिशत और पूंजीगत वस्तुओं में 2.99 प्रतिशत की गिरावट हुई. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.25 प्रतिशत बढ़कर 100.7 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्केई, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए. यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों में भी नकारात्मक रुख देखा गया. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 7,049.87 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 7,449.77 करोड़ रुपये की खरीदारी की. इससे पहले बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 829.29 अंक गिरकर 76,034.42 अंक और निफ्टी 227.70 अंक टूटकर 23,639.15 अंक पर बंद हुआ था.

रुपया 20 पैसे टूटकर 92.45 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

मुंबई: पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के बीच कच्चे तेल की कीमतें 101 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच जाने के बीच रुपया शुक्रवार को 20 पैसे टूटकर 92.45 प्रति डॉलर (अस्थायी) के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत रुख, विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुझान ने रुपये पर और दबाव डाला. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.33 प्रति डॉलर पर खुला. कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.47 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया. कारोबार के अंत में रुपया 92.45 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की गिरावट दर्शाता है. रुपया बृहस्पतिवार को 24 पैसे टूटकर 92.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था. मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''घरेलू बाजारों में कमजोरी और डॉलर के मजबूत होने से रुपया शुक्रवार को नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया.

फिच ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत किया

नयी दिल्ली: रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान शुक्रवार को मामूली रूप से बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया. फिच रेटिंग्स ने दिसंबर में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था. रेटिंग एजेंसी का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में घरेलू मांग जीडीपी वृद्धि का सबसे बड़ा कारक रहने वाली है. फिच ने 'ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक- मार्च 2026' रिपोर्ट में वर्ष 2026 के दौरान विश्व की जीडीपी वृद्धि 2.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है. यह अनुमान इस शर्त पर है कि ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में कोई बड़ी और लंबे समय तक चलने वाली बढ़ोतरी नहीं होगी और तेल की औसत वार्षिक कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर नहीं जाएगी. फिच रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री ब्रायन कुल्टन ने कहा, 'हालांकि अगर ऐसी स्थिति आती है कि तेल की कीमतें 100 डॉलर तक पहुंच जाएं और वहां पर टिकी रहें, तो यह वैश्विक आपूर्ति के लिए बहुत बड़ा झटका होगा.' भारत के संबंध में फिच ने कहा कि जनवरी और फरवरी में वास्तविक गतिविधियों के धीमे होने के अस्थायी संकेत मिले हैं, लेकिन अर्थव्यवस्था जुझारू बनी हुई है और ऋण वृद्धि अभी भी दहाई अंकों में है. फिच को उम्मीद कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में वृद्धि दर धीमी होगी, क्योंकि बढ़ती मुद्रास्फीति वास्तविक आय को प्रभावित करेगी और उपभोक्ता खर्च की वृद्धि को सीमित करेगी. चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर सालाना आधार पर धीमी होकर 7.8 प्रतिशत रही, जो जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.4 प्रतिशत थी. फिच ने कहा, 'हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत रहेगी, जो दिसंबर के अनुमान से मामूली रूप से अधिक है. इस साल घरेलू मांग वृद्धि का सबसे बड़ा चालक है, जिसमें चालू वित्त वर्ष के दौरान उपभोक्ता खर्च और निवेश में क्रमशः (अनुमानित) 8.6 प्रतिशत और 6.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.'

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर पर

मुंबई: देश का विदेशी मुद्रा भंडार छह मार्च को समाप्त सप्ताह में 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर रह गया. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.885 अरब डॉलर बढ़कर 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर रहा था. रिजर्व बैंक की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, छह मार्च को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 9.88 अरब डॉलर घटकर 563.24 अरब डॉलर रह गईं. डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में घट-बढ़ के प्रभाव शामिल होते हैं. रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.61 अरब डॉलर घटकर 130.01 अरब डॉलर रह गया. केंद्रीय बैंक ने बताया कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 14.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.72 अरब डॉलर रह गया. आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 4.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गया.

न्यूज कॉर्नर

पलवल में सूत के गोदाम में भीषण आग, 40 लाख का माल जला, चार घंटे बाद काबू

पलवलः पलवल शहर के भवन कुंड चौक के पास स्थित शगुन इंटरप्राइजेज के सूत के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई. प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है. आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया. हादसे में करीब 40 लाख रुपये का सूत जलकर राख हो गया.मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को गोदाम से धुआं उठता देखा गया. देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और गोदाम में रखे सूत के गट्ठों में तेजी से फैलने लगी. आसपास के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग को दी.सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं. गोदाम की इमारत में बेसमेंट के साथ दो मंजिलें बनी हुई थीं, जहां सूत का स्टॉक रखा हुआ था. आग तेजी से फैलते हुए बेसमेंट से लेकर ऊपर की मंजिलों तक पहुंच गई, जिससे आग बुझाने में काफी मुश्किलें आईं.आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की करीब 12 गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया. दमकल कर्मियों ने लगातार चार घंटे तक कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया. दोपहर बाद आग को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया गया. आग लगने की घटना के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया. हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई. प्रशासन ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है. प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण माना जा रहा है, हालांकि पूरी स्थिति का पता जांच के बाद ही चल सकेगा.

जिम सेंटर संचालक के हत्यारे दो शराब कारोबारियों को आजीवन कारावास

फतेहाबादः अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तरुण सिंगल की अदालत ने करीब सात साल पहले गांव ढाबी कलां निवासी जिम संचालक की हत्या करने के मामले में सुनवाई करते हुए दो शराब कारोबारियों को दोषी करार दिया है. अदालत ने दोषी करार दिए गए भट्टू क्षेत्र के गांव रामसरा निवासी विजयपाल उर्फ टाडा और पुष्कर उर्फ खली को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. अदालत ने शुक्रवार को सुनाए अपने फैसले में इन पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है. इसके अलावा आम्र्ज एक्ट के तहत भी 10-10 हजार अलग से जुर्माना लगाया गया है. विजयपाल व पुष्कर ने 19 जून 2019 को जिम संचालक अशोक कुमार की कनपटी और छाती में गोली मारकर हत्या कर दी थी. पुलिस ने अशोक के पिता सुभाष की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ हत्या व आम्र्ज एक्ट के तहत केस दर्ज किया था. इस संबंध में पुलिस को दी शिकायत में गांव ढाबी कलां निवासी सुभाष ने कहा था कि उसका छोटा बेटा अशोक चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी सिरसा से बीपीएड का कोर्स कर रहा था. साथ ही भट्टू मंडी में गांव के ही मनिंद्र बैनीवाल के साथ जिम सेंटर चलाता था. सुभाष ने कहा था कि 19 जून 2019 को वह अपने बेटे व मनिंद्र के साथ सुबह करीब 11 बजे ढाबी कलां से चले थे. अशोक गाड़ी चला रहा था. अशोक के पास पुष्कर उर्फ खली ने फोन कर भट्टू में मिलने की बात कही. इसके बाद पुष्पर उर्फ खली और विजयपाल उर्फ टाडा आई ट्वेंटी कार में आए. दोनों ने अशोक से कहा कि सत्यवान को समझाओ कि शराब क्यों बेचता है. अशोक ने कहा कि उसका सत्यवान से कोई वास्ता नहीं है. आप खुद सत्यवान को समझाओ. इतने में ही विजयपाल और पुष्कर तैश में आ गए. सुभाष का आरोप था कि विजयपाल ने पिस्तौल निकालकर अशोक की छाती में गोली मार दी. इसके बाद पुष्पर ने उसी पिस्तौल से दूसरी गोली नीचे गिरे हुए अशोक की कनपटी पर मार दी. दोनों इसके बाद फरार हो गए. वे अशोक को भट्टू सीएचसी लेकर गए, लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया.

अवैध भंडारण पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 81 गैस सिलेंडर जब्त

धौलपुरः जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति सुचारू बनाए रखने तथा अवैध भंडारण और कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बाड़ी कस्बे में छापेमारी की. जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी के निर्देश पर गठित विशेष प्रवर्तन जांच दल द्वारा शुक्रवार देर शाम की गई छापेमारी में कुल 81 गैस सिलेंडर जब्त किए हैं. जिला रसद अधिकारी मणि खींची ने बताया की जांच दल ने बाड़ी कस्बे में बसेड़ी रोड स्थित विजय कैटरर्स के गोदाम पर छापा मारकर 79 गैस सिलेंडर बरामद किए. इनमें 24 सिलेंडर 14.2 किलोग्राम घरेलू श्रेणी के, 28 सिलेंडर 5 किलोग्राम घरेलू श्रेणी के तथा 27 सिलेंडर 19 किलोग्राम व्यावसायिक श्रेणी के पाए गए. कार्रवाई के दौरान बसेड़ी रोड स्थित स्काईजिन रेस्टोरेंट एवं होटल में भी जांच की गई, जहां घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग कर भोजन तैयार किया जा रहा था. यहां से 2 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए. इस प्रकार दोनों स्थानों से कुल 81 गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं. संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है. कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन दल में गजेन्द्र बाबू शर्मा, जगदीश प्रसाद शर्मा एवं जितेन्द्र गोठवाल सहित पुलिस दल भी मौजूद रहा. डीएसओ खिंची ने बताया कि धौलपुर जिले में आम उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर गैस सिलेंडरों की आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है. 12 मार्च 2026 को 4340 सिलेंडरों का वितरण किया गया, जबकि 13 मार्च 2026 को भी 4000 से अधिक सिलेंडरों का वितरण किया जा रहा है. गैस एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है. उन्होंने चेतावनी दी है कि अवैध भंडारण, घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग अथवा कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी.

आईआईटी छात्र ने कैंपस स्थित आवास में फांसी लगाकर जान दी

नई दिल्लीः आईआईटी कैंपस स्थित न्यू विंध्याचल अपार्टमेंट में रहने वाले के बीटेक प्रथम वर्ष के छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी. छात्र की पहचान हर्षित स्वामी के रूप में हुई है. छात्र का शव गुरुवार सुबह पंखे के सहारे फांसी पर लटका मिला. किशनगढ़ पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. पुलिस ने घटना में किसी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका से इनकार किया है. पुलिस अधिकारी के अनुसार हर्षित स्वामी बीटेक सिविल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष का छात्र था. अपनी मां के साथ वह आईआईटी कैंपस स्थित न्यू विंध्याचल अपार्टमेंट में रहता था. 10 मार्च को छात्र की मां अपने पैतृक घर गई थीं. अंतिम बार 11 मार्च की रात करीब 11 बजे उन्होंने हर्षित से बात की थी. सुबह जब उन्होंने छात्र को फोन किया तो कोई जवाब नहीं आया. इस पर उन्होंने अपार्टमेंट में ही रहने वाले एक अन्य छात्र से बेटे को देखने के लिए कहा. वह जब कमरे में पहुंचा तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला. मामले की सुरक्षा सुरक्षा कर्मचारियों को दी गई. सुरक्षा कर्मचारियों ने जबरदस्ती दरवाजा खोला तो पंखे से हर्षिक स्वामी का शव लटका मिला. छात्र के पंखे से उतारकर आईआईटी परिसर में अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. क्राइम तथा एफएसएल टीम को भी जांच के लिए घटनास्थल पर बुलाया गया. पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला. कांकेर : कीटनाशक पीकर मामा-भांजी ने दी जान, खेत में मिले दोनों के शव कांकेर, 13 मार्च (हि.स.). जिले के छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में मामा-भांजी ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली, दोनों का शव खेत में मिला. मृतकों की पहचान लक्ष्मीपुर के रहने वाले राकेश अचला (26) और जाबेली की रहने वाली कुमारी जगवती बडडे (20) के रूप में हुई है. मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. बताया जा रहा है कि दोनों रिश्ते में मामा-भांजी लगते थे. एक-दूसरे को पसंद करते थे, दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन दोनों के रिश्ते से घर वाले नाराज थे.मिली जानकारी के अनुसार, राकेश और जगवती एक-दूसरे को पसंद करते थे. दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन परिजन इसके लिए तैयार नहीं थे. 12 मार्च की रात दोनों टेकामेटा के रहने वाले नाथू दुगा के खेत पहुंचे, जहां उन्होंने कीटनाशक पी लिया, जिससे दोनों की मौत हो गई.

ट्रक की चपेट में आने से दो की मौत

जोरहाट (असम), 13 मार्च (हि.स.). जोरहाट जिले के टियक इलाके में ट्रक की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि जिले के टियक के बादूलीपोखरी तीनाली इलाके में ट्रक की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई.मृत महिलाओं की पहचान उमाबाड़ी बागान की कुसुम ग्वाला और जोनमनी ग्वाला के रूप में की गई है. घटना के समय दोनों महिला स्कूटी से जा रहे थीं. इसी दौरान ट्रक की चपेट में आ गयीं. घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है. पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है.

महिलाएं राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी: मुख्यमंत्री

जयपुरः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं केवल परिवार ही नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं. उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित राजस्थान का संकल्प महिलाओं के सक्रिय योगदान के बिना पूरा नहीं हो सकता. राज्य सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से कार्य कर रही है.

मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर महिला स्टार्टअप एंटरप्रेन्योर, रेडियो जॉकी, सरकारी विभागों में कार्यरत महिला अधिकारियों, आरएएस सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित छात्राओं, लखपति दीदी, समाजसेवी महिलाओं तथा मुख्यमंत्री कार्यालय एवं निवास पर कार्यरत महिला सुरक्षाकर्मियों और कर्मचारियों से संवाद कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए नई नीतियां और योजनाएं लागू कर रही है. लखपति दीदी योजना के तहत प्रदेश में अब तक 16 लाख से अधिक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया गया है. वहीं सोलर दीदी और बैंक सखी जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त किया जा रहा है. इसके अलावा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए

33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है. मुख्यमंत्री लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत अब तक 6 लाख से अधिक बालिकाओं को लाभान्वित किया गया है. वहीं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और मा वाउचर योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण को मजबूत किया जा रहा है. इसके अलावा 1 लाख 39 हजार स्वयं सहायता समूहों को 679 करोड़ रुपये की आजीविका सहायता प्रदान की गई है.

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत 19 लाख से अधिक महिला पेंशनरों को 6 हजार 876 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है. वहीं मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 27 हजार से अधिक कन्याओं के विवाह के लिए करीब 101 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध कराई गई है. संवाद के दौरान विभिन्न जिलों से आई महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए.

ब्यावर की सोनिया वर्मा ने महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया. हनुमानगढ़ की मधु राठौड़ ने अपनी सफलता की कहानी साझा की, जबकि डॉ. कृति भारती ने बाल विवाह रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी. डीडवाना-कुचामन की बाली देवी ने बताया कि राजीविका के माध्यम से बैंक सखी बनकर वे आत्मनिर्भर बनी हैं और अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर दे रही हैं.इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं और छात्राओं ने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की सराहना की तथा कहा कि सरकार द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान और रोजगार के क्षेत्र में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं.महिला उद्यमियों ने भी बताया कि राजीविका जैसी योजनाओं से उन्हें न केवल आर्थिक मजबूती मिली है बल्कि वे अन्य परिवारों को भी रोजगार देने में सक्षम हुई हैं.

राज्य सभा में क्रास वोटिंग के डर से कांग्रेस के 31 विधायक हिमाचल शिफ्ट, चार सांसद रहेंगे साथ

हुड्डा समेत छह विधायक नहीं गए हिमाचल

चंडीगढ़ः हरियाणा कांग्रेस ने राज्य सभा चुनाव में क्रास वोटिंग के डर से अपने 31 विधायकों को शुक्रवार की शाम चंडीगढ़ से हिमाचल शिफ्ट कर दिया. इस बीच पार्टी हाईकमान ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रभारी बीके हरिप्रसाद को इस चुनाव का पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिया है. हुड्डा समेत छह विधायक हिमाचल नहीं गए हैं.

हुड्डा चंडीगढ़ में ही रहेंगे. कांग्रेस के 37 में से 31 विधायक प्रभारी बीके हरिप्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ शिमला के निकट कूफरी में रहेंगे. 16 मार्च को राज्य सभा चुनाव के लिए वोटिंग करने हेतु सभी विधायक एक साथ आएंगे. पिछले दो राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस विधायकों की ओर से क्रास वोटिंग की जाती रही है, जिस कारण दोनों बार भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव जीतते रहे हैं. इस बार कांग्रेस ने विधायकों की इच्छा के विपरीत कर्मवीर बौद्ध को चुनाव मैदान में उतारा है और भाजपा ने अपनी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में उनके सामने खड़ा कर दिया. ऐसे में न केवल हुड्डा की चुनौती बढ़ गई है, बल्कि भाजपा की अधिक चौकन्नी हो गई है. बादली के कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स के परिवार में विवाह है, जिस कारण वे हिमाचल प्रदेश नहीं गए हैं. पुन्हाना के विधायक मोहम्मद इलियास की तबीयत ठीक नहीं है. टोहाना के विधायक परमवीर सिंह उम्रदराज हो चुके हैं. जुलाना की विधायक विनेश फोगाट और पंचकूला के विधायक चंद्रमोहन भी हिमाचल प्रदेश नहीं गए हैं. कांग्रेस विधायकों के साथ सांसद दीपेंद्र हुड्डा के अलावा सांसद जयप्रकाश जेपी, सतपाल ब्रह्मचारी और वरुण मुलाना भी हिमाचल प्रदेश गए हैं.रोहतक के कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा ने कहा है कि अगर विधायक मिलकर हिमाचल प्रदेश जा रहे हैं तो इसमें कोई बुराई नहीं है.

ईरान के साथ युद्ध का हिस्सा नहीं है जर्मनी : जर्मन चांसलर

एंडेनेस (नॉर्वे)/बर्लिनः नॉर्वे की यात्रा के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहे सैन्य अभियान को समाप्त करने के लिए अमेरिका और इजराइल के पास स्पष्ट एग्जिट प्लान नजर नहीं आता. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कारगर रणनीति नहीं बनाई गई तो यह संघर्ष पूरे क्षेत्र में और खतरनाक रूप से फैल सकता है. लजजीरा अंग्रेजी और अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के पास ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान को समाप्त करने के लिए फिलहाल कोई स्पष्ट एग्जिट प्लान दिखाई नहीं देता. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो यह संघर्ष पूरे क्षेत्र में फैलकर और खतरनाक हो सकता है. मर्ज़ ने कहा कि जर्मनी इस युद्ध का हिस्सा नहीं है और न ही इसका हिस्सा बनना चाहता है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बर्लिन फिलहाल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को सैन्य सुरक्षा देने पर विचार नहीं कर रहा है, भले इस रणनीतिक जलमार्ग के आसपास ईरान के हमलों की खबरें सामने आ रही हों.इस दौरान मर्ज़ ने अमेरिकी प्रशासन की उस घोषणा की भी आलोचना की, जिसमें बढ़ती ऊर्जा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए रूस पर लगे कुछ तेल प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाने का फैसला किया गया है.

पुरानी दिल्ली के विकास को मिलेगी नई गति, एसआरडीसी का नाम भी बदलेगा : रेखा गुप्ता

नई दिल्लीः मुख्यमंत्री और शाहजहानाबाद रीडेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एसआरडीसी) की अध्यक्ष रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को 38वीं बोर्ड बैठक हुई. बैठक में पुरानी दिल्ली के समग्र विकास, विरासत संरक्षण आदि से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में पूर्व सरकार के कार्यकाल के दौरान एसआरडीसी की कार्यप्रणाली का विषय भी उठा और वित्तीय अनियमितताओं पर भी चर्चा हुई. मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि वित्तीय अनियमितताओं की जांच कराई जाएगी.

बैठक में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद सहित सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे. बैठक के दौरान बोर्ड के नाम परिवर्तन के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई. इस संबंध में निर्णय लिया गया कि नए नाम के लिए तीन प्रस्तावित नामों को वरीयता क्रम में तैयार कर नया नाम फाइनल किया जाएगा. बैठक में लाल जैन मंदिर से फतेहपुरी मस्जिद तक चांदनी चौक की पुनर्विकास परियोजना की भी समीक्षा की गई.मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि इस संस्था का समग्र पुनर्गठन और पुनर्जीवन किया जाए. सरकार न केवल बोर्ड का नाम बदलेगी, बल्कि इसके माध्यम से पुरानी दिल्ली और शाहजहानाबाद क्षेत्र के वास्तविक पुनर्विकास को गति देगी.मुख्यमंत्री ने बताया कि पुरानी दिल्ली का पुराना गौरव वापस लाने के लिए दिल्ली सरकार ने गंभीर प्रयास शुरू कर दिए हैं. इस कड़ी में पुरानी दिल्ली की 28 सड़कों पर लगभग 160 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं. इन कार्यों के अंतर्गत सड़कों का निर्माण और सुधार, क्षेत्र का सौंदर्यीकरण, स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना, सार्वजनिक शौचालयों का बेहतर रखरखाव और व्यापक सफाई अभियान चलाया जा रहा है. साथ ही पूरे क्षेत्र में बिजली की वायरिंग को चरणबद्ध तरीके से भूमिगत करने की योजना भी बनाई जा रही है ताकि पुरानी दिल्ली के ऐतिहासिक स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें.

श्रमिकों की मौत मामले में मानवाधिकार आयोग ने सरकार व सीपी से मांगा जवाब

गुरुग्रामः जिला के गांव सिधरावली के पास निर्माणाधीन सिग्नेचर ग्लोबल सिटी ऑफ कलर्स में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की खुदाई के दौरान मिट्टी ढहने से सात मजूदरों की मौत व चार के घायल होने पर मानवाधिकार आयोग ने सख्ती दिखाई है. सरकार व गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है कि इस मामले में स्वत: क्या संज्ञान लिया गया है. दो सप्ताह के भीतर यह जवाब देना होगा.

बता दें कि बीते सोमवार कह देर रात सिग्नेचर ग्लोबल सिटी ऑफ कलर्स के निर्माणाधीन प्रोजेक्ट के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की खुदाई करने के दौरान मिट्टी ढह गई थी. इस मलबे की चपेट में आने से सात श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई थी. चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे. रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कई घंटों तक राहत कार्य चला, जिसमें एनडीआरफ, एसडीआरफ, फायर ब्रिगेड और सिविल डिफेंस की टीमों ने मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला. इस घटना पर मानवाधिकार आयोग ने मीडिया रिपोर्टस पर संज्ञान लेते हुए कहा है कि यदि खबरें सही हैं तो यह सीधे तौर पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है. निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई, जिसकी वजह से श्रमिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी. श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना ठेकेदार और प्रशासन की जिम्मेदारी है. इस तरह के हादसों में जान जाना प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करता है.

'विकसित भारत 2047' की यात्रा में दिव्यांगजन समान भागीदार : राष्ट्रपति

नई दिल्लीः राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को दिव्यांगजनों की प्रतिभा, उपलब्धियों और आकांक्षाओं का उत्सव मनाने के लिए 'पर्पल फेस्ट' का आयोजन किया गया. इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में देश आगे बढ़ रहा है और इस यात्रा में दिव्यांगजन समान भागीदार हैं. राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान दिनभर चले उत्सव में 8 हजार से अधिक दिव्यांगजन अमृत उद्यान पहुंचे, जिसे विशेष रूप से उनके लिए खोला गया था. इस दौरान विभिन्न संगठनों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से दिव्यांगजनों ने खेल, सीखने और मनोरंजन से जुड़ी कई गतिविधियों में भाग लिया.शाम को राष्ट्रपति द्रौपदी ने राष्ट्रपति भवन स्थित ओपन एयर थिएटर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी अवलोकन किया, जिसमें दिव्यांग कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी.राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी देश या समाज की पहचान केवल उसकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह समाज के वंचित वर्गों के प्रति कितनी संवेदनशीलता दिखाता है. उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास और संस्कृति में संवेदनशीलता, समावेशिता और सामंजस्य की भावना हमेशा से प्रमुख रही है. उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान सामाजिक न्याय, समानता और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा के आदर्शों को स्थापित करता है.

प्रदेश में 3,819 पेड़ों के अभिरक्षकों को दी दो करोड़ पांच लाख पेंशन :नायब सैनी

चंडीगढ़ः हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को पंचकूला में तीन दिवसीय 38वें वसंत उत्सव का शुभारंभ किया. इसके साथ ही, रखरखाव के लिए साल भर से बंद एशिया का सबसे बड़ा कैक्टस गार्डन भी जनता के लिए खोला गया है. मुख्यमंत्री ने वसंत उत्सव में फूलों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कट फ्लावर, ड्राई फ्लावर और फ्रेस फ्लावर सैक्शन में फूलों की विभिन्न किस्मों में गहरी रूचि दिखाई. उन्होंने स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों के स्टॉलों का भी अवलोकन किया.कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वसंत उत्सव हमारी संस्कृति, प्रकृति प्रेम व सामाजिक समरसता का जीवंत उत्सव है. यह उत्सव पूरे प्रदेश के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. पंचकूला हरियाणा का एक आधुनिक और व्यवस्थित शहर है. यह नगर प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छ वातावरण और सुव्यवस्थित विकास का अद्भुत उदाहरण है.

उन्होंने कहा कि इस उत्सव को

आकर्षक बनाने के लिए पुष्प सज्जा, कट फ्लावर, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला, पॉट पेंटिंग, फेस पेंटिंग और टैटू प्रतियोगिता, पर्यावरण क्विज, मेहंदी प्रतियोगिता एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व का ऐसा देश है, जहां प्रकृति ने हमें अनेक ऋतुओं का वरदान दिया है. हर ऋतु अपने साथ एक नई अनुभूति और नई ऊर्जा लेकर आती है. हमारे देश की संस्कृति भी ऋतुओं के साथ गहराई से जुड़ी हुई है. इसलिए हर ऋतु के आगमन पर कोई न कोई पर्व या उत्सव मनाया जाता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि पेड़ों के संरक्षण के लिए प्राणवायु देवता पेंशन योजना के तहत 75 साल से ऊपर के पेड़ों के रखरखाव के लिए 3 हजार रुपये सालाना पेंशन देने का प्रावधान किया हुआ है. अब तक 3,819 पेड़ों की पहचान करके उनके अभिरक्षकों को 2 करोड़ 5 लाख रुपये की राशि पेंशन के रूप में दी गई है. इनके अलावा 1,541 अतिरिक्त पेड़ों की पहचान की गई है.

युवा शक्ति माथापच्ची- 24

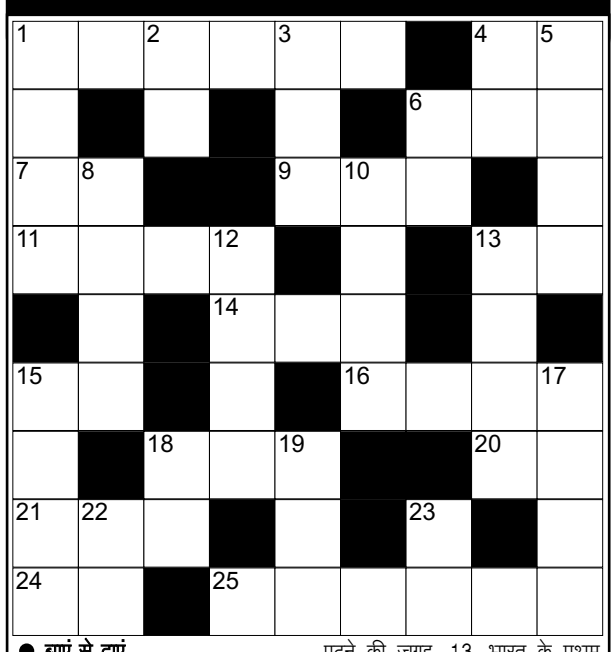

● **बाएं से दाएं**

1. गुस्सा उतरना, 4. स्तुति करना, बखान करना, मधुर स्वर में अलाप करना, 6. एक प्रकार का मोटा अनाज, 7. रात्रि, निशा, 9. कजली, 11. नान बनाने वाला, 13. गवैया, प्रेमी, 14. कुचला हुआ, रौंदा हुआ, 15. पेड़ का मोटा मुख्य भाग, 16. क्रम, सिलसिला, विचार क्रम, 18. गंध, 20. नगाड़ा, दुंदुभी, डंका, 21. जकड़ना, पूरजों को बैठाना, परखना, 24. प्रसिद्धि, यश, ख्याति, 25. जहाज का पहली बार पानी में प्रवेश.

● **उपर से नीचे**

1. भेंट, उपहार, 2. लेकर आना, उपस्थित करना, 3. रसिया, 4. गरज, हुंकार, 5. अप्रसन्नता, रोष, 6. क्रम, किनारा, 8. खिंचवाना, तनना, 10. पूजा पाठ, 12. सामूहिक रूप से नमाज पढ़ने की जगह, 13. भारत के प्रथम नागरिक, 15. बिगड़ना, झुंझलाना, तड़पना, टूटना, 17. अचूक, अमोघ, तुरंत लाभकारी औषध, 18. निषिद्ध, वर्जित, अनुचित, 19. कड़वा फल जिसकी सब्जी बनती है. 22. बराबर, दो से विभाज्य, 23. पराजय, मात

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 23 का हल

ह	स्तां	त	र	ण	क	र	ना	■
■	■	ल	■	■	ल	■	जी	ता
आ	भा	■	रा	■	■	कि	वा	ड़
सा	व	धि	ज	मा	र	सी	द	■
न	■	क्का	■	ल	■	आ	■	छि
■	भा	र	ती	य	वा	यु	से	ना
भा	ग	ना	■	■	ग्मी	■	ब	ल
ना	व	■	ध	■	■	ता	■	■
■	त	क	नी	की	जा	न	का	री

सुडोकू-03

	9		5	1	4			6
					3	2	5	
	3	5						4
	5			3	2		4	7
2		4	7	9	1	5		8
9	7		4	8			6	
5						4	9	
	4	9	2					
7			3	4	9		2	

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें. उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -02 का उत्तर

5	8	6	7	9	4	3	2	1
4	2	3	8	1	5	7	9	6
1	9	7	6	2	3	8	4	5
9	6	4	3	5	8	2	1	7
2	5	8	9	7	1	6	3	4
3	7	1	4	6	2	5	8	9
8	3	9	5	4	7	1	6	2
6	1	5	2	8	9	4	7	3
7	4	2	1	3	6	9	5	8

ऐतिहासिक पहल: कोलकाता में पहली बार भव्य स्तर पर आयोजित होगा 'जैन धरोहर दिवस', देश के 600 शहरों में गूंजेगा संरक्षण का संदेश

युवा शक्ति न्यूज़

कोलकाता: भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जैन पुरातत्व को सहेजने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन संरक्षिणी महासभा, कोलकाता द्वारा आगामी 26 और 27 अप्रैल को 'जैन धरोहर दिवस' का आयोजन किया जा रहा है. यह आयोजन जैन समाज के उस महापुरुष, स्वर्गीय निर्मल कुमार जैन (सेठी) की पावन स्मृति में समर्पित है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन (42 वर्ष) निस्वार्थ भाव से जैन धरोहरों के जीर्णोद्धार में लगा दिया.

यूनेस्को की तर्ज पर वैश्विक पहचान: राजकुमार सेठी

महासभा के महासचिव राजकुमार सेठी ने 'युवा शक्ति' से विशेष वार्ता में कहा कि जिस प्रकार यूनेस्को द्वारा 18 अप्रैल को पूरी दुनिया में 'वर्ल्ड हेरिटेज डे' मनाया जाता है, उसी की तर्ज पर हम हर साल 27 अप्रैल को 'जैन धरोहर दिवस' के रूप में मनाते हैं. उन्होंने गौरव के साथ बताया, साल 2025 में हमने 490 स्थानों पर इस दिवस का आयोजन किया था, जबकि इस वर्ष हमारा लक्ष्य इसे भारत के 600 शहरों तक ले जाने का है. दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और गुवाहाटी की सफलता के बाद अब पहली बार कोलकाता में यह कार्यक्रम एक विशाल जन-आंदोलन का रूप लेने जा रहा है.

साझा विरासत ही मानवता की पहचान: प्रदीप जी व धर्मेंद्र जैन

धरोहरों के महत्व पर जोर देते हुए प्रदीप जी ने कहा कि जैन धरोहरें केवल एक संप्रदाय की संपत्ति नहीं, बल्कि पूरी मानवता की अनमोल विरासत हैं. हमारा उद्देश्य लोगों को अपनी मूर्त और अमूर्त विरासतों को बचाने के लिए जागरूक करना है. वहीं, धर्मेंद्र जैन ने एक महत्वपूर्ण तथ्य रखा कि पश्चिम बंगाल का यह क्षेत्र 20 तीर्थंकरों की निर्वाण भूमि है. यहाँ जैन धरोहरें सर्वाधिक संख्या में मौजूद हैं, इसलिए इनका संरक्षण और पुनर्निर्माण करना हमारा नैतिक दायित्व है. उन्होंने संकल्प लिया कि इन ऐतिहासिक स्थलों को सुरक्षित रखकर समाज में उचित सम्मान दिलाया जाएगा.

वैज्ञानिक धर्म और बाउजी का सपना: धर्मेंद्र सेठी

स्वर्गीय निर्मल जैन के सुपुत्र धर्मेंद्र सेठी ने 'युवा शक्ति' को बताया कि यह आयोजन उनके पिता (बाउजी) के अधूरे सपनों को साकार करने की एक कोशिश है. इस अवसर पर साहित्य, कला और पुरातत्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को 1-1 लाख रुपये के दो विशेष पुरस्कार (एक जैन और एक गैर-जैन) दिए जाते हैं. युवाओं का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि जैन धर्म पूरी तरह से एक वैज्ञानिक धर्म है और नई पीढ़ी को इसकी गहराई से जुड़ना चाहिए.

दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा: निर्मल विन्दायका

पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष निर्मल विन्दायका ने कार्यक्रम का विवरण साझा करते हुए बताया: 26 अप्रैल: कोलकाता के प्रतिष्ठित 'धनधान्य ऑडिटोरियम' में भव्य कार्यक्रम और विशेष परिचर्चा होगी. 27 अप्रैल: सराक जाति बस्ती के निकट पंचेत पहाड़ पर मुख्य आयोजन होगा, जहाँ समाज अपनी जड़ों से रूबरू होगा.

समाज से एकजुट होने की अपील

प्रेस क्लब में आयोजित इस वार्ता के दौरान उपाध्यक्ष विकास जैन, प्रचार मंत्री विजय सरावगी एवं परम शिरोमणि संरक्षक धर्मेंद्र जैन सेठी ने भी समाज के हर वर्ग, विशेषकर युवाओं से अपील की कि वे 26 अप्रैल को धनधान्य ऑडिटोरियम पहुँचकर अपने सुझाव दें और इस सांस्कृतिक महाकुंभ को सफल बनाएँ. आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के सुप्रिटेंडेंट डॉ. शुभ मजूमदार की अनुशंसा पर शुरू हुआ यह सफर अब एक राष्ट्रीय अभियान बन चुका है.

सावधान! कोलकाता में सक्रिय है 'ठग सोनी परिवार'

व्यवसायी को समलैंगिक सम्बन्ध के चंगुल में फंसाकर लूटे लाखों, अब दी जान से मारने की धमकी

युवा शक्ति न्यूज़

कोलकाता: शहर के फूलबागान इलाके से विश्वासघात और जालसाजी का एक अभूतपूर्व मामला सामने आया है, जिसने रिश्तों और भरोसे की धज्जियां उड़ा दी हैं. एक प्रतिष्ठित व्यवसायी और समाजसेवी अविनाश कसेरा को उनके ही भरोसेमंद कर्मचारी 32 वर्षीया आशीष सोनी ने न केवल लाखो रुपये का चूना लगाया, बल्कि अब परिवार सहित जान से मारने की धमकी दे रहा है.

अपराध का 'पारिवारिक इतिहास': जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि धोखाधड़ी आशीष सोनी के लिए नई बात नहीं है, बल्कि उसके परिवार का पुराना पेशा रहा है. आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, आशीष के पिता कैलाश चंद सोनी एकाधिक बार हवालात की सैर कर चुके है . साल 2023 में बांसद्रोणी पुलिस ने 15 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी, सोने की चोरी और दस्तावेजों की जालसाजी (खझउ 420/467/468/471) के मामले में गिरफ्तार किया था और लगभग एक माह वो हवालात में बंद था. पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए अब बेटे आशीष सोनी ने भी अपने नियोक्ता के साथ वैसी ही घिनौनी साजिश रची है.

भावनात्मक जाल और लाखो की ठगी: पिछले 11 वर्षों से संस्थान में कार्यरत आशीष सोनी ने पहले व्यवसायी का अटूट विश्वास जीता. जब भरोसा पूरी तरह कायम हो गया, तो उसने अपनी 'दोहरी जिंदगी' का खेल शुरू किया और पीड़ित को समलैंगिक सम्बन्ध के कुचक्र में फंसा के अलग-अलग बहानों से उनसे लाखो रुपये विगत 10 वर्षो में ऐठे और उनके फर्जी हस्ताक्षर कर दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ की.

ऑफिस कब्जाने की कोशिश और 'सुसाइड ड्रामा': कामुक समलैंगिक वासना से ग्रसित आरोपी आशीष सोनी

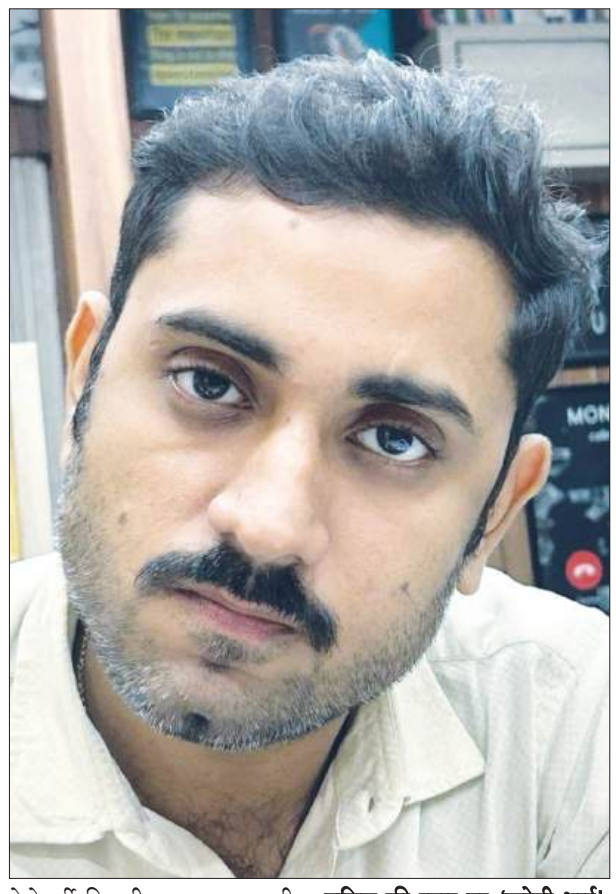

ने बेशर्मी की सारी हद तब पार कर दी जब उसने अपनी शादी तय करने के लिए व्यवसायी की अनुपस्थिति में उनकी ऑफिस में अपना झूठा वर्चस्व दिखाकर सरदारशहर के एक मासूम लड़की के घर वालों को गुमराह किया. जब व्यवसायी ने इस झूठ का विरोध किया और लड़की के परिवार को आशीष के 10 साल की गन्दी कामुकता और धोखाधड़ी की सच्चाई बताने की बात कही, तो आशीष और उसके भाई हेमंत सोनी ने खूनी खेल की धमकी दे डाली. आरोपियों ने स्पष्ट कहा कि यदि सच्चाई बाहर आई, तो वे व्यवसायी की हत्या कर देंगे या खुद 'सुसाइड' कर उन्हें फंसा देंगे.

पुलिस की रडार पर 'फरेबी भाई': पीड़ित अविनाश कसेरा ने फूलबागान थाने में आशीष और हेमंत सोनी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है. आरोपी 2 मार्च 2026 से ही फरार है. व्यवसायी ने पुलिस को पुख्ता सबूत के तौर पर कई मैसेज और वीडियो रिकॉर्डिंग सौंपी हैं, जो आरोपियों के असली चेहरे को बेनकाब करते हैं.

जनता से अपील: ऐसे जालसाजों से सावधान रहें जो लंबे समय तक साथ रहकर आपके भरोसे की जड़ें काटते हैं. पुलिस फिलहाल मामले की गहनता से जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है.

बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर में राष्ट्रीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी 2026 की तैयारियाँ जोरों पर

युवा शक्ति न्यूज

सबौर (भागलपुर): बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी 2026 की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं. विश्वविद्यालय परिसर में 16 से 18 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय किसान मेले को लेकर विभिन्न स्तरों पर व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं. मेले में किसानों, कृषि वैज्ञानिकों,कृषि उद्यमियों, छात्र-छात्राओं तथा कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न संस्थानों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं. इस वर्ष किसान मेले का मुख्य विषय दलहन-तिलहन उत्पादन में वृद्धि द्वारा पोषण एवं खाद्य सुरक्षा निर्धारित किया गया है. इस विषय के माध्यम से किसानों को दलहन एवं तिलहन की उन्नत खेती, नई किस्मों तथा उत्पादन बढ़ाने की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया जाएगा, जिससे प्रदेश और देश में पोषण एवं खाद्य सुरक्षा को और सुदृढ़ किया जा सके. किसान मेले में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से जुड़ी अनेक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी.

इसमें किसानों को जलवायु अनुकूल उन्नत फसल किस्मों, आधुनिक कृषि तकनीकों, छोटे एवं उपयोगी कृषि उपकरणों, मिट्टी एवं जल संरक्षण की तकनीकों, आधुनिक सिंचाई प्रणालियों तथा कृषि यंत्रीकरण से जुड़े नवीन समाधानों की जानकारी दी जाएगी. इसके अलावा किसानों को कृषि आधारित उद्यमिता के अवसरों से भी अवगत कराया जाएगा.मेले के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों के बीच सीधा संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें किसान अपनी समस्याओं को सीधे कृषि वैज्ञानिकों के समक्ष रख सकेंगे और उनके व्यावहारिक समाधान प्राप्त कर सकेंगे.साथ ही मेले में उन्नत बीज एवं पौध सामग्री, कृषि जैव उत्पाद, कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी, पशु प्रदर्शनी, पुष्प प्रदर्शनी तथा उद्यान प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी. विभिन्न सरकारी विभागों एवं संस्थानों द्वारा किसान हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी. किसान मेले को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शनी पंडाल, स्टॉल, तकनीकी सत्रों के आयोजन स्थल, किसान गोष्ठी स्थल तथा आगंतुकों के लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है. राज्य के विभिन्न जिलों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से भी किसानों के आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है.

इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने कहा कि बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय किसान मेला किसानों, वैज्ञानिकों और कृषि उद्यमियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है. इस वर्ष मेले का विषय 'दलहन-तिलहन उत्पादन में वृद्धि द्वारा पोषण एवं खाद्य सुरक्षा' रखा गया है, जो वर्तमान समय की आवश्यकता को दर्शाता है. इस मेले के माध्यम से किसानों को नवीन कृषि तकनीकों, उन्नत किस्मों तथा कृषि आधारित उद्यमिता की जानकारी मिलेगी. मैं बिहार सहित आसपास के राज्यों के सभी किसान भाईयों-बहनों से आग्रह करता हूँ कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस किसान मेले में भाग लें और नई तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाएं. विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी किसान भाईयों-बहनों, कृषि उद्यमियों, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों से अपील की है कि वे 16 से 18 मार्च 2026 तक बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर में आयोजित राष्ट्रीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी 2026 में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और इस आयोजन को सफल बनाएं.

राजेश खन्ना चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मच्छरदानी वितरण एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: राजेश खन्ना चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा लायंस क्लब ऑफ कोलकाता मावेरिक्स के सहयोग से सॉल्ट लेक सेक्टर-5 हॉकर्स वेलफेयर एसोसिएशन के लिए वेबेल मोड़, सेक्टर-5 में मच्छरदानी वितरण एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया. इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र के मेहनतकश हॉकर्स की सेहत और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं और सहायता प्रदान करना था. शिविर के दौरान मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के लिए मच्छरदानियों का वितरण किया गया, वहीं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, ब्लड शुगर टेस्ट और प्राथमिक चिकित्सीय परामर्श भी उपलब्ध कराया गया. इस कार्यक्रम के माध्यम से 100 से अधिक लाभार्थियों को सहायता प्रदान की गई. उपस्थित डॉक्टरों और स्वयंसेवकों ने स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाइयां भी वितरित कीं तथा लोगों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह दी. कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार की पहल समाज के उन वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो अपने कार्य के कारण नियमित स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते. राजेश खन्ना चैरिटेबल ट्रस्ट और लायंस क्लब ऑफ कोलकाता मावेरिक्स ने भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी कार्य करते रहने का संकल्प व्यक्त किया. इस अवसर पर लायन क्लब कोलकाता मावेरिक्स के सम्मानित सदस्य अर्थात् अध्यक्ष निखिल मूंदड़ा उपस्थित थे. साथ में कोषाध्यक्ष संदीप डिडवानिया, उपाध्यक्ष सचिन देवड़ा, व्यवस्थापक राहुल खन्ना, सदस्य रोशन मुरारका, गौतम बुधिया, विनीता माहेश्वरी की गरिमामयी उपस्थिति थी.

दार्जिलिंग चाय उद्योग पर मंडरा रहा एलपीजी संकट , 55 हजार मजदूरों की जीविका पर पड़ सकता है असर

कोलकाता: पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते औद्योगिक एलपीजी की अनुपलब्धता के कारण दार्जिलिंग चाय के उत्पादन में और गिरावट आ सकती है. साथ ही बंगाल में कारखानों को आपूर्ति बाधित होने का खतरा है. चाय संघ ने यह बात कही है. दार्जिलिंग टी एसोसिएशन ने कोलकाता स्थित टी बोर्ड मुख्यालय के डिप्टी चेयरमैन को पत्र लिखकर इस मुद्दे को उठाया है. पत्र में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के एक परिपत्र का उल्लेख किया गया है, जिसमें सभी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि उनके द्वारा खरीदी गई एलपीजी केवल घरेलू उपभोक्ताओं को ही उपलब्ध कराई और बेची जाए. संघ ने आगाह किया कि इस आदेश के कारण चाय बागानों के कारखानों को औद्योगिक एलपीजी उपलब्ध नहीं हो पाएगी जिससे दार्जिलिंग चाय के उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा और 55,000 स्थायी श्रमिकों तथा उनके परिवारों की आजीविका प्रभावित हो सकती है. पत्र में कहा गया है कि इस संगठन के सदस्य आपसे अनुरोध करते हैं कि संबंधित मंत्रालय से बात कर दार्जिलिंग चाय उद्योग के कारखानों को औद्योगिक एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए. संघ ने यह भी बताया कि पिछले एक दशक में दार्जिलिंग के चाय बागानों ने अपने कारखानों को कोयला आधारित प्रणाली से बदलकर औद्योगिक एलपीजी पर आधारित प्रणाली में परिवर्तित कर लिया है.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : सुधांशु शेखर,
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन